RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 354 ■ मुंबई, मंगलवार 15 जुलाई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

दलित समाज को रुककर समझने की जरूरत

पेज-4

सीएम योगी बोले- सरकारी स्कूलों का विलय शिक्षकों और छात्रों के हित में

पेज-6

जडेजा की मेहनत पर फिरा पानी

पेज-9

संसद से बॉलीवुड तक, रवि किशन नंबर वन!

पेज-10

अभिव्यक्ति की आजादी पर SC की नसीहत

बोलने की आजादी है, पर... संयम भी रखें

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को कहा कि देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन एवं संयम का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि सोशल मीडिया पर आज के समय में चल रहे विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना होगा। कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी की वकालत करते हुए कहा कि किसी भी सूरत में सेंसरशिप की बात नहीं होनी चाहिए बल्कि लोगों को आत्मसंयम और नियमन का पालन करना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विचार करते हुए कहा कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन उनके बीच भाईचारा भी होना चाहिए। अदालत ने कहा कि कोई नहीं चाहता है कि राज्य/सरकार ऐसे मामलों में दखल दे, लेकिन भाषण की स्वतंत्रता पर तार्किक पाबंदियां उचित हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्यों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए क्योंकि कोई भी नहीं चाहता कि सरकार इसे नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करे।

नफरत फैलाने वाले कंटेंट पर लगे लगाम

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायतकर्ता वजाहत खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्यों और केंद्र सरकार से कहा कि वे सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा और हेट स्पीच को कंट्रोल करें। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सरकार इन पर लगाम लगाने के लिए ऐसी कोई भी कोशिश न करे जिससे अभिव्यक्ति की आजादी की पवित्रता का उल्लंघन हो। कोर्ट ने कहा– लोगों को हेट स्पीच क्यों अटपटे और गलत नहीं लगते हैं। ऐसे कंटेंट पर नियंत्रण होना चाहिए। साथ ही लोगों को भी ऐसे नफरत भरे कंटेंट को शेयर करने और लाइक करने से बचना चाहिए।

आज से आधार OTP से बुक होंगे तत्काल टिकट

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। आज 15 जुलाई 2025 से बुकिंग करने के लिए IRCTC की वेबसाइट या एप पर आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी होगा। इसके अलावा, ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार नंबर से जुड़ा OTP भी लगेगा। इन बदलावों का मकसद टिकट बुकिंग में पारदर्शिता लाना और दलालों या फर्जी एजेंट्स की मनमानी पर रोक लगाना है। ऐसा देखा गया कि तत्काल टिकट शुरू होते ही कुछ ही मिनटों में बिक जाते थे, क्योंकि दलाल और फर्जी एजेंट्स सॉफ्टवेयर या गलत तरीकों से टिकट बुक कर लेते थे। इससे आम यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था। नए नियमों का मकसद यही है कि टिकट बुकिंग का मौका सिर्फ असली यात्रियों को मिले और फर्जीवाड़ा रुके। आधार वेरिफिकेशन से ये सुनिश्चित होगा कि टिकट वही बुक कर रहा है, जिसका आधार नंबर रजिस्टर्ड है। पहले 30 मिनट तक AC और नॉन-AC दोनों क्लास के लिए एजेंट्स को टिकट बुक करने की इजाजत नहीं होगी।

जब आप टिकट बुक करने जाएंगे, तो आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक OTP आएगा। ये OTP डालने के बाद ही आपकी बुकिंग कन्फर्म होगी। काउंटर पर भी यही प्रोसेस होगा, जहां आपको आधार नंबर देना होगा और OTP वेरिफाई करना होगा। नए नियमों के मुताबिक आधार ऑथेंटिकेशन जरूरी है। अगर आपके पास आधार कार्ड नहीं है, तो तत्काल टिकट बुक करना मुश्किल हो सकता है।

सभी बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच जरूरी

AAIB की रिपोर्ट के बाद DGCA का अहम आदेश

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत की विमानन निगरानी संस्था नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश की सभी एयरलाइनों को निर्देश दिया है कि वे बोइंग 787 और 737 विमानों में फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम की पूरी तरह जांच करें। यह जांच 21 जुलाई तक अनिवार्य रूप से पूरी करनी होगी। डीजीसीए ने कहा है कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित

करने के लिए उठाया गया है। कुछ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, इन विमानों के ईंधन स्विच लॉकिंग सिस्टम में तकनीकी खामी सामने आई है, जिससे सुरक्षा को खतरा हो

सकता है। बता दें कि, कुछ विदेशी एयरलाइंस जैसे एमिरेट्स पहले ही अपने बोइंग विमानों में सुरक्षा जांच शुरू कर चुकी हैं। वहीं, अमेरिका की एफएए ने कहा है कि अभी तक कोई गंभीर तकनीकी खतरा नहीं दिखा है, इसलिए अनिवार्य आदेश जारी करने की जरूरत नहीं है।

यह कदम 12 जून, 2025 को अहमदाबाद में हुई एअर इंडिया विमान की भीषण दुर्घटना पर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआइबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद उठाया जा रहा है।

AAIB की रिपोर्ट में क्या आया सामने?

उक्त रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के दोनों इंजनों में ईंधन की आपूर्ति को नियंत्रित करने वाले दोनों फ्यूल कंट्रोल स्विच "रन" से "कटऑफ" स्थिति (चालू से बंद) में चले गये थे। बहुत संभव है कि इससे ही उक्त दुर्घटना हुई हो।

Short News एक नजर

सोनिया-राहुल पर 29 जुलाई को फैसला

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और दूसरों के खिलाफ ईडी की शिकायत पर राऊज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। अब कोर्ट 29 जुलाई को बताएगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होगी। कोर्ट यह तय करेगा कि शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस चले या नहीं।

सिमी पर प्रतिबंध बढ़ाने के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर लगाए गए प्रतिबंध को पांच साल बढ़ाए जाने की पुष्टि के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी है। केंद्र सरकार ने 29 जनवरी, 2024 को सिमी पर प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया था, जिसके बाद न्यायाधिकरण का गठन गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत किया गया था।

थोक महंगाई की फूलने लगी सांस

नई दिल्ली। खाने-पीने की चीजों एवं ईंधन की कीमतों में गिरावट के साथ मैनुफैक्चरिंग प्रोडक्ट की लागत में कमी आने से थोक महंगाई 19 माह बाद शून्य से नीचे आ गई है। जून में यह -0.13 प्रतिशत रही है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित महंगाई मई में 0.39 प्रतिशत और जून, 2024 में 3.43 प्रतिशत के स्तर पर थी।

हरियाणा सहित तीन राज्यों को मिले नए राज्यपाल

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

हरियाणा और गोवा में नए राज्यपालों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा लद्दाख में भी फेरबदल किया गया है। यहां अब कविंद्र गुप्ता उपराज्यपाल होंगे, जबकि अब तक एलजी रहे ब्रिगेडियर बीडी मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। हरियाणा में अब प्रोफेसर असीम कुमार घोष राज्यपाल होंगे। यही नहीं गोवा में गजपति राजू को राज्यपाल बनाकर भेजा गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार सिंह की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है।अब तक हरियाणा में बंडारू दत्तात्रेय राज्यपाल थे और अब उनकी

जगह प्रोफेसर असीम कुमार घोष लेंगे। बंडारू दत्तात्रेय 2021 से ही हरियाणा के राज्यपाल थे। गजपति राजू तेलुगु देशम पार्टी के नेता रहे हैं और अब गोवा में राज्यपाल के तौर पर काम देखेंगे। ऐसा पहली बार है, जब मोदी सरकार में शामिल किसी गठबंधन सहयोगी के नेता को राज्यपाल के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब तक सरकार की नीति भाजपा के नेताओं, सैन्य सेवा में रहे लोगों को ही राज्यपाल के तौर पर जिम्मेदारी देने की रही है।

'भारत के साथ मिलकर करेंगे काम'

'भारत और चीन को एक दूसरे पर करना होगा भरोसा'

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

बीजिंग में होने वाली SCO की बैठक के पहले सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। इस दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर से बातचीत के दौरान कहा कि चीन संघर्षों और मतभेदों को उचित तरीके से निपटाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। जानकारी दें कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी का ये बयान ऐसे समय पर आया है, जब जयशंकर ने बैठक में इस बात पर भी जोर दिया कि मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा को कभी संघर्ष में बदलना चाहिए। वहीं, इस बातचीत के दौरान चीनी विदेश मंत्री ने अपने देश की

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की सुरक्षा करने के साथ-साथ भारत के साथ वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता सुनिश्चित करने की इच्छा व्यक्त की। चीनी विदेश मंत्री ने वांग यी ने सोमवार को भारत और चीन के बारे में कहा कि दोनों पक्षों को एक-दूसरे पर शक करने के बजाय भरोसा करना चाहिए; एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय सहयोग करना चाहिए।

चीन LAC पर तनाव कम करने की कोशिश करे

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वांग यी के साथ बातचीत में कहा कि पिछले नौ महीनों में रिश्तों को सामान्य करने में अच्छी प्रगति हुई है। अब भारत और चीन को LAC पर तनाव कम करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने चीन द्वारा जरूरी खनिजों के निर्यात पर रोक लगाने की बात भी उठाई। उन्होंने कहा कि रिश्तों को सुधारने के लिए ऐसी रुकावटों से बचना जरूरी है। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए दूर की सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2024 में कजान में हुई बैठक के बाद से भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे बेहतर हो रहे हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर विमान को ट्रक ने मारी टक्कर

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। अकासा एयरलाइंस की उड़ान QP1410 (मुंबई से दिल्ली) टेकऑफ से पहले एक कार्गो कंटेनर वाहन विमान के पंख से टकरा गया, जिससे विमान और वाहन दोनों को नुकसान हुआ। घटना के बाद संबंधित विमान को AOG घोषित किया गया और उड़ान के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई। घटना सुबह लगभग 04:54 बजे की है, जब अकासा एयरलाइंस की उड़ान QP1736 (बेंगलुरु से मुंबई) आकर बेव A-7 पर पार्क की गई थी. इसी विमान से आगे उड़ान QP1410 को मुंबई से दिल्ली रवाना होना था। यात्रियों की बोर्डिंग से पहले, जब कार्गो उतारने का काम चल रहा था, BWFS के एक कंटेनर वाहन ने विमान के दाहिने पंख में टक्कर मार दी। इससे विमान और कंटेनर दोनों क्षतिग्रस्त हो गए।

विमान को AOG घोषित किया गया

टक्कर के तुरंत बाद जांच में पाया गया कि विमान उड़ान के लिए उपयुक्त नहीं है। इसे तकनीकी रूप से Aircraft on Ground (AOG) घोषित किया गया। इसके बाद अकासा एयरलाइंस ने नया विमान उड़ान के लिए मुहैया कराया, जो बेव V17R पर पार्क था। यात्रियों की बोर्डिंग गेट-29 से बस के माध्यम से कराई गई।

यह घटना भले ही गंभीर दुर्घटना में तब्दील नहीं हुई, लेकिन एयरसाइड सेफ्टी को लेकर सवाल जरूर खड़े करती है। अकासा एयर और एयरपोर्ट प्रशासन ने समय रहते वैकल्पिक प्रबंध कर उड़ान को सुरक्षित रूप से रवाना किया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

'हम किसी के गुलाम नहीं'

उमर अब्दुल्ला ने कब्रिस्तान की दीवार फांदी, फातिहा पढ़ा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में 13 जुलाई नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) शहीद दिवस के तौर पर मनाना चाहती थी। हालांकि, प्रशासन की तरफ से इसकी इजाजत नहीं दी गई। सीएम उमर अब्दुल्ला ने दावा किया था कि उनको नजरबंद कर दिया गया है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा रोके जाने के बाद मजार-ए-शुहादा की चारदीवारी फांदकर फातिहा पढ़ा। उन्होंने कहा कि मुझे आज भी रोकने की कोशिश की गई। उन्होंने हाथापाई भी की, पुलिस कभी-कभी कानून भूल जाती है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा, 'बड़े अफसोस

की बात है कि वो लोग जो खुद इस बात का दावा करते हैं कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ सिक्योरिटी और लॉ एंड ऑर्डर है उनके वाजिया हिदायत के मुताबिक हमें कल यहां आकर फातिहा पढ़ने की इजाजत नहीं दी गई। सब को सुबह-सुबह ही अपने घरों में बंद रखा गया। यहां तक की जब धीरे-धीरे गेट खुलना शुरू हुआ और मैंने कंट्रोल रूम को बताया कि मैं यहां पर आना चाहता हूं फातिहा पढ़ने के लिए तो मिनटों के अंदर-अंदर मेरे घर के गेटों के बाहर बंकर लगा और रात के 12-1 बजे तक उसको हटाया नहीं गया।'

सीएम अब्दुल्ला ने आगे कहा, 'आज मैंने इनको बताया ही नहीं, बिना बताए मैं गाड़ी में बैठा और इनकी बेशर्मी देखिए आज भी इन्होंने हमें यहां तक रोकने की कोशिश की। कहने के लिए तो कहते हैं कि यह आजाद मुल्क है, लेकिन बीच-बीच में ये लोग समझते हैं कि हम इनके गुलाम हैं। हम किसी के गुलाम नहीं हैं। हम अगर गुलाम हैं तो यहां के लोगों के गुलाम हैं। हम अगर खादिम हैं तो यहां के लोगों के खादिम हैं।'

'तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत'

सुप्रीम कोर्ट बोला– ये निजता का उल्लंघन नहीं

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा, 'हम नहीं मानते कि इस मामले में निजता के

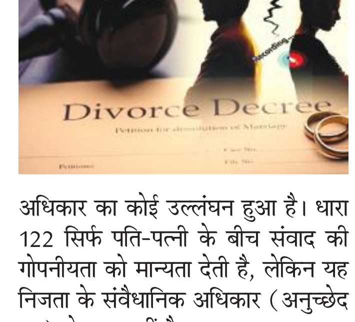

अधिकार का कोई उल्लंघन हुआ है। धारा 122 सिर्फ पति-पत्नी के बीच संवाद की गोपनीयता को मान्यता देती है, लेकिन यह निजता के संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा नहीं है।

क्या था मामला? यह केस बठिंडा की एक फैमिली कोर्ट से शुरू हुआ था, जहां पति ने पत्नी से बातचीत की रिकॉर्डिंग के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी। कोर्ट ने कॉल रिकॉर्डिंग को सबूत के तौर पर मान लिया।

समोसे में कितना तेल, जलेबी में कितनी शक्कर

बोर्ड लगाकर बतानी होगी, स्कूल-ऑफिस कैंटीन के खाने में कैलोरी की जानकारी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अब समोसा, जलेबी, लड्डू और वड़ा पाव जैसी खाने की चीजों में कितनी शुगर और कैलोरी है, कैंटीन वालों को इसकी जानकारी तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड लगाकर देनी होगी।

भारत में बढ़ती मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये कदम उठाया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त संस्थाओं से अपनी कैंटीन में यह बोर्ड लगाने को कहा है।

भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय अब समोसा, जलेबी, लड्डू और वड़ा पाव जैसी खाने की चीजों को स्वास्थ्य के लिए

हानिकारक मानते हुए इन पर चेतावनी देनी होगी। इसके लिए केंद्रीय संस्थानों में 'तेल और शक्कर चेतावनी बोर्ड' लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

ये बोर्ड सेंट्रल इंस्टीट्यूट की कैंटीन और वहां की सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाएंगे। इन पर समोसा, जलेबी, पकौड़ा, लड्डू जैसे नाश्तों में मौजूद तेल और चीनी की मात्रा की जानकारी दी जाएगी। उदाहरण के लिए, यह बताया जा सकता है कि एक गुलाब जामुन में पांच चम्मच चीनी होती है। इसका मकसद लोगों को जंक फूड के स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में जागरूक करना है।

भारत में मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के दस्तावेज बताते हैं कि 2050 तक भारत में 44.9 करोड़ लोग मोटापे या अधिक वजन से प्रभावित हो सकते हैं।

खराब खानपान और कम शारीरिक गतिविधि इसके मुख्य कारण हैं। इसलिए सरकार जंक फूड को सिगरेट की तरह खतरनाक मानकर लोगों को सतर्क करना चाहती है।

रॉबर्ट वाड्रा की ED के सामने पेशी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ऑफिस पहुंचे। ब्रिटेन के आर्म्स डीलर संजय भंडारी और कुछ अन्य लोगों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए पहुंचे वाड्रा के साथ प्रियंका भी थीं। वाड्रा सुबह 11 बजे पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि व्यवसायी का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। एजेंसी ने पिछले महीने उन्हें इस मामले में पूछताछ के लिए दो बार बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश यात्रा के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध किया था। एजेंसी रॉबर्ट वाड्रा से मनी लॉन्ड्रिंग के तीन अलग-अलग मामलों में पूछताछ कर रही है, जिनमें यह मामला भी शामिल है। अन्य दो मामले भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं से संबंधित हैं।

आज धरती पर पहुंचेंगे शुभांशु शुक्ला

कैलिफोर्निया में एक्सिओम-4 का स्पलैशडाउन

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 14 जुलाई को शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आज 15 जुलाई दोपहर करीब 3 बजे समुद्र में उतरेगा। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं।

स्पेसक्राफ्ट 263 किलो से ज्यादा कार्गो के साथ वापस आएगा। इसमें नासा का हार्डवेयर और 60

से ज्यादा प्रयोगों का डेटा शामिल होगा। यह अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

चारों एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे ISS पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे एस्ट्रोनॉट रवाना हुए थे।

यह मिशन भारत समेत हंगरी और पोलैंड के लिए भी अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है, क्योंकि इन देशों ने चार दशकों बाद फिर से अंतरिक्ष में भागीदारी की है। इस टीम की वापसी पर दुनिया की नजर टिकी है।

बांद्रा वर्ली सी लिंक पर सड़क हादसा

सड़क पार कर रही महिला की मृत्यु

मुंबई। बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर 13 जुलाई की रात सड़क हादसे एक अज्ञात महिला की मृत्यु हो गई। यह हादसा रात लगभग साढ़े दस बजे के लगभग हुआ। मौके पर पहुंची बांद्रा पुलिस ने कार नंबर से कार चालक को पकड़ा और उसपर कार्रवाई की गई। महिल्ला की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हुई थी। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल अमोल नावडकर और उनके सहयोगी को पश्चिम नियंत्रण कक्ष से कॉल प्राप्त हुआ कि सी लिंक पर एक एक्सीडेंट हुआ है। जब टीम मौके पर पहुंची तो देखा की एक महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़ी हुई थी। घायल महिला को तुरंत भाभा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला को टक्कर मारने वाला वाहन एमएच 02 जीजे 2720 नंबर की गाड़ी को एक युवक चला रहा था। जिसका क्रशर प्लांट का व्यवसाय है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने पुलिस को जानकारी दी कि हादसे के समय भारी बारिश हो रही थी और प्रारंभिक जांच के मुताबिक, महिला अचानक कार के सामने आ गई थी,जिससे चालक को वाहन रोकने का समय नहीं मिला। हादसे के बाद आरोपी को पुलिस स्टेशन लाया गया,जहां उसका बयान दर्ज कर नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। पुलिस ने मामले में लापरवाही से वाहन चलाकर जान को खतरे में डालने और मौत का कारण बनने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

गायकवाड मामले के आरोपी गिरफ्तार: देवेंद्र फडणवीस

प्रकरण में उचित कार्रवाई की जाएगी

मुंबई। सोलापुर जिले में संभाजी ब्रिगेड के राज्य प्रमुख प्रवीण गायकवाड पर हमले का मुद्दा सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में उठा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने दावा किया कि यह संभाजी ब्रिगेड के नेता पर एक कातिलाना हमला था और पूछा कि रविवार को जिस कार्यक्रम में यह घटना हुई, वहां पुलिस क्यों तैनात नहीं थी? पुलिस के अनुसार,रविवार को सोलापुर जिले के अक्कलकोट गांव में गायकवाड़ के साथ कथित तौर पर एक संगठन के कार्यकर्ताओं ने धक्का मुक्की की और उन पर स्याही फेंकी। एक वायरल वीडियो में दिख रहा है कि गायकवाड़ को कुछ लोगों ने उनकी कार से बाहर निकाला और उनके साथ धक्का मुक्की की। बाद में पुलिस ने दीपक काटे और शिवधर्म फाउंडेशन के छह अन्य सदस्यों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत दंगा फैलाने का मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कांग्रेस नेता की चिंताओं का जवाब देते हुए सदन को बताया कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

हमले से भाजपा का कोई संबंध नहीं: बावनकुले

इधर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि स्वामी समर्थ पर टिप्पणी को लेकर संभाजी ब्रिगेड के संस्थापक सदस्य प्रवीण गायकवाड पर हुए हमले से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। बावनकुले की यह टिप्पणी रविवार को गायकवाड पर हमले के मामले में आरोपी दीपक काटे के साथ उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद आई है। राकांपा (एसपी) विधायक रोहित पवार ने दावा किया कि काटे भाजपा की युवा शाखा में सक्रिय था। उन्होंने कहा कि गायकवाड पर हुए हमले से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। इस तरह की हरकतें करना हमारे खून में नहीं है।

उद्धव सेना को लगा झटका

चार पूर्व नगरसेवक सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में हुए शामिल

मुंबई। स्थानीय निकाय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की पार्टी यूबीटी को लगातार झटका लगता जा रहा है। एक से एक नेता पदाधिकारियों के साथ -साथ उद्धव का साथ छोड़ दूसरी पार्टी में शामिल हो रहे हैं इसी कड़ी में सोमवार को भाजपा प्रदेश के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में उद्धव सेना के चार पूर्व नगरसेवक अपने बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश किया। चव्हाण ने सभी पूर्व नगरसेवकों और उबाटा के पदाधिकारियों का भाजपा में स्वागत किया। उबाटा छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले जिला प्रवक्ता और पूर्व नगरसेवक मंदार केनी,मालवण नगर पालिका के पूर्व नगरसेवक यतिन खोत, पूर्व नगरसेविका दर्शना कासवकर और सेजल परब अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव विक्रांत पाटिल,सिंधुदुर्ग जिला अध्यक्ष प्रभाकर सावंत और अन्य लोग शामिल थे। इस मौके पर चव्हाण ने कहा कि उद्धव सेना का साथ छोड़ भाजपा में शामिल होने वाले लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की विकास की राजनीति में विश्वास करते हुए भाजपा में शामिल हुए हैं।

शहर से पांच साल में हटेंगे 4600 कचरे के डिब्बे

मनपा ने सड़क किनारे रखे डब्बों को हटाने का लिया निर्णय

मुंबई। मनपा प्रशासन ने मुंबई शहर को स्वच्छ बनाने को लेकर एक बड़ा कदम उठाते हुए अगले पांच वर्षों में मुंबई के सार्वजनिक स्थानों पर रखे 4,600 सामुदायिक कचरा डिब्बे हटाने का निणर्य लिया है। मनपा अगल पांच साल में इन कचरे के डिब्बे परिसर को स्वच्छ बनाने लेकर यह कदम उठाया है। इन कचरों के डिब्बे के परिसर को साफ करने की जिम्मेदारी मनपा ठेकेदारों पर डालने का निणर्य लिया है।

बता दें कि मनपा ने शहर को स्वच्छ बनाने के लिए नया टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। मनपा ने इसके लिए 4,000 करोड़ की टेंडर निकाला है। इस टेंडर के ठेकेदार का कार्यकाल सात साल का होगा। मनपा अधिकारियों ने जानकारी दी कि फिलहाल यह डिब्बे मुंबई के 25 वार्डों में लगे हैं,जिनका उपयोग निवासी प्रतिदिन का कचरा फेंकने के लिए करते हैं। मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य घर-घर से कचरा संग्रहण को बढ़ावा देना और खुले में कचरा फेंकने की प्रवृत्ति को कम करना है। मनपा निविदा लेने वाले ठेकेदार को पहले चरण में इन सामुदायिक डिब्बों के पास कर्मचारी तैनात करने होंगे,ताकि नागरिकों को डिब्बों के आसपास कचरा फेंकने से रोका जा सके और जमीन पर पड़ा कचरा तुरंत डिब्बों में वापस डाला जा सके। पांच वर्षों की अवधि में इन सामुदायिक डिब्बों को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह हटाना ठेकेदार को अनिवार्य किया गया है ।

हर जिले में जनसुरक्षा कानून की होली: सपकाल

मुंबई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि शहरी नक्सलवाद को खत्म करने के नाम पर जन सुरक्षा कानून लाने का सरकार का दावा अत्यंत हास्यास्पद है। यह कानून भीतर से भी और बाहर से भी पूरी तरह काला है, जो आम नागरिकों की आवाज को दबाने वाला है, हालांकि सरकार ने यह कानून पारित करवा लिया है, लेकिन कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा और राज्य के प्रत्येक जिले में इस काले कानून की होली जलाई जाएगी। गांधी भवन में सपकाल ने आगे कहा कि जन सुरक्षा कानून का उद्देश्य ही मूलतः गलत और दमनकारी है। इस कानून का लाभ केवल सरकार और सरकार समर्थक उद्योगपतियों को मिलेगा। धारावी की जमीन हड़पने वाले, गडचिरोली जिले की सुरजागढ़ खनिज संपदा को लूटने वाले और शक्तिपीठ महामार्ग पर रेड कार्पेट चाहने वाले उद्योगपतियों को इससे सीधा लाभ पहुंचेगा। वहीं, इस अन्याय का विरोध करने वाले गडचिरोली के पर्यावरण कार्यकर्ता, आदिवासी, धारावी के नागरिक, शक्तिपीठ को लेकर आवाज उठाने वाले किसान इन सबको जेल में डाला जाएगा, उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी।

खड़ी ट्रेन पर चढ़कर रील बना रहा था किशोर... करंट की चपेट में आने से हुई मौत

नवी मुंबई। नवी मुंबई के नेरुल रेलवे स्टेशन पर एक खड़ी ट्रेन के डिब्बे के ऊपर रील बनाने की कोशिश करते समय बिजली का झटका लगने से 16 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। वाशी राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के वरिष्ठ निरीक्षक किरण उंद्रे ने बताया कि नवी मुंबई के बेलापुर निवासी आरव श्रीवास्तव नाम का यह लड़का 6 जुलाई को अपने दोस्तों के साथ रेलवे स्टेशन गया था। अधिकारी ने कहा कि वह कचरे से लदे एक खड़ी ट्रेन के डिब्बे पर चढ़ गया और रील बनाने लगा। इसी दौरान लड़के का हाथ ऊपर से गुजर रहे तार के संपर्क में आ गया,जिससे उसे बिजली का तेज झटका लगा और वह नीचे गिर गया। अधिकारी ने बताया कि लड़के के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई चोटें आईं और वह 60 प्रतिशत तक जल गया। जिसके बाद उसे ऐरोली के बर्न्स अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां वह छह दिनों तक ज़िंदगी और मौत के बीच संघर्ष किया और देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। आपको बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है,जब रील बनाने के चक्कर में किसी की जान गई है। इससे पहले महाराष्ट्र के ही सातारा से ही एक मामला सामने आया था. जहां कुछ युवक कार लेकर सातारा के टेबल पर प्वाइंट स्टंट करने के लिए गए थे।

प्रमोद नवलकर व्यूइंग गैलरी में खुलेगा कैफे और आर्ट गैलरी

मुंबई। मालाबार हिल स्थित प्रमोद नवलकर व्यूइंग गैलरी में पहली बार मनपा ने कैफे और आर्ट गैलरी शुरू करने का निर्णय लिया है। यह गैलरी वर्ष 2018 में आम जनता के लिए खोली गई थी। प्रस्तावित अनुबंध 121 महीनों यानी 10 वर्षों के लिए होगा, जिसका अनुमानित किराया मूल्य 11.71 करोड़ रुपये तय किया गया है। मनपा प्रशासन ने कैफे और आर्ट गैलरी की सुविधा देने के लिए निकाली निविदा में गैलरी के पहले मंजिल पर 76.40 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में एक कैफे बनाया जाएगा, जहां पर्यटक चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और रेडीमेड स्नैक्स का आनंद लेते हुए खूबसूरत नज़ारे देख सकेंगे। वहीं, निचली मंज़िल के प्रवेश द्वार पर 27.62 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक आर्ट गैलरी स्थापित की जाएगी जिसमें स्थानीय कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। इस स्थान पर खाना पकाने की अनुमति नहीं होगी और केवल पेय पदार्थ एवं बाहर से पके हुए खाद्य पदार्थ को लाकर परोसा जा सकेगा । यह पहल पुराने 'कैफे नाज़' की याद दिलाती है, जिसे 1940 के दशक में गुस्ताद फल्लहजादेह ने शुरू किया था और जो 1998 तक चालू रहा।

पालघर पुलिस को बड़ी सफलता

मनोर में डकैती की कोशिश करने वाले सात आरोपी गिरफ्तार

पालघर। पालघर जिले के मनोर पुलिस थाने में दर्ज डकैती के प्रयास के एक मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 13 जुलाई की रात नानीवली निवासी प्रसाद विजय पाटिल के घर कुछ अज्ञात लोग हथियारों के साथ जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। सभी आरोपियों ने मुंह पर रूमाल बांध रखा था और उनके हाथों में लोहे की रॉड, चिपकने वाली टेप और एक अग्निशस्त्र था। जैसे ही वे घर का मुख्य दरवाजा तोड़ने लगे, पाटिल की नींद खुल गई और उन्होंने शोर मचाया, जिससे आरोपी मौके से भाग खड़े हुए। इस घटना की सूचना मिलते ही मनोर पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर केस दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पालघर के पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख ने त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। उनके निर्देश पर मनोर थाने के पुलिस निरीक्षक रनवीर बयेस के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर सभी आरोपियों की पहचान कर ली और उन्हें एक के बाद एक गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में संदीप अशोक वलवी (36), तुषार गणेश रटाटे (19), ऋषिकेश भगवान गुरव (24), रामदास रमेश सालकर (25), प्रणय गंगाराम गावित (19), अमोल अशोक वांगड (20) और भरत जयवंत मेधा (38) शामिल हैं। सभी आरोपी डकैती की पूर्व योजना बनाकर वारदात को अंजाम देने आए थे, लेकिन फरियादी की सतर्कता और पुलिस की तत्परता के चलते उन्हें कामयाबी नहीं मिल सकी। फिलहाल सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इनके पीछे और कोई गिरोह सक्रिय है या नहीं।

शिवसेना (शिंदे गुट) ने वसई में 5,000 छतरियों का निःशुल्क वितरण किया

वसई। रविवार को वसई पूर्व के विभिन्न इलाकों जैसे फादरवाडी, जानकीपाड़ा, रेंज ऑफिस, मुकुंद नगर, घरत कंपाउंड, आंबेडकर नगर, साई नगर और शांतीपाड़ा में शिवसेना (शिंदे गुट) द्वारा जरूरतमंद नागरिकों को 5,000 छतरियों का निःशुल्क वितरण किया गया। इस पहल का नेतृत्व शिवसेना उप जिला प्रमुख दिवाकर सिंह और पूर्व नगरसेविका शिल्पा सिंह ने किया। इस अवसर पर दिवाकर सिंह ने बताया कि इस छतरी वितरण अभियान का उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और उन्हें हल करने के लिए हर संभव प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि शिवसेना हमेशा लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।इस कार्यक्रम में शिवसेना के उप तालुका प्रमुख शेखर मोर, उप तालुका प्रमुख राहुल ससाणे, विभाग प्रमुख जयेश गायकर, महिला तालुका संघटक उषा चव्हाण, सनी पॉल, अजय सिंह सहित सैकड़ों शिवसैनिक मौजूद थे।

फेरीवालों और रिक्शावालों से त्रस्त नालासोपारा की जनता

अवैध वाहनों का 'राज' फिर शुरू जनता की परेशानी

नालासोपारा। वसई-विरार क्षेत्र की सड़कें एक बार फिर अवैध वाहनों के बेखौफ गढ़ बन गई है। आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस द्वारा महज कुछ दिनों की 'दिखावटी' कार्रवाई के बाद, जर्जर और बिना कागजात वाले सैकड़ों वाहन धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं, जिससे न केवल गंभीर ट्रैफिक जाम हो रहा है, बल्कि यात्रियों की जान भी खतरे में पड़ गई है। इस स्थिति से स्थानीय नागरिक और वैध रिक्शा चालक खासे परेशान हैं।

स्टेशन परिसर में अराजकता और नागरिकों की परेशानी

शहर के स्टेशन परिसरों में फेरीवाले और अवैध रिक्शा चालकों का बोलबाला है। इन स्थानों पर हमेशा भीड़भाड़ रहती है,जिससे पैदल चलने वालों और यात्रियों को भारी असुविधा होती है। अवैध रिक्शा चालक मनमाने ढंग से यात्रियों को बिठाते हैं और अक्सर निर्धारित किराए से अधिक वसूलते हैं, जिससे वैध रिक्शा चालकों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाता है। नागरिकों का कहना है कि स्टेशन परिसरों में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।

अवैध वाहनों का बढ़ता जाल और ट्रैफिक जाम

वसई-विरार क्षेत्र में जनसंख्या के साथ-साथ वाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या इन अवैध वाहनों से उत्पन्न हो रही है। खासकर नालासोपारा में, अवैध रिक्शा और मैजिक वैन की भरमार है। ये वाहन अक्सर पुरानी और खस्ताहाल स्थिति में होते हैं, जिनके पास न तो उचित परमिट होता है और न ही आवश्यक सुरक्षा उपकरण। इन वाहनों के कारण सड़कों पर अराजकता का माहौल रहता है और रोजाना भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। यात्रियों का कहना है कि इन वाहनों में सफर करना जानलेवा हो सकता है, क्योंकि वे अक्सर क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाते हैं और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हैं।

वैध रिक्शा चालकों की घटती कमाई और नाराजगी

अवैध वाहनों की बढ़ती संख्या का सबसे बुरा असर वैध रिक्शा चालकों पर पड़ रहा है। वे शिकायत करते हैं कि अवैध रिक्शा, मैजिक वैन और यहां तक कि कुछ निजी बसें भी यात्रियों को बेहद सस्ते किराए पर ले जाती हैं, जिससे उनकी कमाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। पूरे दिन कड़ी मेहनत करने के बावजूद, कई वैध चालक अपने ऑटो की मासिक किस्त तक नहीं चुका पा रहे हैं। उनका कहना है कि वे सभी नियमों का पालन करते हैं, टैक्स भरते हैं और परमिट रखते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें अवैध चालकों के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है। नागरिकों और वैध चालकों का आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ इस समस्या को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रहे हैं।

म्हाडा के कोंकण मंडल के 5285 घरों के लिए आवेदन करने की हुई शुरुआत

तीन सितंबर को निकलेगी लॉटरी

मुंबई। म्हाडा के कोंकण मंडल द्वारा 5285 घरों और 77 भूखंड की निकाली गई लॉटरी के लिए आवेदन करने की शुरुआत सोमवार से शुरू हो गई। जिसका उदघाटन म्हाडा उपाध्यक्ष संजीव जायसवाल ने किया।इन घरों के लिए आवेदन करने वाले सपनों का घर की आस लगाए बैठे लोगों की 3 सितंबर को लॉटरी में उनके भाग्य का फैसला होगा। बता दे कि कोकण गृहनिर्माण एवं क्षेत्रविकास मंडल द्वारा ठाणे शहर, ठाणे जिला, वसई (पालघर), ओरोस (सिंधुदुर्ग) और कुलगांव-बदलापूर क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत फ्लैट्स और प्लॉट्स की बिक्री हेतु निकाली गई लॉटरी के आवेदन करने की शुरुआत सोमवार से हुई । इस कार्यक्रम मुंबई बिल्डिंग रिपेयर बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद शंभरकर, मुंबई बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद बोरीकर, मुख्य अभियंता सुनील नन्नावरे, कोंकण बोर्ड की मुख्य अधिकारी रेवती गायकर और अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित थे। आवेदन करने की शुरुआत करते हुए संजीव जायसवाल ने बताया कि कोकण मंडल द्वारा बड़ी संख्या में फ्लैट्स और प्लॉट्स उपलब्ध कराए गए हैं और यह घर मुंबई के नजदीक होने के कारण अधिक से अधिक नागरिकों को इस लॉटरी में भाग लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि IHLMS 2.0 नामक लॉटरी प्रणाली पूरी तरह से ऑनलाइन, सुरक्षित और पारदर्शी है।

Tender Document for Improvement to Water Supply in Thakkar Bapa Ward. Raipur
Form 'A'

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

Raipur (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.egstate.gov.in
(First Call)

NIT NO : 114/15FC/RMC/2025 RAIPUR DATED:14/07/2025

Online bids are invited for the following works of works up to 08.08.2025 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Probable Amount of Contract	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor/ firm	Time allowed for Completion
1	172037	Construction Staging Height RCC Over Head Tank, Providing. Lowering, Laying, of 2000KL/25 Jointing and testing Clear water Pumping, Providing, Lowering, Laying, Jointing Distribution system & Testing with House at Thakkar Bappa Ward, Raipur. Service Connection & PLC/SCADA	₹1661.65 Lakhs	₹10000.00 (Rupees Ten Thousand only)	₹8.30 Lakhs (Rupees Eight Lacs & Thirty thousand only)	Class "A"	24 Months including Monsoon & 3 Months Trail Run

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 14.07.2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk* at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.

SD/-
COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

Clean City, Green City, Dream City

पश्चिम रेलवे के उपयोगकर्ता सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

मुंबई। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल की मंडल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (DRUCC) की बैठक हाल ही में मुंबई सेंट्रल स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने की और कार्यवाही का संचालन मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अभय सिंह चौहान ने किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में व्यापार, वाणिज्य, उद्योग, कृषि, उपभोक्ता अधिकार, दिव्यांगजन, यात्री संघों जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले डीआरयूसीसी सदस्यों और माननीय संसद सदस्यों द्वारा नामित व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। बैठक में श्री अरविंद रामलखन यादव, रामगोपाल शर्मा, नीलेश श्याम शाह, एडवोकेट मिलिंद बालू कापड़े, महेंद्र शिवराज कोठारी, राजीव सिंघल, संजयकुमार सी. शाह, आशीष एच. शाह, जगदीश जयसिंह सोलंकी, रमणिक लालजी सांगोई, हसमुख भवंजी गाला, श्री देविस ई. टी. और जयश्री उमेश बल्लिकर उपस्थित थे। उनकी सक्रिय भागीदारी और रचनात्मक प्रतिक्रिया ने विचार-विमर्श में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बैठक के दौरान सदस्यों ने यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। चर्चा मुख्य रूप से उपनगरीय स्टेशनों पर बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए रैंप, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी बेहतर सुविधाएँ शुरू करने और प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने पर केंद्रित रही। उपनगरीय स्टेशनों पर एस्केलेटर की व्यवस्था से संबंधित एक उल्लेखनीय सुझाव को उसके संरचित, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के लिए मंडल प्रशासन से विशेष सराहना मिली।

मध्य रेल निम्नलिखित ट्रेनों को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा

मुंबई। मध्य रेल अब से निम्नलिखित ट्रेनों को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा, विवरण इस प्रकार है।

ट्रेन संख्या 10105/10106 दिवा-सावंतवाड़ी रोड-दिवा एक्सप्रेस अब एक अतिरिक्त 3 वातानुकूलित इकोनॉमी कोच के साथ चलेगी।

10105 दिवा-सावंतवाड़ी रोड एक्सप्रेस, दिवा से 16 जुलाई से।

10106 सावंतवाड़ी रोड-दिवा एक्सप्रेस, सावंतवाड़ी रोड से दिनांक 15 जुलाई से।

संशोधित संरचना: तीन वातानुकूलित -3 टियर इकोनॉमी, 12 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 जेनरेटर कार और 1 सेकंड सीटिंग और सामान सह गार्ड का ब्रेक वैन।

ट्रेन संख्या 04116/04115 एलटीटी-सूबेदारगंज-एलटीटी एक्सप्रेस अब चार 3 वातानुकूलित इकोनॉमी कोच और 6 शयनयान श्रेणी कोच के साथ चलाई जा रही है। 04116 एलटीटी-सूबेदारगंज एक्सप्रेस, एलटीटी से 11 जुलाई से 04115 सूबेदारगंज-एलटीटी एक्सप्रेस, सूबेदारगंज से 10 जुलाई से।

संशोधित संरचना:

छह वातानुकूलित-3 टियर, चार वातानुकूलित -3 टियर इकोनॉमी, 6 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 जेनरेटर कार और 1 सेकंड सीटिंग और सामान सह गार्ड ब्रेक वैन। इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

विधानभवन की सीढ़ियों पर विपक्ष-सत्ता पक्ष का प्रदर्शन

महानगर संवाददाता
मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल के वर्षाकालीन सत्र के तीसरे सप्ताह के पहले दिन सोमवार को विधानभवन की सीढ़ियों पर सत्ताधारी दल और विपक्ष की तरफ से प्रदर्शन किया गया। यूनेस्को की तरफ से छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिए जाने पर सत्तापक्ष के विधायकों ने जश्न मनाया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानभवन में मौजूद छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विनम्र अभिवादन किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और अन्य लोग उपस्थित थे। विपक्षी दलों ने सोलापुर के अक्कलकोट में संभाजी ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण गायकवाड पर स्याही फेंके जाने की घटना के विरोध में किया गया।

विधान भवन परिसर में नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ ने शिवाजी महाराज की विरासत को याद करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक स्वर में नारे लगाकर शिवाजी महाराज के प्रति अपनी निष्ठा और सम्मान व्यक्त किया। विपक्ष की तरफ से संभाजी ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण गायकवाड पर स्याही फेंक जाने की घटना का विरोध किया गया। राकांपा शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने मांग की कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। विपक्षी नेताओं ने विधानसभा की सीढ़ियों पर अपने हाथों में तख्तियां लेकर खड़े होकर मौन प्रदर्शन किया। इन तख्तियों पर सरकार की नीतियों के खिलाफ संदेश लिखे थे। प्रदर्शन में विपक्षी दलों के कई विधायक और कार्यकर्ता शामिल हुए। विपक्ष का कहना है कि यह प्रदर्शन केवल एक शुरुआत है और वे महाराष्ट्र की प्रगतिशील और समावेशी संस्कृति को बचाने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। इस मौन प्रदर्शन ने विधानसभा परिसर में सभी का ध्यान खींचा और सरकार पर दबाव बढ़ाने का काम किया।

यह गर्व की बात: फडणवीस

इधर विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के 11 किलो रायगड, प्रतापगड, पन्हाला, शिवनेरी, लोहागड, साल्हेर, सिंधुदुर्ग, स्वर्ण दुर्ग, विजय दुर्ग, खान्देरी और तमिलनाडु के जिंजी किले को मिलाकर कुल 12 किलो को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा निर्मित ये किले महाराष्ट्र की वीरता और सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है। इन ऐतिहासिक किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना पूरे महाराष्ट्र और देश के लिए गर्व की बात है।

विधानसभा में भिड़े आदित्य और नीलेश राणे

मुंबई। सोमवार को विधानसभा में आदित्य ठाकरे और नीलेश राणे के बीच जमकर बहस हुई। 293 के प्रस्ताव पर बोलते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि राज्य में चड्डी बनियान गैंग हरकतें कर रहा है और मुख्यमंत्री गठबंधन धर्म के चलते उसके खिलाफ कार्रवाई तक नहीं कर पा रहे हैं। इससे भाजपा विधायक नीलेश राणे भड़क गए। उन्होंने ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा कि हिम्मत है तो नाम लो, वरना सदन में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल मत करो। आदित्य ठाकरे ने अपने भाषण में कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री को गठबंधन धर्म निभाना है,इसलिए उन्हें कुछ चीजें सहन करनी पड़ती हैं। वे जिन लोगों के साथ बैठते हैं, वे चड्डी-बनियान गैंग के लोग किसी को भी मार देते हैं, कुछ भी कर देते हैं,लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। आदित्य ने कहा कि वे मुख्यमंत्री की इस सहनशीलता की सराहना करते हैं,वे किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते। हालांकि, राज्य में जो हो रहा है, मुंबई में जो हो रहा है, उस पर नियंत्रण जरूरी है। आदित्य ठाकरे ने चुनौती दी कि चड्डी-बनियान गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और दिखाया जाए कि शासन क्या होता है।

किसी भी अनधिकृत निर्माण को समर्थन नहीं: शिंदे

अतिक्रमण को वर्गीकृत करने के निर्देश

महानगर संवाददाता
मुंबई

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों के जवाब में कहा कि मुंबई महानगरपालिका आयुक्त को मुंबई में अनधिकृत निर्माणों को सूचीबद्ध और वर्गीकृत करने के निर्देश दिए जाएंगे। सरकार किसी भी अनधिकृत निर्माण का समर्थन नहीं करेगी। यदि अधिकारी अनधिकृत निर्माणों का समर्थन करते पाए गए तो उनके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा में इस बारे में सदस्य पराग अलवणी ने सवाल उपस्थित किया था। चर्चा में योगेश सागर, जितेंद्र आव्हाड, दिलीप वलसे पाटिल, वरुण सरदेसाई, मुरजी पटेल, अजय चौधरी, बाला नर ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि वसई-विरार महानगरपालिका की सीमा में कई अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और कुछ मामलों में अदालती रोक के कारण ये निर्माण कार्य शेष रह गए। हालांकि अदालती आदेश मिलते ही उन्हें भी हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मानसून के कारण कुछ स्थानों पर लोग रह रहे हैं,इसलिए अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करना संभव नहीं है। हालांकि मानसून के बाद उन निर्माणों को भी हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विलेपार्ले (पूर्व) में बृहन्मुंबई महानगरपालिका के स्वामित्व वाले प्लॉट संख्या 256 पर अवैध रूप से एक शेड का निर्माण होने का पता चलने पर मनपा ने 24 मार्च, 2025 को इस शेड को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। इसके बाद संबंधित प्लॉट पर अनधिकृत पार्किंग के अतिक्रमण के संबंध में मनपा को शिकायत प्राप्त हुई। इस शिकायत का संज्ञान लेते हुए बृहन्मुंबई महापालिका ने 3 जून 2025 को उस अतिक्रमण पर कार्रवाई की और अनधिकृत पार्किंग को हटा दिया।

कचरा प्रबंधन के लिए अलग प्रकोष्ठ

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य की महानगरपालिका और नगर पालिकाओं को कचरा प्रबंधन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक अलग प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में सदस्य विजय देशमुख ने एक प्रश्न उठाया था। इस दौरान, सदस्य अभिमन्यु पवार और अर्जुन खोतकर ने एक उप-प्रश्न किया।

यूपी -एमपी की तर्ज पर महाराष्ट्र में बनेगा धर्मांतरण विरोधी कानून

- शीतकालीन सत्र में सरकार पेश करेगी कानून
- विधानपरिषद में गृह राज्य मंत्री भोयर ने दी जानकारी

मुंबई। उत्तर प्रदेश और एमपी की तर्ज पर देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून लाएगी। सोमवार को विधान परिषद में गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर ने यह जानकारी दी.पंकज भोयर ने कहा कि बहला फुसला कर और लालच देकर बच्चियों का धर्म परिवर्तन कराने वालों पर शिकंजा कसने का निर्णय लिया है। इसलिए आने वाले शीतकालीन सत्र में सरकार धर्मांतरण विरोधी कानून पेश करेगी। गृह राज मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने धर्मांतरण कानून के अध्ययन के लिए एक पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में समिति बनाई है इस समिति की रिपोर्ट में दिए गए सुझावों पर विचार करने के बाद, धर्मांतरण विरोधी कानून को अगले सत्र में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। सोमवार को विधान परिषद में भाजपा सदस्य उमा खापरे ने पुणे जिले के दौंड तालुका के केडगाँव स्थित पंडिता रमाबाई मुक्ति मिशन के अनाथालय में लड़कियों और महिलाओं के धर्मांतरण को सवाल उठाया था इसके जवाब में मंत्री भोयर बोल रहे थे। भोयर ने सदन को बताया कि धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर

बनाई गई समिति के सामने कुल 35 मामले सामने आए है सबसे अधिक मामले ऐसे है जो बहला फुसला कर और लालच देकर धर्मांतरण कराया गया है। गृह राज्य मंत्री ने बताया कि धर्मांतरण विरोधी कानून लाने वाला महाराष्ट्र देश का 11वां राज्य बनेगा। सबसे पहले उड़ीसा राज्य में धर्मांतरण विरोधी कानून लाया गया था उसके बाद मध्य -प्रदेश,झारखण्ड के अलावा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की सरकार ने धर्मांतरण विरोधी कानून बनाया है। राज्य मंत्री डॉ. भोयर ने बताया कि केडगाव स्थित अनाथालय में लड़कियों के धर्मांतरण के साथ-साथ लड़कियों से मारपीट, उनसे सार्वजनिक शौचालय साफ करवाने, जाति के आधार पर गाली-गलौज और दुर्व्यवहार करने के मामले में शिकायत मिलने पर 8 दिसंबर, 2023 को मामला दर्ज किया गया था।

ससून पोर्ट के मछुआरों को उपलब्ध कराई गई है विभिन्न सुविधाएं

विधान परिषद में मंत्री नितेश राणे ने दी जानकारी

मुंबई। राज्य के मत्स्य व्यवसाय मंत्री नितेश राणे ने कहा कि ससून पोर्ट (डॉक) के मछुआरों को विभिन्न सुविधा उपलब् प्रदान की गई हैं और यहां के मछुआरों को कहीं और नहीं ले जाया जाएगा। सोमवार को विधान परिषद सदस्य राजेश राठौड़ ने ससून डॉक में बंजारा मछुआरों की समस्या को लेकर प्रश्न उपस्थित किया था इसके जवाब में नितेश राणे बोल रहे थे। राणे ने कहा कि ससून पोर्ट के आधुनिकीकरण के लिए 96.92 करोड़ रुपए की संशोधित योजना सरकार को सौंपी गई है। इसमें 22 करोड़ रुपए का फंड प्राप्त हुआ है। इसके माध्यम से, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के माध्यम से महिला और पुरुष कर्मचारियों के लिए

विश्राम गृह और शौचालय की व्यवस्था की गई है। महाराष्ट्र मत्स्य विकास महामंडल ने विश्राम कक्षों में महिलाओं और पुरुषों के आराम करने के लिए कालीन, खाने के लिए छह सीटों वाली चार कैंटीन टेबल, मछुआरों के बैठने के लिए तीन सीटों वाली छह कुर्सियां, साथ ही पंखे, लाइट और मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए बिजली के बोर्ड (बॉक्स) जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इराणे ने बताया कि महाराष्ट्र मत्स्य विकास महामंडळ ने ससून पोर्ट पर मछली बेचने/साफ करने वाले महिलाओं/पुरुषों के लिए शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 10 शौचालय उपलब्ध कराए हैं।

वेतन में देरी होने पर कंपनी के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई: प्रकाश आबिटकर

स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा कि राज्य में संविदा कर्मचारियों का वेतन समय पर और नियमानुसार दिया जाना चाहिए। यदि कोई कंपनी संविदा कर्मचारियों को समय पर या नियमानुसार वेतन नहीं दे रही है, तो उसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी, सोमवार को विधानपरिषद में सदस्य राजेश राठौड़ ने संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों के वेतन में हो रही देरी का मुद्दा उपस्थित किया था इसके जवाब में वे बोल रहे थे। आबिटकर ने बताया कि जनवरी 2025 से केंद्र सरकार से राशि प्राप्त न होने के कारण राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का मानदेय लंबित था। वर्तमान में यह राशि प्राप्त हो गई है और यह राशि मई 2025 के अंत तक है का मानदेय लंबित था।

मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी पर लगेगा मकोका

मुंबई। राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम में संशोधन किया है। विधानसभा के बाद विधान परिषद में सोमवार को गृहराज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने संशोधन विधेयक पेश किया,जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस मौके पर योगेश कदम ने यह विधेयक नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में निर्णायक साबित होगा। सरकार ने राज्य में बढ़ती मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाने का एक बड़ा फैसला लिया है,इसलिए मादक पदार्थ की तस्करी के आरोपियों

पर मकोका लगाने का निर्णय लिया है। कदम ने कहा, 'यह कानून में केवल एक तकनीकी संशोधन नहीं है,बल्कि समाज की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। हम युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों के जाल से बचाना चाहते हैं। यह संशोधन कानून मादक पदार्थों की तस्करी के लिए ज़िम्मेदार संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने काम करेगा।

उद्धव-राज की युति को लेकर सस्पेंस बढ़ा

राज ने कहा, विजय रैली का राजनीति से संबंध नहीं

मुंबई। पिछले दिनों शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के एक मंच पर आने से संभावना व्यक्त की जाने लगी थी कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में ठाकरे बंधु साथ आ सकते हैं, लेकिन सोमवार को राज ठाकरे के एक बयान से दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर सस्पेंस बढ़ गया है। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई में मराठी विजय मेला केवल मराठी मुद्दे को लेकर था,विजयी मेले का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। नवंबर-दिसंबर माह में युति को लेकर तस्वीर साफ होगी।
महायुति सरकार की तरफ से राज्य में हिंदी लागू करने के बाद ठाकरे बंधुओं ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी। सरकार की तरफ से इस संबंध में जारी शासनादेश रद्द करने के बाद ठाकरे बंधुओं ने मुंबई में विजय रैली की। 20 साल बाद राज और उद्धव ठाकरे एक मंच पर आए। इससे यह चर्चा शुरू हो गई कि दोनों भाई आगामी महानगरपालिका चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। उद्धव ठाकरे ने बयान दिया था कि हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं।

उज्जवल निकम को डॉ. अनील काशी मुरारका ने दी बधाई

मुंबई। देश के जाने-माने वकील एवं उत्तर मध्य मुंबई के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी उज्जवल निकम को राज्यसभा सांसद बनाए जाने पर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर एम्पल मिशन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा समाजसेवी डॉ. अनील काशी मुरारका ने भगवान संकटमोचन हनुमान जी की तस्वीर भेंटकर व शॉल ओढ़ाकर उज्जवल निकम को सम्मानित किया और बधाई दी। मुरारका ने पत्रकारों से कहा कि इस देश को आज संसद के भीतर ऐसे ही योग्य लोगों की जरूरत है। उज्जवल निकम देश के प्रतिष्ठित वकीलों में से एक हैं। उन्हें इस देश को सही दिशा और सही पटरी पर लाने की संपूर्ण जानकारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें राज्यसभा में भेजकर जो जिम्मेदारी दी है, वह सराहनीय है। हम इसके लिए भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और निकम को दिल से बधाई देते हैं।

फरहान आजमी ने इमरान प्रतापगढ़ी का मुंबई आगमन पर स्वागत किया

मुंबई। राज्यसभा सांसद माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के मुंबई आगमन पर मुंबई के इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर इमरान प्रतापगढ़ी का माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवानेता फरहान आजमी तथा मुंबई माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष हाजी इब्राहिम भाई जान के तरफ से साल बुके देकर भव्य स्वागत किया गया इस मौके पर इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार केंद्र में बैठकर दिल्ली के अंदर जो तानाशाही रवैया कर रही है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के लिखे हुए संविधान को खत्म कर रही है यह आने वाले कल के लिए हमारे देश को बहुत घातक साबित होगा, भारत एक शांति प्रिय देश है यहां सभी जात सभी मजहब के लोग गंगा जमुनी तहजीब को फॉलो करते हुए एक दूसरे के दुख दर्द दूसरे के त्योहारों में शरीक होते हैं कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं। इस मौके पर फरहान आजमी हाजी इब्राहिम भाई जान के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इमरान प्रतापगढ़ी का स्वागत सत्कार किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

साक्षात्कार की तिथि में संशोधन हेतु प्रेस विज्ञप्ति

"इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 1056/2025 दिनांक **24.06.2025** के अंतर्गत संविदा चिकित्सक (CMP/GDMO) की भर्ती हेतु आयोजित साक्षात्कार (Walk-in-Interview) की तिथि को प्रशासनिक कारणों से स्थगित कर अब दिनांक **25.07.2025 (शुक्रवार)** को प्रातः 11:30 बजे मंडल रेलवे चिकित्सालय, रायपुर में निर्धारित किया गया है। पूर्व में जारी नियम व शर्तें यथावत रहेंगी।"

सहायक कार्मिक अधिकारी
द.पू.म.रेलवे रायपुर
पीआर/आर/सी.डी.पीओ/एएन/101

South East Central Railway @secrail

पश्चिम रेलवे

एडी करेंट अरे (ईसीए) तकनीक के जरिए नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग (एनडीटी)

वरि. डीएमई (नि.)/बीसीटी द्वारा **निविदा सूचना क्र. : एम-137-ईसीए-2025, दि. 12.07.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : 02 वर्षों हेतु कोचिंग डिपो सूरत, उधना और वलसाड में एलएचबी कोचेस के व्हील्स की एडी करेंट अरे (ईसीए) तकनीक के जरिए नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग (एनडीटी). **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 55,80,645.18 (सभी समाविष्ट). **ईएमडी** : ₹ 1,11,600/-. **निविदा जमा बंद होने की तिथि एवं समय** : 11.08.2025 को 15.00 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0396

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, अधिष्ठापन, परीक्षण और क्रियान्वयन कार्य

वरि. डीएसटीई/उत्तर/मुंबई सेंट्रल, 2री मंजिल, मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **ई-निविदा क्र. : एसजी_216_2_114_डब्ल्यूए_बीएल, दि. 11.07.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान** : मुंबई मंडल के विरार – सूरत अनुभाग के एडीएसटीई/वलसाड के क्षेत्राधिकार अंतर्गत दोषपूर्ण/कालबाह्य मिडलाइफ सिग्नलिंग गियर्स का प्रतिस्थापन और विश्वसनीयता सुधार के कार्य के संबंध में सिग्नलिंग आइटम्स की आपूर्ति, अधिष्ठापन, परीक्षण और क्रियान्वयन. **कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 2,29,15,807.58. **ईएमडी** : ₹ 2,64,600/-. **ई-निविदा दस्तावेज जमा करना बंद होने की तिथि एवं समय** : 07.08.2025 को 15.00 बजे तक, **ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय** : 07.08.2025 को 15.30 बजे. निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है. 0395

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

- सार्वजनिक सूचना -

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं जतन अधिनियम 1975 (जनवरी 2018 तक संशोधित अनुसार) की धारा 8 (3) (क) अंतर्गत प्रावधानों के अनुपालन में **परिमंडल – VII** में आर/सेंट्रल वार्ड से **02** प्रस्ताव, अर्थात प्रभावित वृक्षों के निष्कासन हेतु **कुल 02** प्रस्ताव, महाराष्ट्र राज्य वृक्ष प्राधिकरण/मनपा वृक्ष प्राधिकरण/मनपा आयुक्त, चेयरमैन, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी) की मंजूरी के लिये प्राप्त हुये हैं.

उपरोक्त निर्दिष्ट प्रस्तावों के अंतर्गत वृक्षों की कटाई/पुनर्रोपण करने बाबत विस्तृत जानकारी म.न.पा. की वेबसाइट- https:// mcgm.gov.in → About us → wards / Departmetns→ Department manuals → Gardens & Tree Authority → Tree Authority → Advt 7 days - W.S.-Z-VII-72 अंतर्गत उपलब्ध है.

उपरोक्त निर्दिष्ट प्रस्तावों हेतु नागरिकों से आपत्तियां/सुझाव, यदि है, उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में उक्त सूचना प्रकाशन तिथि से 7 दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जाते हैं.

आप निर्धारित प्रारूप में अपने सुझाव/आपत्तियां उक्त ईमेल आईडी dysg.ta@mcgm.gov.in पर भी जमा कर सकते हैं. निर्धारित समय में निर्धारित प्रारूप में प्राप्त आपके सुझाव/आपत्तियों पर ही विचार किया जायेगा. उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त ईमेल्स अथवा लिखित सुझाव/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा. आपत्तियों/सुझावों हेतु सुनवाई उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में **दि. 23.07.2025** को सायं. 4.30 बजे से सायं. 5.00 बजे तक आयोजित की जायेगी. जो व्यक्ति उक्त सुनवाई में उपस्थित रहना चाहते हैं, वे अपने ईमेल, सुझावों/आपत्तियों की एक प्रति के साथ उपस्थित रह सकते हैं.

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी का कार्यालय
2री मंजिल, हम्बोल्ट पेंग्विन बिल्डिंग,
वी.जे.बी. उद्यान एवं प्राणिसंग्रहालय, संत सावता माली मार्ग,
भायखला (पूर्व), मुंबई – 400 027,
टेली. नं. 23742162
ईमेल : dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता./-
पीआरओ/1002/विज्ञा./2025-26 — **उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी**

खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह साफ करें

भारतीय सेना

www.joinindianarmy.nic.in

66वीं शॉर्ट सर्विस कमीशन (टेक्निकल) महिला (अप्रैल 2026)

मुख्य विशेषताएं

(नीचे दी गई जानकारी केवल सामान्य जानकारी के लिए है और कानूनी रूप से अमान्य है) (पाठ्यक्रम अधिसूचना www.joinindianarmy.nic.in पर प्रकाशित की गई है - केवल वही आधिकारिक विज्ञापन मान्य होगा)

श्रेणी	विवरण	अधिसूचना का पैरा क्रमांक
प्रवेश का प्रकार	शॉर्ट सर्विस एंट्री (टेक्निकल) (एसएसटी(टी)- 66) महिला	पैरा 1
आयु	01 अप्रैल 2026 को 20 और 27 वर्ष	पैरा 2
उपलब्धता	अविवाहित महिला	पैरा 1
शैक्षणिक योग्यता	अधिसूचित स्ट्रीम में इंजीनियरिंग डिग्री	पैरा 3
स्वीकार्य स्ट्रीम	सूचीबद्ध अनुसार	पैरा 3
आवेदन कैसे करें	www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन करें	पैरा 11
आवेदन विंडो	16 जुलाई 2025 से 14 अगस्त 2025	पैरा 15
चिकित्सकीय मानक / परीक्षा	www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध अनुसार	पैरा 5
चयन प्रक्रिया	आवेदन > शॉर्टलिस्टिंग > एसएसबी > मेडिकल > मेरिट लिस्ट > नियुक्ति पत्र	पैरा 4
शॉर्टलिस्टिंग हेतु अंकों के कटऑफ % की तिथि	सितंबर 2025 का प्रथम सप्ताह	-
एसएसबी की संभावित अवधि और तिथि	अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच 5-दिवसीय एसएसबी (एसएसबी तिथि के लिए दो सप्ताह का चयन सितंबर 2025 में)	-
पूर्व-कमिशन प्रशिक्षण अकादमी	ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, गया, बिहार	पैरा 7
प्रशिक्षण अवधि	अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक 49 सप्ताह	पैरा 7(बी)
प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपेंड	₹ 56,100 प्रति माह	पैरा 9
प्रशिक्षण उपरांत रैंक	लेफ्टिनेंट	पैरा 9(बी)
नियुक्ति पर वेतन	अनुमानित सीटीसी ₹17-18 लाख प्रति वर्ष (नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा और साल में एक बार घर यात्रा सहित)	-
कमीशन का प्रकार	शॉर्ट सर्विस कमीशन	पैरा 6(ए)
न्यूनतम सेवा अवधि	10 वर्ष	पैरा 7(जी)
अधिकतम सेवा अवधि	14 वर्ष	पैरा 7(जी)
सेवा समाप्ति के विकल्प	पहला - 5 वर्ष बाद, दूसरा - 10 वर्ष बाद, तीसरा - 14 वर्ष बाद	पैरा 7(जी)
स्थायी कमीशन का विकल्प	10 वर्ष बाद	पैरा 7(जी)
कमीशन हेतु मुख्य शाखा / सेवा	कोर ऑफ इंजीनियर्स, कोर ऑफ सिग्नल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स. उम्मीदवारों की अन्य शाखाओं/सेवाओं में भी नियुक्ति हो सकती है.	-
सेवा समाप्ति पर लाभ	समाप्ति पर सेवा अवधि के अनुसार	-

सीबीसी 10601/11/0022/2526

तन-मन और जनकल्याण का पर्व सावन

सावन के महीने के शुरू होते ही उत्तरी भारत में कांवड़ यात्रा की गहमा-गहमी भी शुरू हो गई है। देश भर से शिवभक्त भोले अपने-अपने स्थान से अपने निकट स्थित गंगा के जल स्रोतों से जल लेकर वापस अपने गंतव्य के और लौटते देखे जा सकते हैं। खासतौर पर पश्चिम उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के हरिद्वार एवं ऋषिकेश जिलों में इस समय भारी भीड़ एवं जन सैलाब देखा जा सकता है। सावन मास के स्वामी भगवान शिव ही माने जाते हैं। इसलिए श्रद्धालुओं को सावन में भगवान शिव की कृपा बहुत फलदाई रहती है। कांवड़ में विशेष रूप से उत्तरी भारत बम-बम भोले के उद्घोषों से गुंजायमान हो जाता है। सड़कों पर कांवड़ियों का हुजूम व आस्था का ज्वार पूरे उफान पर रहता है। हर तरफ भगवा ही भगवा नज़र आता है। आस्था के ज्वार में भक्त तो डूबे ही रहते हैं दूसरे लोग भी कांवड़ यात्रा से आह्लादित होते हैं। आइए, चिंतन करते हैं हरिद्वार की तरफ जाते और वहां से वापस अपने गंतव्यों की तरफ लौट पुण्य कमाते कांवडियों, कांवड़ और धर्म, आस्था, तर्क और पुण्य के शिव एवं कांवड़यात्रा के धार्मिक और आध्यात्मिक आयामों पर। मिथकों के अनुसार श्रावण कृष्ण प्रतिपदा से शिवभक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए दूर - दूर से जलाभिषेक करने व जल लाने के लिये लोग कांवड़ लेकर आते हैं । देश के कोने कोने से, विभिन्न, वाहनों, गणवेश व मानेकामनाओं के साथ कांवडिएं सारी सड़कों पर कब्जा कर लेते हैं, पूरा वातावरण शिवमय हो जाता है । हर तरफ 'हर-हर, बम-बम, जयशिव भोले'' के उद्घोष सुनाई देते हैं । कंधे पर कांवड़ टांगे बच्चे, बूढ़े, जवान, स्त्री, पुरुष पैदल या वाहनों पर जल लाने और इच्छित मंदिरों शिवालयों में चढ़ाते हैं हर साल सावन में। कहा जाता है कि एक नए युग की शुरुआत के लिए पुराने युग को समाप्त होना पड़ता है ऐसे ही अच्छाई के वर्चस्व के लिए बुराई को समाप्त होना पड़ता है यानी कह सकते हैं कि कांवड़यात्रा निर्माण एवं विध्वंस की एक पावन कड़ी है। मान्यता है कि शिव बुराई के नाश के लिए अंतिम विकल्प हैं और कांवड़ यात्रा भी तन-मन में रमे विकारों के विनाश के लिये की जाती। शिव भक्तों का मानना है कि जब तन और मन दोनों ही पूर्णतया शुद्ध हो जाते हैं तब भोलेनाथ आसानी से रीझते हैं। कांवड लाने के बहाने से ही तन के साथ साथ मन की अशुद्धियां भी नष्ट करने के लिये भोले के भक्त इतना कष्ट उठाते हैं। कांवड परम्परा के बारे में माना जाता है कि भगवान शिव को रिझाने के लिये भागीरथ ने कठोर तपस्या की और शिव के आश्वासन देने के बाद गंगा पृथ्वी पर आने को राजी हुई और शिव ने भी अपना वचन निबाहा तथा भागीरथ के पुरखों का उद्धार हुआ। शिव अकेले ऐसे देवता हैं जो जगत्कल्याण के लिये हर कष्ट सह लेते हैं। समुद्र मंथन के समय भी शिव ने ही सारा जहर स्वयं पी कर देवता व राक्षसों का विवाद तो शांत किया ही सृष्टि को भी हलाहल के प्रभाव से बचाया था। शिव ने ज़हर से औरों तो बचा लिया पर विष के प्रभाव से वे स्वयं बेहोश हो गए तब देवताओं ने उपलब्ध संसाधनों से शिव का उपचार किया, कहा जाता है कि देवताओं ने उन पर पर्याप्त मात्रा में जल, दूध, दही शहद आदि शीतल पदार्थ डाले और उससे शिव स्वस्थ हो गये. तभी से शिव को प्रसन्न करने व उनकी पूजा के लिये गंगाजल आदि से अभिषेक करने प्रचलन हुआ। शैव मानते हैं कि शिव बिना उपासक की भावना जाने भी बड़ी ही आसानी से प्रसन्न हो जाते हैं तभी तो वे रावण और भस्मासुर जैसों को भी अमर होने का वरदान दे देते हैं मगर जब भक्तों की कातर पुकार शिव तक पंहुचती हैं तो वें विनाशकारी तत्वों का संहार भी करने में नहीं हिचकिचाते हैं। वस्तुतः शिव विनाश के नहीं वर्ना पुनर्निर्माण के देव कहे जाने चाहिएं जो कि प्रकृति व सृष्टि में घातक तत्वों की अति हो जाने पर उसे पहले नष्ट कर उसके पुनर्निर्माण का आधार रखते हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं वें अपने भक्तों की झोलियां भरने में देर नहीं लगाते। स्वयं अर्द्धनग्न रह दूनिया को अपने रक्षा कवच से ढकते हैं। वें पूरी तरह काम मुक्त, वीतरागी बन सृष्टि को हरा भरा रखते हैं, वें देव-दानव, मानव, किन्नर सबका हित करते हैं। श्रावण में शिव की पूजा के पीछे एक धारणा यह भी है कि श्रावण मास में कांवड़ के बहाने से शिव की उपासना होती है और वे खुश होकर सारी मनोकामनायें पूर्ण करते हैं। एक तरह से कांवड़ यात्रा पर कल्याण व आत्मशुद्धि के लिए किये जाने वाले यज्ञ के बराबर है। कांवड़ यात्रा से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है होटल, ढाबे वाले, खाद्य पदार्थ व फल विक्रेता कांवड़ बनाने वाले और मजदूर वर्ग को अच्छा ख़ासा फ़ायदा होता है। वहीं निरंतर यात्रा करने से शरीर की अशुद्धियां दूर होती हैं और शरीर अधिक क्षमतावान हो जाता है। वहीं मन में पवित्र भाव लेकर कल्याण की सर्व कामना से जब कांवड़ यात्रा की जाती है तो मन भी पवित्र हो जाता है। इस तरह कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा तन,मन और जन कल्याण की यात्रा है। शिव को बहुत दयालु एवं भोला होने के नाते देवों का देव यानि महादेव कहा गया है। उनकी पूजा में तामसी चीजों का सेवन, हिंसा एवं मादक पदार्थों का सेवन करना तथा मन में दूषित विचार रखना सारी पूजा एवं यात्रा के फल नष्ट करने वाला है। इसलिए तन मन एवं जन कल्याण की इस यात्रा को पवित्र भाव के साथ ही करना चाहिए तथा जहां तक हो सके, दान पुण्य आदि से जरूरतमंद लोगों की सहायता भी करनी चाहिए। सावन के महीने में शिव भक्त गंगाजल आदि से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

सावन बरसे गगन से, आंगन बरसें नैन
कल-कल-कल नदिया करे, कल-कल धनि दिन रैन
कल-कल धनि दिन रैन, बैन हिचकोले खाएं
दामिनि दमके देह, मेह पावक बरसाएं
कह सुरेश कविराय न विरही निसरे घर से
मन मयूर अकुलाय, हाय क्यों सावन बरसे

दलित समाज को रुककर समझने की जरूरत

> देर से ही सही भारत विकास के रास्ते पर चलते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है लेकिन सवाल है कि क्या हम चीन की बराबरी कभी कर पाएंगे। 1947 के बाद न केवल भारत आज़ाद हुआ बल्कि संवैधानिक अधिकारों के कारण इस देश के वंचित, पिछड़े, गरीब और महिला समाज ने नई हवा में सांस ली।

आम तौर पर ब्रेक लेने से मतलब अपने काम से अवकाश लेना होता है लेकिन मेरा ब्रेक लेने का मतलब थोड़ा रुककर सोचने, समझने और विचार करके आगे बढ़ने से है। हर धर्म, जाति, समाज, देश और संस्थान को कुछ समय बाद ब्रेक जरूर लेना चाहिए ताकि वो रुक कर देख सके कि वो किस दिशा में जा रहा है। क्या वो अपनी मंजिल की तरफ जा रहा है या गलती से विपरीत दिशा में तो नहीं चल पड़ा है। वो अगर उसी चाल से चलता है तो कब तक अपनी मंजिल पर पहुंच सकता है या फिर कोई मंजिल है ही नहीं, सिर्फ चलते रहना है। बड़े बदलाव के लिए ब्रेक की जरूरत होती है क्योंकि बिना रुके आप बदलाव की जरूरत महसूस नहीं कर सकते। भारत लगातार एक हज़ार साल तक गुलाम रहा और 1947 में आज़ादी के बाद नए रास्ते पर चल पड़ा। आजादी के बाद ही दलितों को अपने अधिकार संविधान से हासिल हुए लेकिन क्या सिर्फ दलितों को ही संविधान ने अधिकार दिया। आज़ादी भी एक तरह का ब्रेक था जिसके बाद एक नए भारत का उदय हुआ। 1991 के बाद एक बार फिर भारत ने ब्रेक लिया क्योंकि देश दिवालिया हो चुका था। भारत ने कोटा-परमिट और लाइसेंस राज को खत्म करके आर्थिक उदारीकरण की ओर कदम बढ़ाया। समस्या यह थी कि वो ब्रेक मर्जी से लिया हुआ नहीं था बल्कि दिवालिया होने के कारण आईएमएफ से कर्ज लेने की शर्त के रूप में लिया गया था। सोच विचार और हालातों को समझने के बाद किया गया बदलाव नहीं था। मजबूरी में किये गए काम में वो ऊर्जा और उत्साह नहीं होता जो अपनी मर्जी से सोच विचार कर किये गए काम में होता है। इस बात को हम चीन के उदाहरण से समझ सकते हैं। उसने एक साम्यवादी देश होने के बावजूद 1979 में एक ब्रेक लिया और बहुत सोच-विचार और हालातों का जायजा लेने के बाद पूंजीवाद की तरफ कदम बढ़ा दिए। हमने ये काम 12 साल बाद मजबूरी में किया और अगर मजबूरी नहीं होती तो न जाने कब ये काम करते। जो चीन 1980 में हमारे बराबर था, वो आज हमसे चार गुना बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसलिए ब्रेक किसी मजबूरी में नहीं बल्कि खुद की बेहतरी के लिए अपनी मर्जी से लेना चाहिए। यूरोप ने पुनर्जागरण काल में एक ब्रेक लिया और उसमें बड़ा बदलाव आया और यूरोप लंबे समय तक दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बना रहा। आज उसका विकास और संपन्नता उसी बदलाव का नतीजा है। 1991 में हुए बदलाव के बाद देर से ही सही भारत विकास के रास्ते पर चलते हुए तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है लेकिन सवाल है कि क्या हम चीन की बराबरी कभी कर पाएंगे। 1947 के बाद न केवल भारत आज़ाद हुआ बल्कि संवैधानिक अधिकारों के कारण इस देश के वंचित, पिछड़े, गरीब और महिला समाज ने नई हवा में सांस ली। बाबा साहब अम्बेडकर जी ने दलितों को एक संदेश दिया था, शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो। आज़ादी के बाद जब शिक्षा का प्रसार हुआ तो दलित समाज में भी शिक्षा का प्रसार हुआ। दलितों को आरक्षण मिला तो शिक्षा का मतलब नौकरी पाना रह गया। शिक्षित दलितों को संगठित होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सवाल उठता है कि जो लोग शिक्षा प्राप्त करके आरक्षण से नौकरी पा गए, क्या उन्होंने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझा। आरक्षण एक निजी फायदा बन गया है इसका समाज को कोई फायदा नहीं होता लेकिन सच्चाई यह है कि आरक्षण के कारण ही दलित समाज यहां तक पहुंचा है। सवाल है कि आरक्षण से जो हासिल होना चाहिए था, क्या दलित समाज उसे हासिल करने में कामयाब हुआ है। क्या आरक्षण से फायदा ही हो रहा है, इससे होने वाले नुकसान की ओर दलित समाज ने कभी ध्यान दिया है। क्या आरक्षण के कारण दलित युवाओं में सरकारी नौकरी का ऐसा आकर्षण पैदा हो गया है जिसके कारण निजी क्षेत्र की नौकरियों से हम दूर हो गए हैं, इस पर विचार किया गया है। इसके अलावा क्या दलित समाज ने सरकारी नौकरियों के अतिरिक्त उन क्षेत्रों में काम करने की कोशिश की जहां काम करने के लिए विशेष कुशलता प्राप्त करनी पड़ती है। मुस्लिम समाज सरकारी नौकरियों में दलितों के मुकाबले कम है लेकिन मुस्लिम युवाओं के पास रोजगार की कमी नहीं है। आरक्षण के कारण दलित समाज में सरकारी नौकरी पाना ही अपनी गरीबी से मुक्त होना मान लिया गया है। सवाल फिर यह है कि क्या सरकारी नौकरियों की संख्या देखते हुए दलित समाज को दूसरे विकल्पों की ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस सवाल का जवाब भी ढूंढने की जरूरत है कि सरकारी नौकरी के अलावा अन्य क्षेत्रों में दलित कहाँ खड़े हैं। आरक्षण दलितों का सबसे बड़ा मुद्दा है लेकिन इससे क्या हासिल हो रहा है, इस पर रुक कर गहन विचार-विमर्श करने की जरूरत है। दलितों को एक ब्रेक की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि दलितों में पुनर्जागरण की जरूरत है। पुनर्जागरण की जरूरत इसलिए है क्योंकि दलित समाज को खुद में सुधार की जरूरत है। दलितों को संघर्ष करना है लेकिन संघर्ष से पहले उसके लिए तैयार भी होना होगा। अक्सर मैं जब किसी दलित संगठन के कार्यक्रम में जाता था तो वहां संविधान की बहुत चर्चा होती थी। मुझे लगता है कि बाबा साहब के कारण दलित समाज संविधान के प्रति कुछ ज्यादा ही लगाव रखता है। दलित समाज के एक बड़े वर्ग में ये आम धारणा है कि संविधान एक किताब है जिसे बाबा साहब ने लिखा है और उस पर देश चल रहा है। वास्तव में संविधान तो उन कानूनों का एक संग्रह है जिन्हें पारित करके संविधान सभा ने देश को समर्पित किया था ताकि देश की व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। मुझे समझ नहीं आता कि क्या कारण है जो दलित संगठन अपने कार्यक्रमों में संविधान का ज्ञान बांटते रहते हैं जबकि हमारे मतलब का उसमें बहुत थोड़ा सा हिस्सा है जिसको समाज को बताने की जरूरत है। हमें विचार करने की जरूरत है कि संविधान के प्रति हमारे लगाव का क्या फायदा है। सवाल ये भी खड़ा होता है कि संविधान में जो कहा गया था क्या वो किया जा रहा है। क्या संविधान दलितों को उनका हक दिलवा पाया है, इस पर विचार करने की जरूरत है। बाबा साहब ने संघर्ष करने को कहा था लेकिन सवाल है कि संघर्ष किससे करना है। पुनर्जागरण की जरूरत इसलिए है क्योंकि हमें यही पता नहीं है कि हमारा संघर्ष किसके साथ है और उसके लिए क्या तैयारी करने की जरूरत है। दलित संगठन हिन्दू धर्म के प्रति नफरत से भरे रहते हैं, इसलिए दलित समाज उनसे वैसे नहीं जुड़ पाता है जैसे जुड़ना चाहिए।

- राजेश कुमार पासी

सदानंदन मास्टर - पैर कटे पर विचारधारा नहीं बदली

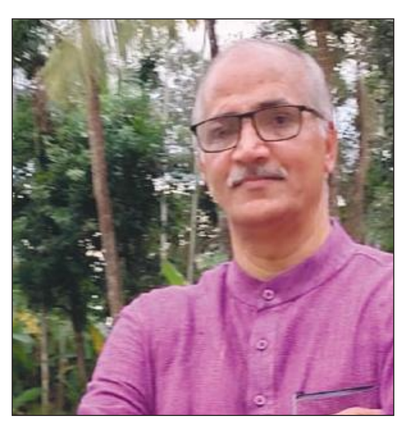

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 4 हस्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने वालों में पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, अजमल कसाब के खिलाफ केस लड़ने वाले वकील उज्जवल निकम, इतिहासकार मीनाक्षी जैन और सामाजिक कार्यकर्ता सी सदानंदन मास्टर हैं। राज्यसभा में 12 ऐसे सदस्य राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं लेकिन इस बार मनोनीत होने वाली हस्तियों में एक नाम सबसे अलग है। यह नाम केरल से आने वाले स्वयंसेवक सी सदानंदन मास्टर का है जिनके पैर कम्युनिस्टों ने 1994 में काट दिए थे। केरल के कन्नूर जिले में एक गांव है पेरिंचेरी। यहां की गलियों में आज भी वो चीखें गूंजती हैं जो 1994 की उस डरावनी रात को उठी थीं। एक शिक्षक घर लौट रहा था तभी कुछ लोग पीछे से आए बम फेंके, चीख-पुकार मची और फिर उसी सड़क पर उस शिक्षक के दोनों पैर काट दिए गए। दुकानदारों ने शटर गिरा दिए, कोई मदद के लिए नहीं आया। वो लहूलुहान पड़ा रहा और आज वही शिक्षक भारत की सबसे ऊंची पंचायत यानी राज्यसभा में सांसद की कुर्सी पर बैठने जा रहा है। नाम है- सी सदानंदन मास्टर। सदानंदन मास्टर को राज्यसभा में मनोनीत किए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी बधाई दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा. "श्री सी सदानंदन मास्टर का जीवन साहस और अन्याय के आगे न झुकने की प्रतिमूर्ति है। हिंसा और धमकी भी राष्ट्र विकास के प्रति उनके जज्बे को डिगा नहीं सकी।" उन्होंने आगे लिखा, "एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी उनके प्रयास सराहनीय हैं। युवा सशक्तिकरण के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता है। राष्ट्रपति जी द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत होने पर उन्हें बधाई। सांसद के रूप में उनकी भूमिका के लिए शुभकामनाएँ।" केरल से 61 साल के सी सदानंदन मास्टर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य रहे हैं। वह बीते लगभग 5 दशक से आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। केरल के कन्नूर के रहने वाले सदानंदन मास्टर पेशे से शिक्षक रहे हैं। सदानंदन मास्टर का पूरा परिवार ही कम्युनिस्टों का था। उनके पिता और भाई सक्रिय वामपंथी कार्यकर्ता थे। सदानंदन मास्टर के भाई वामपंथी छात्र संगठन एसएफआई के पुराने काडर थे। घर में सभी के कम्युनिस्ट होने के बावजूद सदानंदन मास्टर का झुकाव आएसएस की तरफ था। 2016 में द न्यूज मिनट को दिए एक इंटरव्यू में सदानंदन मास्टर ने बताया था कि वह 12वीं कक्षा तक लगातार संघ के कामों में लगे हुए थे। उन्होंने बताया था कि इसके बाद वह जब आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज पहुँचे तो वह वामपंथ के प्रभाव में आ गए और कुछ दिनों तक खुद भी कम्युनिस्ट बन गए। उन्होंने बताया कि कम्युनिस्ट बनने के बावजूद उनका झुकाव संघ की तरफ होता रहा और उनको यह प्रतीत हुआ मार्क्सवाद नहीं बल्कि राष्ट्रवाद की विचारधारा ही सही है। उन्होंने बताया था कि इसके बाद वह मलयालम कवि की 'भारत दर्शानांगल' कविता पढ़ने के बाद पूरी तरह वापस स्वयंसेवक हो गए। सदानंदन मास्टर की लगातार समाजसेवा और उनके संघर्ष को देखते हुए 2016 में उन्हें भाजपा ने कूथूपरम्बू विधानसभा से टिकट भी दिया था। हालाँकि, वह कम्युनिस्ट उम्मीदवार केके शैलजा से हार गए थे। केके शैलजा बाद में केरल की स्वास्थ्य मंत्री बनी थीं। सदानंदन मास्टर की कहानी इन सबसे अलग एक और है। यह कहानी उनके विचारधारा के प्रति समर्पण और कम्युनिस्टों की हिंसा से जुड़ी हुई है। सदानंदन मास्टर की यह कहानी 1994 में पैर काटे जाने से जुड़ी है। यह कीमत उन्हें वामपंथी विचारधारा छोड़ने के लिए चुकानी पड़ी थी। सदानंदन की उम्र 30 साल की थी जब यह भयावह घटना हुई थी। वह पेरिनचरी, मट्टनूर नगर पालिका में सरकार-एडेड कुजिक्कल लोअर प्राइमरी स्कूल में एक शिक्षक थे। 25 जनवरी, 1994 को सदानंदन मास्टर अपनी बहन की शादी की व्यवस्था पर बात करने के बाद शाम को अपने चाचा के घर से लौट रहे थे। जैसे ही वह बस से नीचे उतरे और अपने घर की ओर चलना शुरू कर दिया, कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने उनकी पिटाई चालू कर दी। यह सीपीआई (ड) के गुंडे थे। जिन्होंने न केवल मास्टर को बेरहमी से पीटा बल्कि उनके दोनों पैरों को बीच सड़क पर काट दिया। खून के प्यासे वामपंथियों ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि सदानंदन मास्टर अब उनकी विचारधारा से ताल्लुक नहीं रखते थे और आरएसएस का हिस्सा बन चुके थे। कम्युनिस्ट इसे एक धमकी के तौर पर दिखाना चाहते थे कि जो भी वामपंथ छोड़ेगा, उसका यही हश्र होगा। कन्नूर की भीड़ में मौजूद कोई व्यक्ति उन्हें बचाने ना आए, इसके लिए वामपंथियो ने वहाँ पर एक बम धमाका भी किया। इसके बाद उन्हें वहीं मरा समझ कर ऐसे छोड़ दिया। उनको बाद में अस्पताल में भर्ती करवाया गया और उनके कटे पैर भी अस्पताल ले जाए गए पर उनका कुछ भी नहीं हो सका। पैर काटे जाने के चलते मास्टर सदानंदन चलने-फिरने में सक्षम नहीं रहे थे। उनका कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला। सदानंदन मास्टर को इसके बाद प्रोस्थेटिक लेग्स यानी नकली पैर लगाए गए। उन्होंने इनसे चलना 6 महीने में सीख लिया और वापस संघ के काम में लग गए। कम्युनिस्टों का जानलेवा हमला भी उन्हें रोक नहीं पाया। निरंतर वह समाजसेवा में जुटे रहे। सदानंदन मास्टर ने इसके बाद केरल में भाजपा को खड़ा करने में सहयोग दिया। उनके चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिस्सा लिया था और उनके साहस की प्रशंसा की थी। वर्ष 2007 में उन्हें न्याय मिला था और उन पर हमला करने वाले कम्युनिस्टों को सजा और जुर्माना दोनों दिया गया था। बाद में हाई कोर्ट ने भी कम्युनिस्टों की यह सजा बरकरार रखी थी। 2025 में भी केरल हाई कोर्ट ने इस सजा बरकरार रखा था।

- रामस्वरूप रावतसरे

खेती में लाएं आधुनिकता

एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज़ 'मिट्टी- एक नई पहचान' एक ऐसे समय में आई है, जब भारत का ग्रामीण परिदृश्य कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। मौसम, मूल्य, बाजार और मानसिकता के स्तर पर। यह सीरीज़ न केवल आत्म-खोज और शहर बनाम गांव की बहस को छूती है बल्कि खेती को एक केंद्रीय बिंदु बनाकर मौजूदा पीढ़ी के भीतर उस 'मिट्टी' की पुकार को फिर से जागृत करती है जिसे हमने शहरी सपनों की दौड़ में पीछे छोड़ दिया है। 'मिट्टी' के नायक राघव, जो एक विज्ञापन एजेंसी में ऊंचा ओहदा रखते हैं, जब अपने दादा की मृत्यु के बाद गांव लौटते हैं, तो वो अपने ही बचपन, जमीन, रिश्तों और स्मृतियों से दोबारा मिलते हैं। उनके भीतर एक टकराव शुरू होता है। एक ओर कॉर्पोरेट दुनिया की तड़क-भड़क, और दूसरी ओर खेती-किसानी की सहज लेकिन उपेक्षित दुनिया। कहानी यहां से एक रूपक बन जाती है ऐसे लाखों युवाओं की जो कृषि पृष्ठभूमि से हैं लेकिन शहरी जीवनशैली ने उन्हें खेत की गंध से दूर कर दिया। 'मिट्टी' उन्हें यह एहसास दिलाती है कि खेती अब केवल बैलों और हल की बात नहीं रह गई बल्कि यह नवाचार, तकनीक और प्रबंधन का केंद्र बन चुकी है। खेती अब केवल अनाज उगाने का जरिया नहीं रही, यह आत्मसम्मान और स्वावलंबन की भी कहानी है। जब राघव गांव लौटते हैं तो वह खेती के पुराने तौर-तरीकों को समझते हैं लेकिन साथ ही उसे नए दृष्टिकोण से देखते हैं। इस टकराव में जो 'नई पहचान' उभरती है, वह सिर्फ एक आदमी की नहीं, बल्कि उस पूरी युवा पीढ़ी की है जो अब खेती को एक 'सम्मानजनक पेशा' मानने लगी है। खेती में वैज्ञानिकता, डेटा एनालिटिक्स, मार्केट स्ट्रेटेजी और ब्रांडिंग जैसे तत्व शामिल हो चुके हैं। 'मिट्टी' यही बात संकेतों में कहती है कि अब किसान केवल हल नहीं चलाता, वह डिजिटल इंडिया का हिस्सा है। सीरीज़ का यह पहलू बेहद महत्वपूर्ण है कि गांव अब केवल 'माइग्रेशन का बिंदु' नहीं रह गया है बल्कि यह एक ऐसी प्रयोगशाला बन सकता है जहां खेती के जरिए नवाचार और सतत विकास की नींव रखी जा सकती है। राघव जब गांव में बदलाव की कोशिश करता है तो उसे केवल खेत ही नहीं, लोगों की सोच भी बदलनी पड़ती है। यही भारत का आज का यथार्थ है। खेती तभी बदलेगी जब समाज की मानसिकता बदलेगी और मानसिकता तभी बदलेगी जब पढ़े-लिखे, प्रतिभाशाली युवा खेती को अपनाएंगे ना कि उसे छोड़ेगे। 'मिट्टी' में परोक्ष रूप से जैविक खेती, स्थानीय ब्रांडिंग, महिला किसानों की भागीदारी और कृषि-उद्यमिता जैसे विषय उठाए गए हैं। यह दिखाता है कि खेती अब एक अकेला काम नहीं बल्कि एक समन्वित सामाजिक-आर्थिक मॉडल है। एक उदाहरण के रूप में राघव द्वारा अपने गांव के उत्पादों को बाजार से जोड़ने की कोशिश इस ओर इशारा करती है कि कैसे खेती केवल खेत तक सीमित न रहकर, ब्रांडिंग और वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकती है। यह वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है ' फार्म टू मार्केट' के बीच की खाई को भरना।

- सचिन त्रिपाठी

आज का कार्टून | साभार

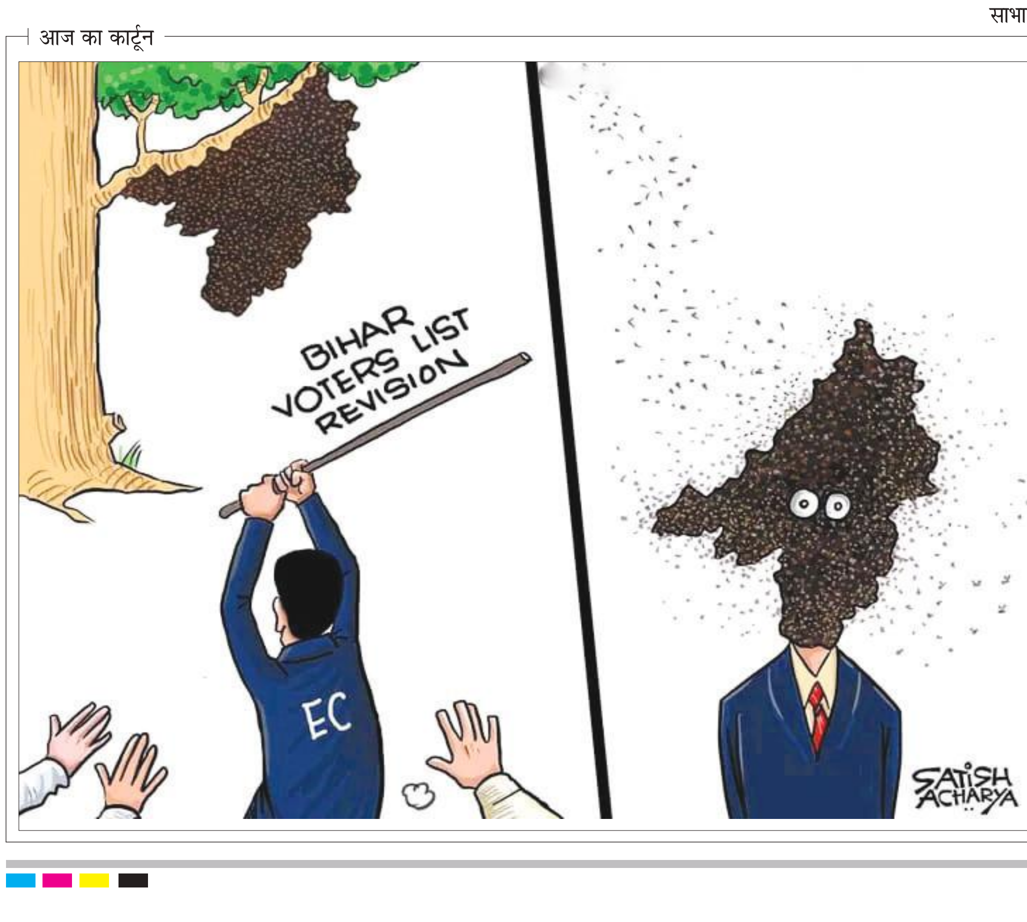

बेहद गहरा है डायन प्रथा का दंश

बिहार के पूर्णियां जिला मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के टेटगामा उरांव टोला में डायन होने की आशंका में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया और शव को एक पानी-क्षेत्र में जलकुंभी के नीचे दबा दिया गया। डायन प्रथा की भेंट चढ़ गई पांच जिंदगी। पूर्णिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के टेटगामा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं। इस घटना में आरोपियों ने परिवार के सदस्यों को डायन बताकर पहले उनकी बेरहमी से पिटाई की और फिर जिंदा जला दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें एक तांत्रिक भी शामिल है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के टेटगामा उरांव टोला में डायन होने की आशंका में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया और शव को एक पानी-क्षेत्र में जलकुंभी के नीचे दबा दिया गया। इस नरसंहार में बाल-बाल बचे परिवार के सदस्य सोनू (15वर्ष) ने भागकर अपनी जान बचाई। सोनू ने उस नरसंहार की आंखों देखी बताई तो पुलिस सक्रिय हुई और घंटो मशक्कत के बाद डॉग स्क्वाड की मदद से जले हुए शवो को जलकुंभी से बरामद किया गया। मृतकों में परिवार का मुखिया बाबू लाल उरांव (40), पत्नी सीता देवी (35),बूढ़ी मां सातो देवी (65) ,बेटा मंजीत (25)और उसकी पत्नी रानी देवी(20) शामिल है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से गांव के सभी लोग फरार हैं और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। पूर्णिया जिले के पूर्व प्रखंड स्थित टेटगामा गांव में उरांव जनजाति के करीब 50 परिवार निवास करते हैं जिनकी जनसंख्या लगभग 300 है। इस गांव में अन्य जातियों के लोग भी रहते हैं लेकिन उरांव समुदाय के लोग अधिकतर एक-दूसरे के पास रहते हैं। करीब दस दिन पहले रामदेव उरांव के एक बेटे की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। उसके बाद दूसरा बेटा भी बीमार पड़ गया। इसी क्रम में रामदेव को संदेह हुआ कि उसके बेटे की मौत और दूसरे बेटे की बीमारी के पीछे किसी 'डायन' का हाथ है। संदेह की सुई बाबूलाल की मां सातो देवी और उसकी पत्नी सीता देवी पर गई। रामदेव ने इन्हें जादू-टोना करने वाली महिलाएं यानी 'डायन' घोषित कर दिया। गांववालों ने भी अंधविश्वास के चलते उनकी बात मान ली। जिस पंचायत में बाबूलाल के परिवार की हत्या का फैसला लिया गया। उसमें इस बात को प्रमाण के तौर पर रखा गया कि ओझाओं की भी राय है कि बाबूलाल की मां और पत्नी डायन है। आज भी आदिवासी समाज में झाड़-फूंक और ओझा-भगतों की बातों पर अंधविश्वास व्याप्त है।बीमारी होने पर डॉक्टर के पास जाने की बजाय लोग ओझाओं के पास जाते हैं जो अक्सर बीमारी की जड़ 'डायन' को बताते हैं। ओझा की कही हुई बात को अंतिम सत्य मान लिया जाता है। बताया जाता है कि जिस पंचायत में बाबूलाल के परिवार की हत्या का निर्णय लिया गया, वहां ओझाओं की राय को प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया गया। ओझाओं ने सातो देवी और उसकी बहू सीता देवी को 'डायन' बताया जिसके आधार पर यह अमानवीय फैसला लिया गया। आदिवासी समाज में 'डायन प्रथा' एक पुराना और खतरनाक अंधविश्वास है। किसी महिला को डायन घोषित करने के पीछे कई सामाजिक पूर्वाग्रह होते हैं. जैसे उम्रदराज होना, चेहरा विकृत हो जाना, बार-बार बुदबुदाना, क्रोधित स्वभाव, या अत्यधिक पूजा-पाठ में लिप्त रहना।सातो देवी इन सभी पूर्वाग्रहों पर खरा उतरती थीं। इसलिए उन्हें डायन मान लिया गया।समाज में यह मान्यता भी प्रचलित है कि डायन का 'ज्ञान' एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होता है।यही कारण रहा कि सातो देवी के साथ-साथ उनकी बहू सीता देवी और फिर उसकी बहू रानी देवी.. तीनों को डायन मानकर जिंदा जला दिया गया। त्रासदी का सबसे भयावह पहलू यह है कि पीड़ित और अपराधी सभी एक ही समुदाय के थे।आपस में रिश्तेदार भी, लेकिन अशिक्षा, अंधविश्वास और सामाजिक कुंठाओं के अंधेरे में डूबी भीड़ ने रिश्तों, मानवता और कानून सब कुछ रौंद दिया।टेटगामा गांव की यह घटना इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जो यह बताती है कि जब अंधविश्वास हावी हो जाता है, तो इंसानियत दम तोड़ देती है।डायन प्रथा जैसे अमानवीय अंधविश्वास पर कानून के साथ-साथ समाज को भी सख्ती से चोट करनी होगी।

-कुमार कृष्णन

बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर में 1 किमी की लाइन

उमानाथ मंदिर में करीब 50 हजार श्रद्धालु पहुंचे

गौरी शंकर मंदिर को फूलों से सजाया गया

महानगर नेटवर्क

पटना

सावन की आज पहली सोमवारी है। धनिष्ठा नक्षत्र, आयुष्मान योग और सौभाग्य योग के साथ संकष्टी गणेश चतुर्थी का उत्तम संयोग बन रहा है। भगवान शिव की पूजा के लिए सुबह से ही शिवालयों में भीड़ देखने को मिल रही है। भक्त ॐ नमः शिवाय, हर हर महादेव, बोलबम के जयकारे लगा रहे हैं।

पटना के अलग-अलग शिवालयों और मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दिख रहे हैं पटना सिटी के गौरी शंकर मंदिर को फूलों से सजाया गया है। सुबह से ही भक्त यहां आकर दर्शन कर रहे हैं।

श्रद्धालु अमर कुमार ने कहा कि आज पहली सोमवारी है। भोलेनाथ को जल चढ़ाकर मन आनंदित हो गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। वहीं, बिहटा के पास प्राचीन बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर में भी अहले सुबह से ही जलाभिषेक और पूजा करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। करीब एक किमी की लंबी लाइन है। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के तरफ से श्रद्धालुओं को कोई समस्या नहीं हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है।

भीड़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में

'बोल बम, हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। शिव भक्त भगवा रंग के वस्त्र और माथे पर चंदन का तिलक लगाए भक्तिरस में डूबे नजर आए। सुरक्षा के लिए घाटों पर CCTV कैमरे, कंट्रोल रूम और अनाउंसमेंट सिस्टम भी लगाया गया है। अजगैबीनाथ की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर कांवड़ियों की काफी भीड़ है। दुकानों पर पूजा सामग्री, फल और प्रसाद खरीदने के लोग पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए स्वयंसेवक भी लगातार सेवा में जुटे हैं।

सोमवार को जल भरना सौभाग्य की बात है

मध्य प्रदेश से पहुंचे उत्तम ने बताया कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। सावन की पहली सोमवारी में हम लोगों ने जल भरा है। ये बहुत ही सौभाग्य की बात है। पैदल यात्रा कर बाबा बैजनाथ धाम जाएंगे। वहां पर जल अर्पण करेंगे। भगवान के प्रति आस्था है। मनोकामना है पूर्ण हो जाने के बाद हर साल जाएंगे।

इस साल मंदिर प्रशासन की तरफ से ज्यादा भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए एक अलग सी व्यवस्था की गई है। देवघर के तर्ज पर बाबा के ऊपर जलाभिषेक के लिए बाहर से ही अर्घ्य की व्यवस्था की गई है।

'बिहार के हर गली में डर, हर घर में बेचैनी'

राहुल गांधी बोले- बेरोजगार युवाओं का हत्यारा बना रहा गुNDA राज

CM कुर्सी बचाने में लगे हैं

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार को 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया' कहते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने X पर पोस्ट किया है।

उन्होंने लिखा कि बिहार बना 'क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया'- हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुNDA राज।

CM कुर्सी बचा रहे हैं, BJP मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।

राजगीर में पहली बार बिहार को कहा था क्राइम कैपिटल

राहुल गांधी जब बिहार दौरे पर राजगीर आए थे तो उन्होंने पहली बार बिहार को क्राइम कैपिटल कहा था। उन्होंने अपने 30 मिनट के भाषण में कहा कि बिहार ज्ञान की भूमि थी। पहले नालंदा में पूरी दुनिया से लोग आते थे,आज यहां से पूरी दुनिया में जाते हैं। बिहार की नई डेफिनेशन क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया है,कहां से कहां पहुंच गए आप।

गोपाल खेमका के मर्डर पर भी जताया था अफसोस

इससे पहले पटना में हुए व्यापारी गोपाल खेमका की हत्याकांड पर भी राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

उन्होंने लिखा था कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है। भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को "भारत की क्राइम कैपिटल" बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है।

अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती।

औरंगाबाद में तेज धार ने ली 25 साल के युवक की जान

● गांव में कोहराम

महानगर नेटवर्क

औरंगाबाद

औरंगाबाद के नौगढ़ गांव की नहर में नहाने गए एक युवक की मौत से पूरा इलाका गमगीन है. लपुरा गांव निवासी 25 वर्षीय संजय कुमार रविवार की दोपहर बड़की नहर फॉल पर नहाने गया था,लेकिन तेज बहाव और तैरना नहीं आने के कारण वह पानी में बह गया। सोमवार सुबह उसका शव एक किलोमीटर दूर लपुरा के पास नहर से बरामद किया गया।

देर रात तक नहीं लौटा तो मचा हड़कंप

रविवार की दोपहर संजय कुमार रोज की तरह घर से यह कहकर निकला था कि वह नहर में नहाने जा रहा है. लेकिन जब शाम तक वह घर नहीं लौटा, तो परिवार वालों की चिंता बढ़ गई। परिजन उसे ढूंढने निकले और आसपास के लोगों से पूछताछ करने लगे. उसी दौरान किसी ने बताया कि वह नहर की ओर गया था, तुरंत इसकी सूचना मुफस्सिल थाना को दी गई।

तेज धार में बह गया था युवक, पूरी रात चली खोजबीन

स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से रात भर खोजबीन की गई, लेकिन शव का कोई सुराग नहीं मिल सका। आखिरकार सोमवार सुबह गांव के ही पास नहर में शव उपलाता हुआ दिखा। शव देखते ही परिजन बिलख उठे। नहर से शव बाहर निकालते वक्त गांव में भारी संख्या में लोग जुट गए और माहौल गमगीन हो गया।

पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपा गया, परिवार में कोहराम

शव मिलने के बाद मुफस्सिल थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई और परिजनों को शव सौंप दिया गया। मृतक संजय तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। पिता महेंद्र ठाकुर मेहनत-मजदूरी कर पूरे परिवार का पालन-पोषण करते हैं। संजय की मौत से परिवार में गहरा शोक है। मां और भाइयों की हालत देख अस्पताल में मौजूद हर आंख नम हो गई।

ई बिहार है भैया! ट्रैक्टर के बाद अब ब्लूटूथ का बना निवास प्रमाणपत्र

माता-पिता का नाम देख माथा पीट लेंगे आप

महानगर नेटवर्क

मधेपुरा

मधेपुरा में हाल के दिनों में महिला के मतदाता पहचान पत्र पर सीएम नीतीश कुमार की फोटो और मुंगेर में ट्रैक्टर के निवास प्रमाण बनाने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि इसी बीच एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अब पटना के बाढ़ अनुमंडल में एक ब्लूटूथ डिवाइस का निवास प्रमाण पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इतना ही नहीं दावा यह भी किया जा रहा है कि इसे सरकारी वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया गया है।

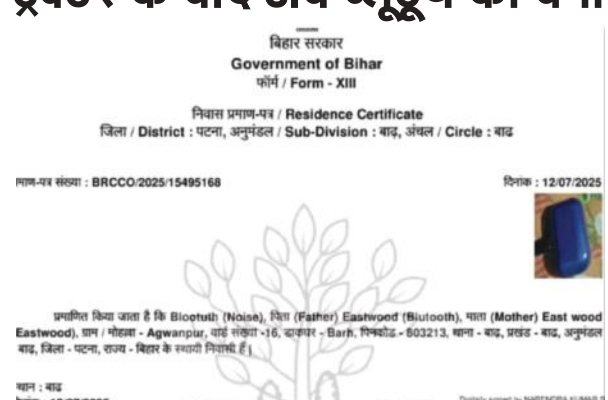

बिहार सरकार
Government of Bihar
फॉर्म / Form - XIII
निवास प्रमाण-पत्र / Residence Certificate
जिला / District : पटना, अनुमंडल / Sub-Division : बाढ़, अंचल / Circle : बाढ़
BRCCO/2025/15495168
दिनांक : 12/07/2025

जानिए, क्या लिखा है प्रमाण पत्र में?

वायरल हो रहे प्रमाणपत्र के अनुसार, ब्लूटूथ एयरपॉड लगी फोटो के साथ एक निवास प्रमाण पत्र बाढ़ अंचल से जारी हुआ है। इस प्रमाण पत्र को 12 जुलाई को सरकार की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इस प्रमाण पत्र में लिखा है कि प्रमाणित किया जाता है कि ब्लूटूथ (नॉयज), पिता (ईस्टबड) ब्लूटूथ, माता ईस्टबुड, गांव अंगनपुर, वार्ड संख्या- 16, डाकघर- बाढ़, पिनकोड- 803213 थाना-बाढ़, अनुमंडल- बाढ़, जिला-पटना, राज्य-बिहार के स्थायी निवासी हैं। इस प्रमाणपत्र को वायरल होने के बाद लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

ट्रैक्टर का बना था निवास प्रमाणपत्र

बीते दिनों मुंगेर के एक ब्लॉक ऑफिस से जारी ट्रैक्टर का निवास प्रमाण पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें बकायदा ट्रैक्टर की फोटो भी लगी थी। आवेदक का नाम सोनालिका कुमारी दिया गया था। वायरल हो रहे निवास प्रमाण पत्र के अनुसार, मुंगेर के सदर ब्लॉक ऑफिस से 08 जुलाई को एक निवास प्रमाण पत्र जारी किया गया है,जिसका प्रमाण पत्र संख्या BRCCO/2025/14127367 है, जिसमें आवेदक की फोटो की जगह सोनालिका ट्रैक्टर की तस्वीर लगी है। प्रमाण पत्र में आवेदक के नाम की जगह सोनालिका चौधरी, पिता बेगूसराय चौधरी, माता का नाम बलिया देवी, ग्राम- ट्रैक्टरपुर दियारा, वार्ड – 17, डाकघर – कुतलूपुर, पिन कोड-811202, थाना और प्रखंड – मुफस्सिल सदर मुंगेर, जिला- मुंगेर, राज्य- बिहार लिखा था।

जीजा ने साली को उतारा मौत के घाट

अररिया से नेपाल जाकर देर रात सिर में गोली मार दी

पटना। भारतीय सीमा से सटे नेपाल के सुनसरी जिले हरिनगर गांव पालिका वार्ड संख्या 6 के घुसकी में रविवार की देर रात एक 18 वर्षीय युवती की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार हत्या का आरोपी घूरना निवासी लड़की के जीजा एजाज मियां जाट है। जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के पुलिस अधीक्षक सुमन कुमार तिमिसिना ने बताया कि देर रात युवती अर्चना खातून की सिर में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। इंडिया की पुलिस को सूचना दे दी गई है। प्रारंभिक अनुसंधान में जानकारी मिली है कि लड़की के जीजा एजाज ने ही गोली मारकर हत्या की है। सुनसरी के पुलिस अधीक्षक सुमन कुमार तिमसिना ने बताया कि गोली मारने वाले शख्स की पहचान अररिया जिले पतराहा पंचायत-16 निवासी 29 वर्षीय एजाज मियां जाट के रूप में हुई है।

ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत

छपरा। सारण जिले के पूर्वोत्तर रेलवे के छपरा जंक्शन के समीप ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई है। छपरा जंक्शन राजकीय रेल थाना पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि सीतामढ़ी जिले के छोटा परसौनी निवासी बिंदेश्वर दास (70) महाराष्ट्र से ट्रेन के माध्यम से सीतामढ़ी जाने के दौरान छपरा जंक्शन के समीप 51 नम्बर रेलवे गुमटी के निकट गिर गये। इस घटना में उनकी ट्रेन से कटकर मौत हो गई।

सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची राजकीय रेल थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने के साथ ही मामले की जानकारी उसके परिजनों को दे दी है।

अपराधियों ने एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल किया

महानगर नेटवर्क

छपरा

सारण जिले के नगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि नगर थाना के समीप शिव मंदिर को सजाने के लिए दहियांवा मोहल्ला निवासी राजू प्रसाद अपने कुछ साथियों के साथ वैठा हुआ था। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे चार अपराधियों ने उसे गोली मारकर घायल कर दिया और फरार हो गए। सूत्रों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने राजू को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे पटना भेज दिया है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल राजू प्रसाद के बयान पर प्राथमिकी दर्ज करने के साथ ही घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी शुरू कर दी है।

पूर्णिया में अवैध हथियार के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

एक जर्मन पिस्टल, अत्याधुनिक हथियार, 450 जिंदा कारतूस बरामद

महानगर नेटवर्क

पटना

एसटीएफ और शहर के के.हाट थाना की पुलिस ने ज्वाइंट रेड करते हुए अवैध हथियार और जिंदा कारतूस की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने इस खेप के साथ एक हथियार तस्कर को भी गिरफ्तार किया है और उसे पकड़कर थाना लाई है, जहां उससे पूछताछ जारी है। तस्कर के पास से एक जर्मन पिस्टल, एक अत्याधुनिक किस्म का हथियार और 450 से अधिक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पकड़ा गया हथियार तस्कर पूर्णिया के के.हाट थाना क्षेत्र के कॉलेज चौक इलाके का रहने वाला है, जिसका नाम कुणाल सिंह है। एसटीएस को गुप्त सूचना मिली थी कि हथियार तस्कर कुणाल सिंह हथियार की बड़ी खेप की डील करने वाला है। ये सुनकर एसटीएफ और पुलिस के कान खड़े हो गए। जिसके बाद एसपी स्वीटी शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मिले इनपुट पर ज्वाइंट रेड करते हुए कुणाल सिंह को पकड़ा। साथ ही बरामद हथियार की बड़ी खेप को जब्त किया है।

व्यापार

कल्याण में हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत

मुंबई। नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई ने आज शहर स्थित न्यूटेक डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से वयस्कों और बच्चों के लिए समर्पित हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। यह पहल लिवर व गैस्ट्रो संबंधी बीमारियों के समय पर निदान और इलाज को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन ओपीडी सेवाओं की शुरुआत नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के एचपीबी सर्जरी, लिवर और मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल की उपस्थिति में हुई। उनके साथ लिवर, पैंक्रियाज और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के विशेषज्ञों की एक टीम भी उपलब्ध रहेगी।

चीन ने भारत में आईफोन बनाने वाले इंजीनियर्स वापस बुलाए

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन से 300 से ज्यादा चीनी इंजीनियर्स और टेक्नीशियंस को अचानक वापस बुलाने पर भारत सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सरकार ने कहा है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एपल के पास उत्पादन को प्रभावित किए बिना काम चलाने के लिए पर्याप्त इंजीनियर्स मौजूद है। जानकारी के मुताबिक एक सरकारी अधिकारी ने कहा एपल के पास विकल्प हैं और वे इस चुनौती का सामना कर सकते हैं। यह मामला मुख्य रूप से एपल और फॉक्सकॉन के बीच है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब एपल भारत में आईफोन 17 बनाने की तैयारी कर रहा है। इसका ट्रायल प्रोडक्शन जुलाई में शुरू होने की संभावना है। अगस्त में मास प्रोडक्शन किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक चीन ने भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रभावित करने के लिए इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स को वापस बुलाने के निर्देश दिए हैं।

भारत में हाई-टेक असेंबली लाइन संभालते हैं चीनी इंजीनियर

चीनी इंजीनियर फॉक्सकॉन की हाई-टेक असेंबली लाइन, फैक्ट्री डिजाइन और भारतीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहे थे। इसके लिए भारत सरकार ने चीनी इंजीनियरों के लिए वीजा सुविधा भी प्रदान की थी, ताकि उत्पादन में कोई बाधा न आए।

चीनी वर्कर्स के जाने से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है

सूत्रों ने कहा, "चाइनीज कर्मचारियों की संख्या 1% से भी कम है, लेकिन ये प्रोडक्शन और क्वालिटी मैनेजमेंट जैसे अहम ऑपरेशंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चीनी सरकार द्वारा अपने नागरिकों को वापस बुलाने के निर्देश से फैक्ट्रियों में काम धीमा हो सकता है। बीती दिनों चीन ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (EV) और इलेक्ट्रॉनिक्स में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई भी रोक दी थी। ऐसे में चीन के इन दोनों कदमों को भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ को कमजोर करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। चीन शायद भारत के साथ टिट-फॉर-टैट की रणनीति अपना रहा है, क्योंकि उनके कॉर्पोरेट कर्मचारियों को बिजनेस वीजा हासिल करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। एक उद्योग सूत्र ने कहा, हम इस मामले पर सरकार को एक रिपोर्ट भेजने का प्लान बना रहे हैं। आईफोन मैन्युफैक्चरिंग पर अभी चीन का दबदबा है। 2024 में कंपनी के ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में इसका हिस्सा लगभग 28% था।

पहली तिमाही में ओला को 428 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। भारत की तीसरी बड़ी इलेक्ट्रिक टू व्हीलर मैन्युफैक्चरर ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 428 करोड़ रुपए का शुद्ध नुकसान (कॉन्सोलिडेटेड नेट लॉस) हुआ है। पिछली तिमाही (Q4FY25) के मुकाबले कंपनी के नुकसान में 51% की कमी आई है। जनवरी-मार्च में ओला को 870 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। हालांकि, पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले कंपनी का लॉस 23% बढ़ा है। कंपनी ने आज यानी सोमवार (14 जुलाई) को तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। ऑपरेशन से कंपनी के रेवेन्यू की बात करें तो अप्रैल-जून तिमाही में यह 828 करोड़ रुपए रहा है।

कारोबारी हफ्ते की सुस्त शुरुआत

महानगर नेटवर्क

मुंबई

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 247.01 अंक गिरकर 82,253 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 67.55 अंक की गिरावट रही, ये 25,080.30 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 नीचे रहे। बजाज फाइनेंस, इंफोसिस और टेक महिंद्रा के शेयर्स 1.5% तक गिरे। टाइटन, सनफार्मा और पावर ग्रिड में मामूली तेजी रही।

ग्लोबल मार्केट में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.25% नीचे 39,470 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.094% चढ़कर 3,179 पर कारोबार कर रहे हैं।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.043% चढ़कर 24,150 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43% ऊपर 3,525 पर बंद हुआ। 11 जुलाई को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.63% नीचे 44,372 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.22% गिरकर 20,585 पर और S&P 500 0.33% नीचे 6,260 पर बंद हुए।

गोदरेज ने युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा दिया

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने अपने प्रमुख पहल प्रोजेक्ट दिशा के जरिए भारत के युवाओं को कौशल सिखाने के अपने संकल्प को एक बार फिर दोहराया है। साल 2011 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 2 लाख से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षण मिल चुका है, जिससे उन्हें नौकरी के लिए जरूरी हुनर और उद्योग से जुड़ा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने 9,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया, जिनमें से 45% को रोजगार मिल गया है।

मोबिक्विक को SEBI से मिला स्टॉक ब्रोकरेज लाइसेंस

नई दिल्ली। डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड अब शेयर मार्केट में ब्रोकरेज का काम भी करेगी। उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मोबिक्विक सिक्योरिटीज ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। अब MSBPL इक्विटी ट्रेडों की खरीद, बिक्री, लेनदेन,क्लियरिंग और सेटलमेंट जैसी सर्विस प्रदान कर सकेगी। अपनी स्थापना के बाद से, Mobikwik एक डिजिटल पेमेंट कंपनी से एक फिनटेक प्लेटफॉर्म बन चुकी है। कंपनी 176.4 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं और 4.6 मिलियन व्यापारियों के व्यापक नेटवर्क के साथ बड़े पैमाने पर कंज्यूमर पेमेंट बिजनेस संचालित करती है। इसका लोन देने का बिजनेस तेजी से विस्तार कर रहा है। इसके अलावा इसका वेल्थ मैनेजमेंट क्षेत्र से जुड़ा काम भी तेजी से ग्रो कर रहा है। Mobikwik के को-फाउंडर, एमडी और CEO बिपिन प्रीत सिंह ने इस विकास के बारे में अपनी खुशी जताते हुए कहा, "स्टॉक ब्रोकिंग लाइसेंस हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि हम भारतीय इक्विटी मार्केट में प्रवेश कर रहे हैं। भारत में रिटेल निवेशकों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी गई है।

टैली सॉल्यूशंस ने एमएसएमई की तरक्की को किया प्रोत्साहित

मुंबई। टैली सॉल्यूशंस, भारत में छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनी ने टैली एमएसएमई ऑनर्स के पांचवें संस्करण के जरिए छोटे उद्यमों को प्रोत्साहित और सम्मानित करना जारी रखा है। यह वैश्विक वार्षिक कार्यक्रम एमएसएमई की विविधता और उनके अच्छे काम को जमीनी स्तर पर पहचानने और सम्मान देने के लिए समर्पित है। 2025 में इस पहल का दायरा बढ़ाकर भारत के सात प्रमुख शहरों दिल्ली,बेंगलुरु,मुंबई, कोलकाता, जयपुर, अहमदाबाद और चेन्नई तक ले जाया गया, जहां देश के कोने-कोने से अलग-अलग आवाजें एक साथ जुड़ीं। वैश्विक स्तर पर इस अभियान को 20,000 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए और इसे कोटक महिंद्रा बैंक का समर्थन भी मिला। यह पहल पालघर, रत्नागिरी, धुले और इचलकरंजी जैसे दूरदराज और छोटे शहरों तक पहुंची, जहां के व्यवसायों को उनकी मेहनत और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। हाल ही में आयोजित मुंबई कार्यक्रम में उद्यमियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति निर्माताओं ने एक साथ शिरकत की।

एमजी ग्रुप ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

मुंबई। भारत की प्रमुख निजी बस और कोच निर्माता कंपनी एमजी ग्रुप ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। कंपनी ने अपनी नई कॉर्पोरेट पहचान के साथ-साथ टीआईजीआईआरए नाम से एक क्रांतिकारी सुपर-प्रीमियम इंटरसिटी कोच रेंज लॉन्च की। यह कोच पूरी तरह से कंपनी ने खुद डिजाइन और तैयार किए हैं, जो बेलगावी स्थित एमजी ग्रुप की अत्याधुनिक फैक्ट्री में बने हैं। टीआईजीआईआरए कोच में आराम और सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है और यह भारत और विदेशों दोनों के लिए 13.5 मीटर कोच चेसिस पर उपलब्ध होगा। इस खास पेशकश को बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड्स स्थित रॉयल सीनेट में हुए एमजी ग्रुप के "री:बॉर्न" इवेंट में लॉन्च किया गया। इस मौके पर एमजी ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल मोहन कामत, प्रेसिडेंट स्ट्रैटेजी एंड सेल्स शिवकुमार वी. और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर गिरीश प्रभु उपस्थित थे। इनके साथ ऑटोमोबाइल और मोबिलिटी सेक्टर से जुड़े ग्राहक, सप्लायर और तकनीकी साझेदार भी शामिल हुए। नए उत्पाद के लॉन्च के अवसर पर शिवकुमार वी. ने कहा, "बस और कोच बॉडी बिल्डिंग का काम एक दिन में नहीं होता।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं डांगट मीडिया प्रा.लि., 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सीएम योगी बोले- सरकारी स्कूलों का विलय शिक्षकों और छात्रों के हित में

महानगर संवाददाता

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों के विलय को छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों तीनों के हित में बताया है। उन्होंने कहा कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि विद्यालयों की पेयरिंग व्यवस्था को दूरगामी और व्यापक दृष्टिकोण से लागू किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी ने ये बातें सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की बैठक में कही।

उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं, उन्हें स्वतंत्र विद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्देश दिया गया, जिससे प्रशासनिक सुविधा, जवाबदेही और शैक्षणिक निगरानी और अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पेयरिंग व्यवस्था के कारण खाली हुए

विद्यालय भवनों में बाल वाटिकाएं और प्री-प्राइमरी स्कूल संचालित की जाएं। साथ ही, इन भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जाए ताकि शिशु शिक्षा का आधार सुदृढ़ हो और विद्यालय परिसरों का उपयोग बहुपर्यायी रूप से हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया तय समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए और इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने यह भी कहा कि परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री हेतु 1200 रुपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में आधारभूत संरचना की कमी है, वहां अविलंब संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन का अवसर प्राप्त हो।

कोई बच्चा स्कूल से वंचित न रहे

मुख्यमंत्री ने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में "स्कूल चलो अभियान" को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे।

बच्चों के अभिभावकों के खाते में रुपये भेजेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने 14 जुलाई सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 06 से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराएं। इस दिशा में 'स्कूल चलो अभियान' को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य का अखिलेश यादव पर तीखा तंज

सपा को 'मदरसावादी पार्टी' नाम रखने की दी नसीहत

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसा है। इस बार तो डिप्टी सीएम ने सपा को नसीहत ही दे डाली। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुझाव दिया कि सपाइयों को अपने 'बहादुर' से पार्टी का नाम बदलकर 'मदरसावादी पार्टी' रखने की मांग करनी चाहिए। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री मौर्य ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, "हिंदुओं की आस्था को व्यापार बताने का दुस्साहस करने वाले सपा बहादुर अखिलेश यादव ने सही मायने में मुस्लिम, मस्जिद और मदरसों को अपने वोट का बाज़ार बना रखा है। सपाईयों को अपने बहादुर से समाजवादी पार्टी का नाम बदलकर 'मदरसावादी पार्टी' रखने की मांग करनी चाहिए।"

दुर्भाग्य की बात है कि खुद को कहते 'हिंदू'

इससे पहले डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था कि मुस्लिम धर्मांतरण के नापाक हथकंडों से भारत की आत्मा को लगातार छलनी करने की साजिश की जा रही है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि खुद को 'हिंदू' कहने का शौक रखने वालों की जुबान पर अभी भी तुष्टिकरण की राष्ट्रविरोधी परत चढ़ी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा का असली चेहरा अब जनता के सामने उजागर हो चुका है। इनकी तुष्टिकरण की राजनीति में लिपटी धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक वोट बैंक के लिए राष्ट्रहित से समझौता करने की नीति अब लोगों को स्वीकार नहीं है। केशव ने कांग्रेस पर भी तंज कसते हुए कहा कि इनसे सवाल किया जाना चाहिए कि उसने अपने शासनकाल में हिंदू समाज को कानूनी रूप से अपमानित करने और कट्टरपंथी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए 'सांप्रदायिक सद्भाव विधेयक' जैसा विधेयक क्यों लाया।

हिंदुओं की आस्था को व्यापार बताने का 'दुस्साहस' करने वाले सपा बहादुर अखिलेश यादव ने सही मायने में मुस्लिम, मस्जिद और मदरसों को अपने 'वोट का बाज़ार' बना रखा है।

पत्नी से गुजारा भत्ता मांगने पीसीएस ज्योति मौर्या का पति पहुंचा हाईकोर्ट

प्रयागराज। बहुचर्चित पीसीएस ज्योति मौर्या के पति ने अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाए जाने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने पति की अपील पर ज्योति मौर्या को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और डॉ. वाईके श्रीवास्तव की खंडपीठ ने पति आलोक मौर्य की ओर से आजमगढ़ की परिवारिक अदालत की ओर से गुजारा भत्ता की मांग वाली अर्जी खारिज करने वाले आदेश के खिलाफ दाखिल अपील पर दिया है।

याची की दलील है कि उसकी पत्नी पीसीएस अफसर है। याची की आमदनी बेहद कम है। लिहाजा, वैवाहिक विवादों के लंबित रहने के दौरान उसे अफसर पत्नी से गुजारा भत्ता दिलाया जाए। कोर्ट ने पाया कि अपील निर्धारित समय से 77 दिन की देरी से परिवारिक अदालत की डिक्री की प्रमाणित प्रतिलिपि के बिना दाखिल की गई है।

इंडिया गठबंधन पर बरसे संजय सिंह, बोले- कांग्रेस ने दिखाया गैरजिम्मेदार रवैया

महानगर संवाददाता

गोरखपुर

आम आदमी पार्टी आगामी चुनावों में अकेले ही मैदान में उतरेगी। ये दावा उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह गोरखपुर दौरे पर कार्यकर्ता सम्मलेन में भाग लेने आए थे, जहां उन्होंने कहा कि वे एक्ला चलो की नीति पर हैं। सांसद सिंह ने किसी नए गठबंधन के सवाल पर कहा कि अभी ऐसी किसी योजना और चर्चा में आम आदमी पार्टी शामिल नहीं है। वे 'एकला चलो' की नीति पर हैं। आम आदमी पार्टी आज की तारीख में एक राष्ट्रीय दल है। विस्तार की दृष्टि से तीसरी सबसे

बड़ी पार्टी है। जम्मू कश्मीर में हमारा विधायक। गोवा में हमारा विधायक। गुजरात में हमारा विधायक और जहां वे बैठे हुए हैं। इस उत्तर प्रदेश में भी रामपुर जैसी जगह में हमारा नगर पालिका का चेयरमैन है। करीब 7 नगर पालिका के चेयरमैन, कई प्रधान, पार्षद, बीडीसी, सभासद हमारे जीते हैं। संजय सिंह ने बिहार चुनाव में 'आप' को इंडिया गठबंधन से अलग करने के सवाल पर कहा कि इंडिया गठबंधन का प्रमुख दल कांग्रेस पार्टी है। दुर्भाग्य से जो गंभीरता उन्हें इंडिया गठबंधन को लेकर कांग्रेस को दिखानी थी, वो नहीं दिखाई। लोकसभा के चुनाव के बाद आप बताइए एक भी बैठक कांग्रेस ने बुलाई हो। जो हरियाणा में बैठक कर जीत सकते थे। वो नहीं किया। अखिलेश जी और केजरीवाल जी के खिलाफ बयानबाजी। पहले हमसे कहा 6 सीट देंगे। फिर 4 फिर 2 सीट देंगे। फिर मोबाइल स्विच ऑफ करके घूमने लगे। दिल्ली चुनाव भाजपा जीती, तो कांग्रेसी नाच रहे थे। तो इसे कौन सा गठबंधन कहें। सिंह ने कहा इस वक्त बिहार का चुनाव चल रहा है, और चुनाव आयोग ने कहा है पुनरीक्षण करेंगे। मतदाता सूची का उसका उन्होंने नाम दिया है एसआई आर (स्पेशल इंटेंसिप रिवीजन), विशेष गहन पुनरीक्षण और कह रहे हैं। एक महीने के अंदर आपको अपना जन्म प्रमाण पत्र अपने मां-बाप का जन्म प्रमाण पत्र दिखाना पड़ेगा। जिस देश के प्रधानमंत्री 11 साल में अपनी डिग्री नहीं देखा पाए वह बिहार के करोड़ों लोगों से चाहते हैं कि वे अपना और अपने पूरे परिवार का जन्म प्रमाण पत्र दिखाएं। बिहार के चुनाव में चुनाव आयोग के मदद से भाजपा बड़ा घपला करना चाहती है।

नीतीश कुमार की चुनावी घोषणाएं सिर्फ जुमलेबाजी और छलावा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की घोषणाओं को सोमवार को जुमलेबाजी और चुनावी छलावा करार दिया है। बसपा प्रमुख ने निर्वाचन आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की भी मांग की है।

मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "बिहार में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति की राष्ट्रीय चर्चाओं के बीच, संभवतः लोगों का ध्यान बांटने के लिए राज्य में राजग गठबंधन की सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा घोषणाएं की जा रही हैं। चुनाव बाद सरकार बनने पर नीतीश कुमार द्वारा अगले पांच साल में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने की घोषणा वास्तव में लोगों को हकीकत से दूर, उनके अनुभवों के आधार पर अच्छे दिन जैसी जुमलेबाजी व चुनावी छलावा अधिक लगते हैं।" बसपा चीफ ने आगे लिखा, "वैसे तो विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनावी वादे, दावे, घोषणाओं व छलावों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था व कार्यकलापों आदि को लेकर इनके चाल, चरित्र व चेहरे आदि को जनता भलीभांति जानती है, फिर भी अपनी छल व छलावा की राजनीति की आदत से मजबूर ये विरोधी पार्टियां चुनाव से पूर्व इस प्रकार के अनेकों लोक लुभावने वादे करने में जरा भी नहीं डरती, न घबराती हैं। बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी व रोजगार का वादा इनके अन्य वादों से ज्यादा मेल खाता है, जो जनता वास्तव में अब तक के अनुभव के आधार पर जानती भी है। निश्चिय ही बिहार की जनता सोच-समझकर गरीब व सर्वजन हितैषी सरकार चुनेगी।" बसपा प्रमुख ने चुनाव में गड़बड़ी की ओर संकेत करते हुए कहा, "बशर्ते कि चुनाव बाहुबल, धनबल तथा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त पूर्णतः स्वतंत्र व निष्पक्ष हो तथा सभी गरीबों, मजदूरों एवं अन्य मेहनतकश लोगों को वोट करने का सही से मौका मिले। निर्वाचन आयोग इसका पूरा ध्यान जरूर रखेगा।"

टीजीटी परीक्षा भी टलेगी, 7 दिन बाकी पर जारी नहीं हुए प्रवेश पत्र

प्रयागराज। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों पर भर्ती के लिए 21 व 22 जुलाई को प्रस्तावित लिखित परीक्षा का टलना तय माना जा रहा है। अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र अभी जारी नहीं हुए हैं। सोमवार को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की बैठक में इस मसले पर निर्णय लिया जा सकता है। टीजीटी परीक्षा पूर्व में दो बार और प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा तीन बार स्थगित की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने टीजीटी व पीजीटी के 4163 पदों पर भर्ती के लिए 16 जुलाई 2022 को आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली थी लेकिन उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन के इंतजार में परीक्षा का आयोजन अटका रहा।

सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

काशी की गलियों में गूंजा हर- हर महादेव का जयकारा

महानगर संवाददाता

वाराणसी

सावन के पहले सोमवार पर काशी विश्वनाथ मंदिर सहित प्रदेश के अन्य शिवालयों में शिव भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। महादेव की नगरी काशी में मंगला आरती के बाद काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार का पट खुला तो श्रद्धालुओं की खुशी देखते ही बन रही थी। विश्वनाथ धाम हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा।

चप्पे-चप्पे की चौकसी के बीच रेड कार्पेट से होकर भक्तों के दर्शन-पूजन का सिलसिला सुबह से जारी है। धाम तक श्रद्धालुओं को पहुंचने के लिए

रेड कार्पेट बिछाया गया है। सुबह से ही लाखों भक्तों ने बाबा के आंगन में पहुंचकर मत्था टेका। बाबा धाम में फूल बरसाकर श्रद्धालु और कांवड़ियों का स्वागत किया गया। धाम की सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। श्रद्धालु जिग जैग बैरिकेडिंग से होकर बाबा का जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। छह द्वार से श्रद्धालुओं के प्रवेश की व्यवस्था की गई है। रविवार शाम से ही कांवड़ियों के कदम बाबा धाम की ओर चल पड़े थे।

शहर के पॉश इलाके में चल रहा था देह व्यापार का धंधा, 5 गिरफ्तार

गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मिलेनियम सिटी, करीमनगर के एक मकान में चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। रविवार की रात सीओ कैम्पियरगंज विवेक कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापा मारा। मौके से तीन महिलाएं और दो पुरुष पकड़े गए, जिनमें से एक लड़की नाबालिग पाई गई है।

यह मकान बदन सिंह नाम के व्यक्ति का है, जिसने किराये पर दिया था। पकड़े गए लोगों की पहचान बृजेश कुमार साहनी उर्फ विजय, निवासी एकला नंबर 2, थाना गुलरिहा, प्रेम साहनी, निवासी हरसेवकपुर नंबर 2 के रूप में हुई। गिरफ्तार महिलाओं में से एक को जिला प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जबकि एक महिला और दो पुरुषों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम और पॉक्सो एक्ट की धारा के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

यूपी बना कार्बन क्रेडिट भुगतान करने वाला पहला राज्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कार्बन क्रेडिट फाइनेंस योजना लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। योजना के तहत अब तक 244 किसानों को 49.55 लाख रुपये बांटे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में पौधरोपण महाभियान कार्यक्रम के दौरान 401 किसानों को 25.45 लाख रुपये वितरण की प्रक्रिया किसानों को चेक सौंपकर की। केंद्र सरकार ने 2070 तक देश को कार्बन न्यूट्रल बनाने का लक्ष्य रखा है। पहले चरण में गोरखपुर, बरेली, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर मंडल के किसान शामिल किए गए हैं। इन मंडलों के किसानों ने

पौधारोपण कर 42,19,369 कार्बन क्रेडिट अर्जित किए। योजना के तहत 6 डॉलर (करीब 515 रुपये) प्रति कार्बन क्रेडिट हर पांचवें वर्ष दिए जाते हैं। दुधवा टाइगर रिजर्व फाउंडेशन को 25 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया है। दूसरे चरण में झांसी, अयोध्या, देवीपाटन, मिर्जापुर, कानपुर, वाराणसी और अलीगढ़ मंडलों को शामिल किया गया है। वहीं, तीसरे और अंतिम चरण में परियोजना पूरे प्रदेश में लागू की जाएगी।

धर्मांतरण मामला: सनातन धर्म में वापसी पर छांगुर के साथी दे रहे धमकी

महानगर संवाददाता

लखनऊ

अवैध धर्मांतरण के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के बहकावे में आने वाली महिलाएं अब घरवापसी कर रही हैं। इस पर उन्हें धमकी दी जा रही है। परेशान पीड़िताओं ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में अपनी पीड़ा सुनाई।

गोमती नगर के विशाल खंड स्थित विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यालय में पीड़िताओं ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान विहिरप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय भी मौजूद रहे। पीड़िताओं का कहना है कि सनातन धर्म में वापसी करने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। पुलिस भी छांगुर का साथ देती है। इस दौरान गोपाल राय ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने

बताया कि छांगुर उर्फ जलालुद्दीन के जिहादी और आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोग धमकी दे रहे हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सहयोग से पिछले सप्ताह कई पीड़िताओं की हिंदू धर्म में घर वापसी कराई गई थी।

राय ने मीडिया के सामने लव जिहाद से पीड़ित उन महिलाओं को भी पेश किया। कहा कि ये धमकियां छांगुर उर्फ जलालुद्दीन के आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोगों की ओर से दी जा रही हैं। क्योंकि विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने बाबा उर्फ जलालुद्दीन के जेहादी और आतंकी नेटवर्क के कारनामों का पर्दाफाश किया था। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा जबरन धर्मांतरण करवाने तथा जिहादी कारनामों के मामले में छांगुर की गिरफ्तारी हुई। नेटवर्क के लोग बौखलाए हुए हैं और उन लोगों को भी जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं जिन्हें सनातन धर्म में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सहयोग से पिछले सप्ताह घर वापसी करवाया गया है।राय ने बताया कि उनके ऊपर पहले भी दो बार इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा जानलेवा हमले हो चुके हैं। एक बार वाराणसी में मुख्तार अंसारी के गुर्गों द्वारा और दूसरी बार जम्मू-कश्मीर में इस्लामिक आतंकियों द्वारा। बावजूद इसके, उनकी पहले से प्राप्त सुरक्षा हटा ली गई है। इससे उनकी जान को गंभीर खतरा बना हुआ है।

धर्म छिपा कर लड़कियों को भरोसे में लेता था मोहर्रम

गोरखपुर। लड़कियों को बेचने वाले गिरोह का नेटवर्क आगरा, दिल्ली और राजस्थान तक फैला है। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ में पकड़ा गया सरगना मोहर्रम अपना धर्म छिपा कर लड़कियों को भरोसे में लेता था। वह अपना नाम राहुल बताता था फिर उन्हें नौकरी का झांसा देकर बेच दिया जाता था।

गिरोह से जुड़े गुर्गे गोरखपुर और महराजगंज में काम करते थे। गुर्गे लड़कियों को दिल्ली लेकर जाते थे। वहां पर मौजूद दूसरे गुर्गे राजस्थान और हरियाणा में लड़कियों का सौदा करते थे। पुलिस की जांच में अब तक तीन लड़कियों को बेचने की पुष्टि हुई है। इसमें एक 15 वर्षीय किशोरी भी शामिल है। पूछताछ के दौरान मोहर्रम उर्फ राहुल ने पुलिस को बताया कि वह अपने गुर्गों के साथ मिलकर लड़कियों को निचलौल, महराजगंज में इकठ्ठा करता था। इसके बाद उनको हरियाणा व राजस्थान लेकर जाता था। पुलिस ने उससे लड़कियों के इकठ्ठा किए जाने वाले स्थान के बारे में पूछा तो उसने उस जगह को दिखाने की बात की। पुलिस जब उसे वहां लेकर जा रही थी तो उसने दरोगा की पिस्टल छीनकर फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके दाहिने पैर में गोली लग गई। इसके पहले पुलिस राजस्थान के अजमेर जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुंदर नगर निवासी बागचंद प्रजापति, सानसीदरी थाना क्षेत्र के हरमाड़ा निवासी सरवन पुरी, आगरा जिले के ताजगंज थाना के शमशादाबाद लोधी मार्ग निवासी सन्नी और उसकी पत्नी राधा को शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है।

अखिलेश के भाई प्रतीक से मांगी चार करोड़ की रंगदारी

महानगर संवाददाता

लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव ने चिनहट के पूर्वांचल सिटी निवासी रियल एस्टेट कारोबारी कृष्णानंद पांडेय, उनकी पत्नी वंदना पांडेय और पिता अशोक पांडेय के खिलाफ गौतमपल्ली थाने में रंगदारी मांगने, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। आरोप है कि आरोपियों ने प्रतीक से कारोबार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए। रुपये वापस मांगने पर पॉस्को एक्ट में फंसाने और फेक ऑडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। इतना ही नहीं आरोपियों ने उनसे चार करोड़ की रंगदारी भी मांगी।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह की

पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी दी

दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव मौजूदा समय में विक्रमादित्य मार्ग पर रहते हैं। उनकी पत्नी अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। पुलिस से की गई शिकायत में प्रतीक ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2011-12 में उनकी मुलाकात कृष्णानंद पांडेय से हुई थी। वह कई बार बिजनेस का प्रस्ताव लेकर आए। करीब दो-तीन साल लगातार मेलजोल बढ़ाने पर कृष्णानंद पांडेय की बातों में आ गया।

आरोपी ने खुद को रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ा बताया। इसके बाद एक कंपनी 25 मई 2015 को बनाई। इसमें कृष्णानंद पांडेय और यूएस विस्ट को निदेशक और प्रतीक यादव को प्रमोटर बनाया गया। इसके बाद प्रतीक यादव से कंपनी में निवेश कराया गया। आरोपी कृष्णानंद पांडेय ने अपनी आर्थिक स्थिति और पारिवारिक समस्याओं का हवाला देकर उधार मांगने लगा। उसकी बातों में आकर प्रतीक ने कई बार उसे पैसे दिए। साल 2020 में प्रतीक कोविड की चपेट में आ गए। फायदा उठाकर कृष्णानंद पांडेय उनसे पैसे लेने के लिए तरह-तरह की बातें करने लगा।

बीजेपी अध्यक्ष को अश्लील वीडियो भेजना पड़ा भारी

आगरा। जिले के खंदौली से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां भाजपा के बूथ अध्यक्ष आनंद शर्मा पर पार्टी की ही महिला कार्यकर्ताओं को अश्लील वीडियो और मैसेज भेजने का आरोप लगा। बताया जा रहा है कि कई बार चेतावनी देने के बावजूद जब वह नहीं माना तो बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने उसके घर पहुंचकर उसकी चप्पलों, थप्पड़ों और घूंसों से जमकर पिटाई की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर हलचल मचा दी है। घटना रविवार की दोपहर का है। बीजेपी महिला मोर्चा की पदाधिकारियों को एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से शिकायत मिली थी कि एक व्यक्ति परेशान करता है, जो बीजेपी से जुड़ा है। आरोपी आए दिन खुद के अश्लील वीडियो बनाकर वाट्सएप पर भेजता है। महिला ने आरोपी के भेजे गए अश्लील वीडियो भी दिखाए। जिस पर बीजेपी महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने आरोपी को सबक सिखाने का फैसला लिया। वीडियो में दिख रहा है कि कई महिलाएं शख्स को पीट रही हैं, जबकि उसके परिवार वाले माफी मांगने की कोशिश कर रहे हैं।

चंद्रशेखर आज़ाद ने सरकार पर धार्मिक स्वतंत्रता के हनन का लगाया आरोप

महानगर संवाददाता

नगीना

उत्तर प्रदेश में पार्टी की मजबूती के लिए आज़ाद समाज पार्टी लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने मऊ जिले में आयोजित दसवें प्रदेश स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। सहारनपुर से शुरू हुए इस सम्मेलन में आज़ाद सामाजिक न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता, और शिक्षा नीति जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी, जिसने पूर्वांचल की राजनीति में हलचल मचा दी है।

नगीना सांसद चंद्रशेखर ने निजी क्षेत्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण और प्रमोशन की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इसके लिए वे संसद में प्राइवेट मेंबर बिल लाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सामाजिक न्याय के बिना देश का विकास अधूरा है। हालिया घटी घटनाओं पर बोलते हुए चंद्रशेखर आज़ाद ने सड़क पर नमाज़ पढ़ने के विवाद पर चंद्रशेखर ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जब कांवड़ यात्रा के लिए एक महीने तक सड़कें बंद रह सकती हैं, तो मुस्लिम समुदाय को 15 मिनट की नमाज़ की आज़ादी क्यों नहीं दी जा सकती? आज़ाद ने सरकार पर अल्पसंख्यकों, सिखों, जैनियों, बौद्धों, और ईसाईयों की धार्मिक स्वतंत्रता का हनन करने का आरोप लगाया। आज़ाद ने सरकार की शिक्षा नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि गरीब बच्चों के स्कूल बंद किए जा रहे हैं, जबकि शराब की दुकानें खोली जा रही हैं।

घोड़े बिकने को तैयार

भाजपा बोली- कर्नाटक में चल रही हॉर्स ट्रेडिंग

डीके शिवकुमार की फिर सत्ता पर नजर

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच जोर-आजमाइश का दौर जारी है। डीके शिवकुमार के समर्थक विधायकों का कहना है कि अब समय एकदम सही है, जब उनके नेता को ही मुख्यमंत्री का पद दिया जाए। मांड्या के विधायक रवि कुमार गौड़ा ने भी अब यह मसला उठा दिया है और उनका कहना है कि डीके शिवकुमार को अब और इंतजार नहीं कराया जा सकता। उनसे पहले विधायक इकबाल हुसैन तो 100 MLA के समर्थन का भी दावा कर चुके हैं। उन्होंने यह बात तब कही थी, जब हाईकमान को मामला संभालने के लिए रणदीप सुरजेवाला को भेजना पड़ा था। यही नहीं बीते सप्ताह डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया खुद दिल्ली आए थे। कहा जाता है कि उनकी अलग-अलग ही सही, लेकिन राहुल गांधी से मुलाकात हुई थी। तब से कर्नाटक में सत्ता का नाटक और बढ़ने की चर्चाएं तेज हैं। ऐसे में शिवकुमार समर्थक विधायक भी चाहते हैं कि नेतृत्व पर दबाव बना रहे। इस बीच भाजपा ने भी तंज कसा है और उसका कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेसी आपस में ही बिकने को तैयार हैं। भाजपा ने कहा कि कांग्रेसी घोड़े बिकने को तैयार हैं। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच हॉर्स ट्रेडिंग जारी है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि दोनों गुटों की तरफ से एक-दूसरे के विधायकों को खरीदने की कोशिश जारी है। जोशी ने कहा, 'डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया दोनों ही हॉर्स ट्रेडिंग में बिजी हैं। सिद्धारमैया ज्यादा विधायकों के समर्थन का दावा कर रहे हैं। वह पैसे और पावर के दम पर लोगों को अपने पक्ष में करना चाहते हैं।' हालांकि भाजपा की ओर से ऑपरेशन लोटस चलाए जाने के कांग्रेस के आरोप को उन्होंने खारिज किया। जोशी ने कहा कि हम चाहते हैं कि कांग्रेस सरकार जिस तरह पूर्ण बहुमत से आई थी, उसी तरह बढ़िया से चलती रहे। उन्होंने कहा, 'फिलहाल घोड़े बाजार में बिकने के लिए तैयार हैं। खरीददार भी रेडी हैं। मैं यह क्लियर कर दूं कि पहले 9 सीट ही पीछे थे और सबसे बड़ी पार्टी थे। हमारे साथ जनादेश था।

CJI बीआर गवई को अस्पताल में कराया गया भर्ती

हैदराबाद दौरे में इन्फेक्शन के शिकार

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हालिया तेलंगाना दौरे के कारण वो संक्रमण के शिकार हो गए थे। अभी उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने बताया कि एक- दो दिन में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई को संक्रमण के चलते दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि उनकी तबीयत अब बेहतर है। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि उन्हें किस तरह का संक्रमण हुआ है, लेकिन इलाज का असर हो रहा है और वह ठीक हो रहे हैं। सीजेआई गवई 12 जुलाई को हैदराबाद गए थे, जहां उन्होंने नालसर लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया था। वहां उन्होंने डॉ बीआर अंबेडकर और संविधान पर आधारित एक डाक टिकट और पोस्टकार्ड सेट भी जारी किए थे।

गाजियाबाद में कांवड़ियों का तांडव

टक्कर लगने पर तोड़ डाली कार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ रोड पर सुमन सिनेमा के सामने रविवार दोपहर तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक कांवड़िया घायल हो गया। इस घटना से गुस्साए अन्य कांवड़ियों ने सड़क पर जमकर हंगामा किया और टक्कर मारने वाली कार में तोड़फोड़ की। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर कांवड़ियों को शांत कराया। कार में तोड़फोड़ की घटना के दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मी चुपचाप सबकुछ देखते रहे। दिल्ली के उत्तम नगर कॉलोनी निवासी नितिन कुमार हरिद्वार से जल लेकर आ रहे थे। रविवार को वह मोदीनगर पहुंचे और दिल्ली मेरठ मार्ग पर सुमन सिनेमा के सामने डिवाडर पर बैठकर आराम कर रहे थे। दोपहर साढ़े 3 बजे के आसपास यूटर्न से हरियाणा नंबर की एक तेज रफ्तार कार आई और डिवाइडर पर बैठे कांवड़िये को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह काफी दूर जा गिरे और उनकी कांवड़ भी खंड़ित हो गई। इस घटना से अन्य कांवड़िए गुस्से में आ गए और हंगामा शुरू कर दिया।

गुस्साए कांवड़ियों ने लाठी-डंडों से कार में जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। इसके बाद कांवड़िया को थाने से जल देकर आगे के लिए रवाना कर दिया गया।एसीपी मोदीनगर का कहना है कि गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। कांवड़ियों ने अपना विरोध जताया है।

खाने में प्याज डालने का आरोप

गाजियाबाद के मुरादनगर में दिल्ली-मेरठ रोड पर बस स्टैंड के पास एक होटल में खाने में प्याज डालने का आरोप लगाकर कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। पुलिस ने होटल संचालक को हिरासत में ले लिया है। राजस्थान निवासी कांवड़िया हरिद्वार से जल लेकर आ रहे थे। जब वह दिल्ली-मेरठ रोड पर मुरादनगर बस स्टैंड के सामने पहुंचे तो एक होटल पर खाने का ऑर्डर दे दिया। जब वह खाना खाने लगे, इसी बीच कांवड़ियों ने खाने में प्याज डालने का आरोप लगाकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देखकर मौके पर पुलिस पहुंच गए और कार्रवाई का आश्वासन देकर कांवड़ियों को शांत किया।

नूंह में फिर माहौल बिगाड़ने की साजिश

बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले तोड़ डाली मजार

महानगर नेटवर्क

नूंह

हरियाणा में नूंह के तावडू कस्बे में बृजमंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले एक मजार को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना सामने आई है। इसके बाद मजार पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दो साल पहले धार्मिक जुलूस के दौरान हुई हिंसा जैसी स्थिति फिर न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात हुई तोड़फोड़ की इस घटना के जिम्मेदार लोगों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद तावडू के सैनीपुरा मोहल्ले में स्थित मजार पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

गुरुग्राम में अवैध निर्माण पर 21 दुकानें सील

महानगर नेटवर्क

गुरुग्राम

गुरुग्राम के सुशांत लोक-एक के सी ब्लॉक स्थित व्यापार केंद्र बाजार में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने 21 दुकानों को सील किया है। आरोप है कि इन दुकानों में अवैध निर्माण किया हुआ था। मौके पर पुलिस बल मौजूद होने के चलते किसी तरह का विरोध सामने नहीं आया। इसके साथ ही यहां 61 मकानों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। डीटीपीई अमित मधोलिया के नेतृत्व में रविवार को सीलिंग अभियान चलाया गया। पहली और दूसरी मंजिल पर पूजा टैक्सी, बंसीवाला, लाल मन यादव, द जंकेट, रमेश चंद यादव, मंजीत कौर, वेंस एसोसिएट, मृत टूर एंड ट्रेवल्स, दुर्गा एसोसिएट, हाइड्रोलिक एफोर्डेबल प्यूर वॉटर सॉल्यूशन, लेटस्ट प्रो, हरमैल सिंह, ट्री ऑन, हरीति इलेक्ट्रोनिक्स, विनू वर्मा, जीएचएस टेकीजो, सरिता, कुसुम भट्ट की दुकानों को सील किया। आरोप है कि इन्होंने ले-आउट प्लान का उल्लंघन करके दुकानों में अवैध निर्माण कर लिया था

अतिक्रमण पर बुलडोजर चला

इस बाजार में डीटीपीई ने अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर भी चलाया। 17 दुकानों के आगे अवैध रूप से लगाई गई लोहे की सीढ़ियों को तोड़ डाला। ये सीढ़ियां पार्किंग परिसर से दुकान तक बनाई गई थीं।

61 मकानों को कारण बताओ नोटिस

डीटीपीई ने सुशांत लोक एक के सी ब्लॉक में ऑफिस ऑन द स्पॉट चला। सर्वे के दौरान डीटीपीई ने पाया कि 61 मकानों में नक्शे और कब्जा प्रमाण पत्र का उल्लंघन हुआ है। स्टिल्ट पार्किंग में कमरों का निर्माण हो गया तो किसी ने अतिरिक्त फ्लोर बना दिए। कुछ मकानों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन होते मिला। इनमें डॉक्टर, जिम, स्कीन केयर, आई गेयर्स, डिपार्टमेंट स्टोर,बेसमेंट में प्रॉपर्टी डीलर कार्यालय आदि का संचालन किया जा रहा था।

दिल्ली में दंगे भड़काने की कोशिश

- कांवड़ रूट पर कैसे बिखरा कांच
- AAP ने कर दिया बड़ा दावा

नई दिल्ली। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने हाल ही में शाहदरा में कांवड़ मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे होने का दावा किया था। उनका कहना था कि इसके पीछे कुछ उपद्रवियों का हाथ है। वहीं दिल्ली पुलिस ने शाहदरा के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) और झिलमिल कॉलोनी इलाकों में सड़कों पर टूटे हुए कांच के टुकड़े बिखरे पाए जाने के बाद मामला दर्ज किया था। ये दोनों इलाके कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित हैं। अब इस मामले में आम आदमी पार्टी का बयान सामने आया है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि कांवड़ मार्ग पर कांच बिखरे होने का दावा कर दिल्ली में दंगे भड़काने की कोशिश की जा रही है। दिल्ली आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, दिल्ली में ऐसे कई इलाके हैं, जो मुस्लिम बहुल है लेकिन इसके बावजूद अब तक वहां कांवड़ को लेकर किसी भी तरह के तनाव की बात सामने नहीं आई। 27 साल बाद भाजपा सत्ता में आई। 27 साल भाजपा की सरकार में ये पहली कांवड़ यात्रा है। उन्होंने कपिल मिश्रा के एक्स पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा कि ये पोस्ट उन्होंने 12 जुलाई को रात 9.30 बजे किया। इसके बाद 13 जुलाई को एलजी ने भी एक वीडियो के साथ पोस्ट किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने बताया है कि ये घटना 12 की नहीं, बल्कि 10 जुलाई की है लेकिन इसे ऐसे पेश किया गया जैसे अभी-अभी हुई हो। उन्होंने आगे कहा, उस रास्ते पर जो कांच बिखरा हुआ था, वो गाड़ी के शीशे वाला कांच है।

PM मोदी पर कार्टून में हेमंत मालवीय को SC ने भी नहीं दी राहत

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मशहूर कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से इंकार कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर बनाए गए कथित आपत्तिजनक कार्टून को लेकर दर्ज मामले में उन्होंने अग्रिम जमानत की मांग की थी। इससे पहले कार्टूनिस्ट को हाईकोर्ट से भी झटका लगा था। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, "फ्रीडम ऑफ स्पीच का कुछ कार्टूनिस्ट और स्टैंड-अप कॉमेडियन दुरुपयोग कर रहे हैं।" कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसे बयानों और तस्वीरों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को निर्धारित की है। मशहूर कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय पर आरोप है कि उन्होंने एक ऐसा कार्टून बनाया था, जो प्रधानमंत्री और आरएसएस को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक था। यह कार्टून कोविड-19 महामारी के दौरान बनाया गया था, जब वैक्सीन को लेकर भ्रम और डर का माहौल था। मालवीय ने कोर्ट में कहा कि कार्टून महज़ एक कल्पनात्मक सामाजिक व्यंग्य था, जिसमें एक नेता को एक आम आदमी पर वैक्सीन लगाए जाने की स्थिति को दर्शाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह तस्वीर पिछले चार वर्षों से सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से मौजूद है। इससे पहले 3 जुलाई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मालवीय की अग्रिम जमानत याचिका खारिज दी थी। कहा था कि उन्होंने "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग" किया है और संवेदनशील विषय पर संतुलन नहीं रखा।

दिल्ली में 3 स्कूलों को सुबह-सुबह मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के मुताबिक चाणक्यपुरी के नेवी स्कूल, द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल और रोहिणी के एक स्कूल में ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है और बम निरोधक दस्ता मौके पर मौजूद है। अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर 16 के सीआरपीएफ स्कूलों के साथ-साथ चाणक्यपुरी के एक अन्य स्कूल से बम की धमकियों के संबंध में पुलिस को फोन आए। उन्होंने कहा,"पुलिस टीमें तुरंत स्कूल परिसर की जांच के लिए रवाना हो गईं।"

82 साल के पूर्व फौजी को डॉक्टरों ने दिया नया जीवन

नई दिल्ली/मुंबई। पुणे निवासी 82 वर्षीय सेवानिवृत्त आर्मी अफसर, जो पिछले एक साल से तेज कमर दर्द के कारण बिस्तर पर थे, को किम्स हॉस्पिटल्स, ठाणे के डॉक्टरों ने नया जीवन दिया है। 1962 और 1971 की युद्धों में देश की सेवा कर चुके इस वीर सैनिक को भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। पिछले कुछ महीनों में उनकी गर्दन और पीठ का दर्द इस हद तक बढ़ गया था कि सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो गया था। हाल ही में शुरू हुए 300-बेड वाले किम्स हॉस्पिटल, ठाणे में उन्हें व्हीलचेयर पर बेहद पीड़ादायक स्थिति में लाया गया था। जांच के बाद किम्स हॉस्पिटल, ठाणे के कंसल्टेंट न्यूरो सर्जन डॉ. कपिल खंडेलवाल ने उन्हें लम्बर कैनाल स्टेनोसिस से पीड़ित पाया, एक ऐसी स्थिति जिसमें रीढ़ की निचली हड्डियों के बीच की जगह संकरी हो जाती है, जिससे नसों पर दबाव पड़ता है। उनकी रीढ़ की हड्डियाँ अस्थिर हो चुकी थीं, जिससे नसों पर लगातार दबाव बना रहता था और वे न केवल चलने-फिरने में असमर्थ थे, बल्कि बैठना भी कठिन हो गया था।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM BIJWE ALKA VITHAL TO CHANDRIANI ALKA BIJWE AS PER DOCUMENT

पंजाब में बेअदबी के खिलाफ बिल को मंजूरी

चंडीगढ़। पंजाब कैबिनेट में बेअदबी बिल को मंजूरी दे दी गई है। मंजूरी मिलने के बाद बिल को विधानसभा में पेश किया गया। सीएम मान ने बेअदबी को लेकर बिल पेश किया। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि बेअदबी बिल पर चर्चा के लिए समय दिया जाना चाहिए। मौके पर ही हमें बिल मिला है, इसलिए कल इस बिल पर चर्चा करवाई जानी चाहिए। इसके बाद सदन को 15 मिनट के लिए फिर से स्थगित कर दिया गया। बाजवा के बेअदबी बिल पर चर्चा कल के लिए आयोजित किए जाने को स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। पंजाब में बेअदबी करने वालों को सजा दिलाने के लिए अभी कोई सख्त कानून नहीं है।

गडकरी बोले-ऐसे लोगों की जरूरत जो सरकार पर केस करें

नेताओं-सिस्टम में अनुशासन के लिए कोर्ट का सहारा लेना जरूरी है

महानगर नेटवर्क

नागपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगर सिस्टम में अनुशासन चाहिए तो सरकार के खिलाफ अदालत का सहारा लेना जरूरी है। नागपुर में 'प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संघटक पुरस्कार' समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि कई बार अदालत का आदेश वो काम करवा देता है, जो सरकार खुद नहीं करवा पाती।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा, "समाज में कुछ लोगों को सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल करनी चाहिए। इससे नेताओं और सिस्टम में अनुशासन आता है, क्योंकि कई बार मंत्री भी वो काम नहीं कर पाते, जो कोर्ट का आदेश करवा देता है। लोकप्रिय राजनीति आड़े आ जाती है। नितिन गडकरी का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब देश में अक्सर यह बहस होती है कि आम नागरिकों को अपने अधिकारों के लिए न्यायपालिका का सहारा लेना पड़ता है। गडकरी का यह बयान सत्ता में रहते हुए सिस्टम की खामियों को स्वीकार करने और कोर्ट की ताकत को मान्यता देने के रूप में देखा जा रहा है। गडकरी ने इस मौके पर 'कुशल संघटक' के रूप में सम्मानित लोगों की सराहना करते हुए कहा कि इन लोगों ने सरकार के खिलाफ कई कानूनी लड़ाइयां लड़ीं और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया।

'अगर उसकी जान चली जाती है तो यह दुखद होगा'

यमन में निमिषा प्रिया की फांसी पर बोला सुप्रीम कोर्ट

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यमन में केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी रोकने के लिए वह कुछ खास नहीं कर सकती। लाइव लॉ ने सरकार के वकील एजी वेंकटरमणी के हवाले से कहा, यमन की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार कुछ नहीं कर सकती। इसे कूटनीतिक रूप से मान्यता नहीं दी गई है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच के सामने इस मामले की सुनवाई हो रही थी। याचिकाकर्ता सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल संगठन की तरफ से कोर्ट में बताया गया कि प्रिया का परिवार और समर्थक पीड़िता के परिवार के साथ 'ब्लड मनी' पर बातचीत कर रहे हैं, ताकि शरीयत कानून के तहत उसे माफ किया जा सके। याचिकाकर्ता-संगठन ने आग्रह किया कि केंद्र सरकार डिप्लोमेटिक चैनल्स से बातचीत में मदद कर सकती है। सरकार ने अपनी ओर से पूरी कोशिश करने पर जोर देते हुए यह भी कहा कि प्रिया के परिवार द्वारा की जा रही ब्लड मनी की बातचीत पूरी तरह से एक निजी मामला है। अटॉर्नी जनरल ने कहा, 'यमन की संवेदनशीलता को देखते हुए, सरकार कुछ खास नहीं कर सकती। इसे कूटनीतिक स्तर पर मान्यता नहीं मिली है। एक सीमा है जहां तक भारत सरकार जा सकती है। हम वहां पहुंच चुके हैं। यमन दुनिया के किसी भी अन्य हिस्से जैसा नहीं है। हम सार्वजनिक रूप से जाकर स्थिति को जटिल नहीं बनाना चाहते, हम निजी स्तर पर कोशिश कर रहे हैं।' जस्टिस मेहता ने कहा कि मामला बेहद ही दुखद है। याचिकाकर्ता ने मौत की सजा ना दिया जाए की प्रार्थना की तो इस बात पर कोर्ट ने हैरानी जताई और कहा कि वह किसी विदेशी राष्ट्र के संबंध में ऐसा आदेश कैसे पारित कर सकता है। जस्टिस मेहता ने कहा, 'हम यह आदेश कैसे पारित कर सकते हैं? इसका पालन कौन करेगा।'

भारतीय थल सेना

JOIN INDIAN ARMY AS AN OFFICER

www.joinindianarmy.nic.in

अधिकारी प्रविष्टियाँ

1. निम्नलिखित कोर्सों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैः-
   (क) 66वाँ अल्पसेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स (पुरुष) अप्रैल 2026 के लिए।
   (ख) 66वाँ अल्पसेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स (महिला) अप्रैल 2026 के लिए।
2. ऑनलाइन आवेदन निम्नलिखित अवधि तक खुले रहेंगेः-
   (क) अल्पकालिक सेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स- पुरुष 16 जुलाई से 14 अगस्त 2025
   (ख) अल्पकालिक सेवा कमीशन (तकनीकी) कोर्स- महिला 16 जुलाई से 14 अगस्त 2025

OFFICER ENTRIES

1 Applications are invited for the following courses:-
   (a) 66th Short Service Commission (Tech) Men Course Apr 2026.
   (b) 66th Short Service Commission (Tech) Women Course Apr 2026.
2 Online applications will open as under-
   (a) SSC (Tech) Course - Men 16 Jul to 14 Aug 2025
   (b) SSCW (Tech) Course - Women 16 Jul to 14 Aug 2025

नोटः-
1. सेना में भर्ती पूर्णतया पारदर्शी और मुफ्त है। दलालों से सावधान रहें।
2. विस्तृत नोटिफिकेशन और जानकारी के लिए, कृपया www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

Note :-
1. Recruitment in the Army is totally transparent and free. Beware of touts.
2. For detailed Notification, please visit www.joinindianarmy.nic.in.

CBC 10601/11/0025/2526

मंगला गौरी व्रत देवी पार्वती को समर्पित

सावन माह में पड़ने वाले हर व्रत और त्योहार का विशेष महत्व होता है। सावन माह में हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए करती है। जानते हैं सावन का पहला मंगला गौरी किस दिन रखा जाएगा। सावन माह का पहला मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई, 2025 मंगलवार के दिन रखा जाएगा। इस दिन विशेष रुप से मां पार्वती की आराधना की जाती है। साल 2025 में सावन माह में कुल 4 मंगला गौरी व्रत पड़ेंगे।

मंगला गौरी व्रत 2025 तिथि

इस दिन श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि रहेगी। 15 जुलाई , मंगलवार को पंचमी तिथि रात 10 .38 मिनट तक रहेगी। इस दिन शतभिषा नक्षत्र रहेगा। साथ ही सौभाग्य योग रहेगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण माह का प्रत्येक मंगलवार भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। मंगला गौरी व्रत को विवाहित स्त्रियां रखती हैं, अपनी सुखी वैवाहित जीवन के लिए मां गौरी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस व्रत को किया जाता है।

साल 2025 मंगला गौरी व्रत लिस्ट

पहला मंगला गौरी व्रत 15 जुलाई 2025
दूसरा मंगला गौरी व्रत 22 जुलाई 2025
तीसरा मंगला गौरी व्रत 29 जुलाई 2025
चौथा मंगला गौरी व्रत 5 अगस्त 2025

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि

इस दिन सुबह उठकर व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें। एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें। मां पार्वती को सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें। पूजा में 16 प्रकार के फल, फूल, पत्ते, मिठाई और अन्य सामग्री चढ़ाएं। माता के समक्ष घी का दीपक जलाएं। इस दिन मंगला गौरी व्रत की कथा सुनें या पढ़ें। माता पार्वती की आरती करें।

सावन में शिवजी को लगाएं ये भोग

हिंदू धर्म में सावन का महीना बहुत शुभ माना जाता है। इस साल 11 जुलाई से इस पावन मास की शुरुआत हो गई है। ये पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। चारों ओर भोलेनाथ की भक्ति में डूबे हुए भक्त नजर आते हैं। हर कोई महादेव को रिझाने की कोशिश में लगा रहता है। ऐसे में आप भी भोलेनाथ को उनकी मनपसंद चीजों का प्रसाद लगा सकते हैं। सावन में शिवजी की पूजा कर रहे हों, सावन सोमवार का व्रत हो या तीज; इनमें से कोई भी प्रसाद आप भोलेबाबा को अर्पित कर सकते हैं।

शहद :- सावन में शिवलिंग पर शहद चढ़ाना बहुत ज्यादा शुभ माना जाता है। इसे मधु अभिषेक कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शिवजी को शहद चढ़ाने से जीवन की सारी कठिनाइयां दूर होती हैं।

दही :- दही भी शिवजी को चढ़ाई जाने वाली मुख्य चीजों में से एक है। श्रावण मास में आप शिवलिंग का दही से स्नान करा सकते हैं। मान्यता है कि ये हर तरह की बाधा और विपत्तियों को दूर करने में मदद करता है।

सूजी का हलवा :- सावन के महीने में आप भगवान शिव को सूजी का हलवा बनाकर भोग लगा सकते हैं। देसी घी, ड्राई फ्रूट्स, चीनी और सूजी से बना स्वादिष्ट हलवा भगवान शिव के मनपसंद भोग में से एक है।

साबूदाना खीर:- भगवान शिव को आप साबूदाना खीर का भोग भी लगा सकती हैं। दूध, साबूदाना, चीनी और ड्राई फ्रूट्स डालकर बनाई गई ये खीर, सात्विक आहार में शामिल की जाती है। इसे आप सावन सोमवार के उपवास के लिए भी बना सकती हैं।

मालपुआ :- सूजी, सौंफ, दूध, मावा, नारियल और केले से बना मालपुआ, भगवान शिव का मनपसंद भोग है। सावन के सोमवार में आप शिवजी के लिए ये खास प्रसाद बनाकर तैयार कर सकती हैं।

घी :- भगवान शिव को गाय का देसी घी चढ़ाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इसे चढ़ाने से भी जीवन में पॉजिटिविटी आती है और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

बेल पत्र :- सावन में भगवान शिव को बेल पत्र जरूर चढ़ाना चाहिए। मान्यता है कि बेल पत्र में मां पार्वती का वास होता है। इसलिए ये शिवजी को बेहद प्रिय होते हैं।

चेहरे को निखारने के लिए बनाकर लगाएं दही से फेस पैक

दही के अच्छे गुण देखते हुए इसे खानपान का हिस्सा बनाने के लिए कहा जाता है। लेकिन, इसे चेहरे और बालों पर भी खूब लगाया जाता है। दही के फेस पैक की ही बात करें तो दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। दही इंस्टेंट ग्लो देने में खासतौर से मदद करती है। नैचुरोपैथ और अरोमा थेरैपिस्ट का कहना है कि अगर आपको कहीं पार्टी में निकलना है और चेहरा मुरझाया हुआ नजर आ रहा है तो दही के इस फेस पैक को बनाकर लगाया जा सकता है। यह पैक त्वचा को अंदर तक हाइड्रेशन देता है, इससे त्वचा पर चमक आती है, स्किन को सूदिंग इफेक्ट्स मिलते हैं और स्किन सॉफ्ट हो जाती है। जानिए कैसे बनाते हैं दही से दमदार फेस पैक।

■ इंस्टेंट ग्लो के लिए दही से बनाएं फेस पैक

दही से फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले दही को कपड़े में बांधकर टांगकर रखें। हंग कर्ड से अच्छा फेस पैक बनाकर तैयार किया जाता है। इससे स्किन पर जमी डेड सेल्स निकल जाती हैं। लैक्टिक एसिड और गुड फैट्स के चलते इससे स्किन पर चमक आती है। दही में एक चम्मच मिल्क पाउडर डालें। मिल्क पाउडर लैक्टिक एसिड का ही अच्छा स्त्रोत है जो स्किन को चमक देता है और स्किन के दाग-धब्बों को हल्का करता है। अब एक चम्मच गुड़हल के फूलों का पाउडर इस मिश्रण में डाल लें। गुड़हल के फूलों का पाउडर अच्छे एंजाइम्स से भरपूर होता है जो स्किन को नया सा निखार देता है।
इन तीनों ही चीजों को अच्छे से मिलाकर फेस पैक तैयार करें। फेस पैक को चेहरे पर आधा घंटा लगाकर रखने के बाद धोकर हटा लें। एक्सपर्ट का कहना है कि इस फेस पैक से बेजान त्वचा में जान आ जाती है।

■ दही से बनाएं ये फेस पैक्स :

दही और बेसन को मिलाकर भी फेस पैक तैयार किया जा सकता है। इस फेस पैक को चेहरे पर 10 से 15 मिनट लगाए रखने के बाद धोकर हटा सकते हैं।
दही में हल्दी मिलाकर फेस पैक बनाएं। इस फेस पैक से स्किन एक्सफोलिएट होती है और डेड सेल्स निकल जाती हैं। दही और हल्दी से स्किन को एंटीबैक्टीरियल गुण भी मिल जाते हैं।
शहद और दही को मिलाकर फेस पैक तैयार किया जा सकता है। इस फेस पैक से स्किन पर ग्लो नजर आता है।
स्किन को हाइड्रेटिंग गुण देने के लिए एलोवेरा और दही को मिलाकर फेस पैक बनाएं। इस

फेस पैक से स्किन को काल्मिंग इफेक्ट्स भी मिलते हैं। चेहरे की डलनेस को दूर करने के

लिए दही में खीरे का रस मिलाकर लगाएं। इससे स्किन मुलायम भी बनती है।

मानसून में काम आएंगी ये हेयर केयर रेमेडी

■ एलोवेरा : एलोवेरा जेल रूसी और स्कैल्प की जलन के लिए बेहतरीन है। यह बालों को नमी देने में भी मदद करता है।

■ दही मास्क: दही एक नेचुरल कंडीशनर है जो बालों को नमी देने और मुलायम बनाने में मदद करता है। आप दही का मास्क बनाने के लिए इसमें शहद या केले जैसी चीजों को मिलाएं।

■ नींबू का रस : नींबू का रस स्कैल्प पर एक्स्ट्रा तेल को कम करने में मदद कर सकता है। इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर बालों को धोएं।

बारिश में बालों की देखरेख के लिए काम आएंगे ये तरीके

बारिश के दिनों में गर्मी से राहत तो मिल जाती है, लेकिन स्किन और बालों से जुड़ी तमाम समस्याएं होना शुरू हो जाती हैं। मानसून सीजन में बालों की देखरेख बहुत जरूरी होती है, अगर बालों की दिक्कतों पर ध्यान न दिया जाए तो बालों के रफ होने और झड़ने की परेशानी बढ़ने लगती है। कुछ लोगों को इस मौसम में बालों के झड़ने की समस्या महसूस हो सकती है। मानसून में अपने बालों का खास ख्याल रखने के लिए यहां कुछ टिप्स और घरेलू नुस्खे बता रहे हैं आप भी जानिए।

1 स्कैल्प को रखें साफ और ड्राई

बारिश के दिनों में अपने बालों को नियमित रूप से हल्के शैम्पू से धोएं ताकि एक्स्ट्रा तेल और गंदगी निकल जाए। इसके अलावा गर्म पानी के इस्तेमाल से बचें, क्योंकि इससे बाल उलझ सकते हैं।

2 बारिश के पानी से करें बचाव

बारिश का पानी एसिडिक हो सकता है और इसमें प्रदूषक हो सकते हैं। इसलिए बारिश में अपने बालों को गीला होने से बचाने की कोशिश करें। अगर बाल गीले हो जाते हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द तौलिया की मदद से सुखा लें।

3 कम से कम करें हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल

हेयर ड्रायर, स्ट्रेटनर और कर्लिंग आयरन का इस्तेमाल कम से कम करें। क्योंकि बारिश के मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है और ऐसे में हीटिंग टूल्स के इस्तेमाल से बालों को नुकसान हो सकता है।

4 ऑयलिंग करें

बारिश के मौसम में हफ्ते में एक या दो बार बालों में तेल लगाएं। ऐसा करने से नमी बरकरार रहती है और बालों का उलझना कंट्रोल में रहता है।

खांसी को दूर भगाए डाबर हनीटस

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन साथ ही मौसमी बीमारियों की बाढ़ भी लाता है। मौसम में अचानक बदलाव, नमी और एलर्जी पैदा करने वाले तत्वों के संपर्क में आने से अक्सर खांसी, जुकाम और गले में खराश हो जाती है, जिससे यह साल के इस समय में सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन जाती है। मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत दिलाता है, लेकिन साथ ही मौसमी बीमारियों की लहर भी लाता है। मौसम में अचानक बदलाव, नमी और एलर्जी के संपर्क में आने से अक्सर खांसी, जुकाम और गले में खराश हो जाती है, जिससे यह साल के इस समय सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन जाती है। ऐसी परिस्थितियों में, उपभोक्ताओं को एक ऐसे समाधान की आवश्यकता होती है जो प्रभावी और तेजी से काम करने वाला हो। यहीं पर डाबर हनीटस काम आता है -

एक विश्वसनीय आयुर्वेदिक कफ सिरप जो पारंपरिक भारतीय चिकित्सा के ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक साहित्य और अध्ययनों की सटीकता के साथ मिलाकर अपनी प्रभावकारिता को प्रमाणित करता है।आयुर्वेद में डाबर की 140 वर्षों की विरासत द्वारा समर्थित, हनीटस एक चिकित्सकीय रूप से परखा हुआ फॉर्मूलेशन है जो तुलसी, मुलेठी, बनापशा, शुंठी, कंठकारी और शहद जैसी शक्तिशाली आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से समृद्ध है। ये सामग्रियां खांसी के अंतर्निहित कारणों को लक्षित करने के लिए जानी जाती हैं, जिससे जलन को शांत करने, सूजन को कम करने और स्वाभाविक रूप से राहत प्रदान करने में मदद मिलती है। डाबर हनीटस को जो बात अलग बनाती है, वह है इसकी तेजी से राहत देने की क्षमता - बिना उनींदापन पैदा किए, जिससे यह उन लोगों के लिए आदर्श बन जाता है जो ठीक होने के दौरान सक्रिय रहना चाहते हैं।
डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड - हेल्थकेयर, श्री अजय परिहार ने कहा, "जैसे-जैसे मौसम बदलता है, कई लोग बार-बार खांसी और गले में जलन का अनुभव करते हैं।
डाबर हनीटस आयुर्वेद की शक्ति पर आधारित एक प्रभावी और गैर-उनींदापन वाला समाधान प्रदान करता है। इसका चिकित्सकीय रूप से सिद्ध फॉर्मूलेशन तेजी से और प्रभावी राहत प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ताओं को जल्दी और स्वाभाविक रूप से अपनी दिनचर्या में लौटने में मदद मिलती है। उन्होंने आगे कहा, डाबर में, हम आयुर्वेद को अधिक सुलभ, प्रासंगिक और वैज्ञानिक रूप से मान्य बनाकर हर घर के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डाबर हनीटस आयुर्वेद के विज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे आधुनिक जीवन शैली की जरूरतों और गले में खराश और खांसी से संबंधित मौसमी स्वास्थ्य चुनौतियों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।
मानसून पूरी तरह सक्रिय है पर होने के साथ, सुनिश्चित करें कि आपको और आपके परिवार को डाबर हनीटस की विश्वसनीय देखभाल के साथ सामान्य मौसमी खांसी और गले में खराश से राहत मिले - जहां आयुर्वेदिक विरासत आधुनिक विज्ञान से मिलती है ताकि तेजी से, प्रभावी और सुरक्षित खांसी से राहत मिल सके।

बच्चा जल जाए तो सबसे पहले क्या करें?

छोटे बच्चों के साथ बहुत सावधानी बरतने की जरूरत होती है। हर माता-पिता अपने बच्चे का ख्याल रखने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। हालांकि, कभी-कभी थोड़ा ध्यान भटकने पर बच्चे हादसे का शिकार हो जाते हैं। इनमें दूध या पानी से जलने वाली कंडीशन सबसे आम है। लाख ध्यान देने पर भी कभी-कभी बच्चे गर्म पानी, दूध या चाय आदि से जल जाते हैं या उनपर कोई गर्म चीज गिर जाती है। ऐसे में मां-बाप समझ नहीं पाते हैं कि इस कंडीशन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। अगर अचानक बच्चे के ऊपर गरम चीज गिर जाए और स्किन जल जाए, तो पैनिक करने की बजाय सही फर्स्ट एड देना बेहद जरूरी होता है। कई बार माता-पिता घबराकर ऐसे काम कर बैठते हैं, जो जलन को और बढ़ा सकते हैं। आइए बच्चों के डॉक्टर से जानते हैं कि इस तरह की कंडीशन में क्या करना चाहिए और किन गलतियों से बचना चाहिए।

बर्फ न लगाएं

बच्चों के डॉक्टर बतते हैं, जलने पर तुरंत बर्फ लगाना सही नहीं है। इससे स्किन को और नुकसान पहुंच सकता है क्योंकि बर्फ से ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो जाता है।

जली हुई जगह को रगड़ें नहीं

कभी-कभी लोग स्किन साफ करने के लिए रगड़ देते हैं, लेकिन ऐसा करना जलन और दर्द को बढ़ा सकता है। इससे स्किन की ऊपरी परत और भी खराब हो जाती है।

छाले फोड़े नहीं

अगर जलन के बाद छाले बन गए हैं, तो उन्हें छेड़ना नहीं चाहिए। छाले फटने से इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

ये चीजें न लगाएं

इन सब अलग डॉक्टर बताते हैं, ज्यादातर लोग घरेलू नुस्खों के तहत जलन पर बटर, तेल या टूथपेस्ट लगा देते हैं, लेकिन इससे इन्फेक्शन हो सकता है। ये चीजें स्किन को और नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए बच्चे की स्किन पर ये लगाने से बचें।

फिर क्या करें?

ठंडे पानी से जलन को ठंडा करें जली हुई जगह पर तुरंत 5-10 मिनट तक साफ और ठंडा (बर्फ नहीं) पानी डालने की सलाह देते हैं। इससे जलन कम होती है और स्किन की गहराई तक नुकसान नहीं पहुंचता है।

जली हुई जगह को ढकें

एक साफ और बिना चिपकने वाली पट्टी या कपड़े से जली हुई जगह को ढकें। इससे धूल-मिट्टी और इन्फेक्शन से बचाव होगा।

कपड़े और गहने हटाएं

अगर जलन के पास कपड़े या गहने हैं, तो धीरे-धीरे उन्हें निकाल दें ताकि स्किन पर दबाव न पड़े और सूजन न बढ़े।
दर्द कम करने की दवा दें
बच्चे को दर्द से राहत देने के लिए डॉक्टर की सलाह से दवाई दी जा सकती है।

पानी पिलाएं

इन सब से अलग डॉक्टर बताते हैं, जली हुई स्किन से शरीर का फ्लूड कम हो सकता है, इसलिए बच्चे को भरपूर पानी पिलाएं।

जडेजा की मेहनत पर फिरा पानी

इंग्लैंड ने भारत को 22 रन से हराया

हासिल की 2-1 की बढ़त

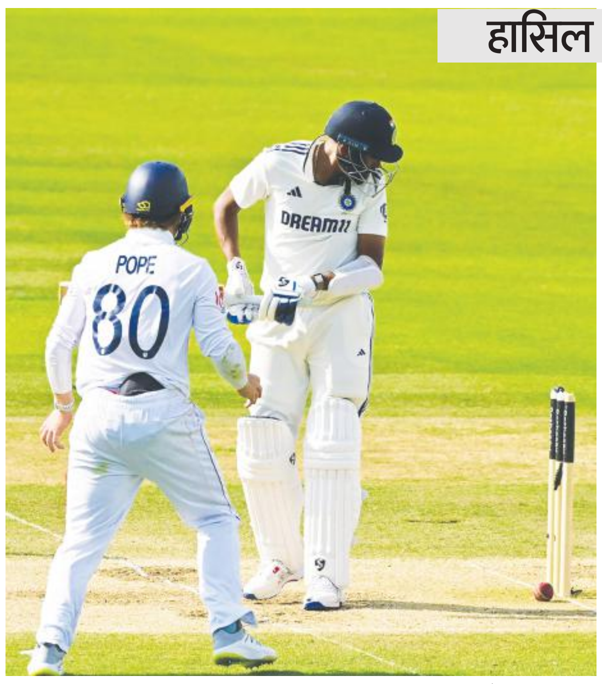

लंदन। इंग्लैंड ने भारत को 22 रन से हरा दिया। सोमवार को लॉर्ड्स टेस्ट के आखिरी दिन मेजबानों ने भारतीय टीम को 170 के स्कोर पर ऑलआउट किया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। इससे पहले बेन स्टोक्स की टीम ने भारत को लीड्स टेस्ट में पांच विकेट से हराया था। वहीं, भारतीय टीम ने दूसरा टेस्ट (एजबेस्टन टेस्ट) 336 रन से जीता था। लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और पहली पारी में 10 विकेट पर 387 रन बनाए। उनके लिए जो रूट ने 104 और जेमी स्मिथ व ब्रायडन कार्स ने क्रमशः 51 और 56 रनों की पारियां खेलीं। इसके बाद भारत ने भी 10 विकेट पर 387 रन ही बनाए। उनकी तरफ से केएल राहुल ने 100, ऋषभ पंत ने 74 और रवींद्र जडेजा ने 72 रनों की पारियां खेलीं। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 10 विकेट खोकर 192 रन बनाए और भारत के सामने 193 रन का लक्ष्य रखा, जिसे भारतीय टीम हासिल नहीं कर पाई और 170 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता

दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं। इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था। सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली। जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी।

● हार को सच में छोड़ा पीछे

सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है। दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की। अपनी दाहिनी कोहनी की सुरक्षा के लिए सफेद टेप और सफेद बांह की आस्तीन पहने हुए सिनर को कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सेमीफाइनल में 24 बार के मेजर चैंपियन नोवाक जोकोविच को बाहर करते समय भी कोई भी परेशानी महसूस नहीं की थी।

WTC का शानदार प्रदर्शन आया काम

मार्करम ने जीता ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एडेन मार्करम को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए जून 2025 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 30 वर्षीय इस खिलाड़ी ने फाइनल में 136 रन बनाकर और दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के 27 साल के सीनियर आईसीसी खिताब के इंतजार को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका के इस सलामी बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे यादगार प्रदर्शनों में से एक - एक शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाया। मार्करम ने पुरस्कार जीतने पर कहा, 'यह पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हमारी टीम और दक्षिण अफ्रीका के लिए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत में योगदान देना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' लॉर्ड्स में फाइनल जीतना दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और यह कुछ ऐसा है जिसे हम सभी हमेशा याद रखेंगे। यह जीत पूरी टीम के संयुक्त प्रयासों से ही संभव हुई, जिसमें केजी (कगिसो रबाडा) और टेम्बा बावुमा (टेम्बा बावुमा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।' फाइनल में मार्करम का प्रभाव गेंद से शुरू हुआ, जब उन्हें स्टीव स्मिथ और ब्यू वेबस्टर के बीच शानदार साझेदारी को तोड़ने के लिए लाया गया। उन्होंने तुरंत प्रभाव डाला और स्मिथ को अपनी छठी गेंद पर ही आउट कर दिया और शुरुआती सफलता जिसने एक अविस्मरणीय मैच की नींव रखी।

हालांकि बल्ले से उनका पहला प्रदर्शन ज्यादा देर तक नहीं चला। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को मिशेल स्टार्क ने शून्य पर आउट कर दिया, जिससे दूसरी पारी में उन्हें खुद को साबित करने का मौका मिला। यह वापसी शानदार अंदाज में हुई। दक्षिण अफ्रीका 74 रनों से पीछे था और ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी विकेट के लिए 59 रनों की निराशाजनक साझेदारी की जिससे दबाव बढ़ रहा था। मार्करम ने एक बार फिर कदम बढ़ाया, पहले जोश हेजलवुड का आखिरी विकेट लेकर और फिर बल्ले से एक उल्लेखनीय बदलाव लाए। 282 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य के सामने मार्करम ने शांत और आत्मविश्वास से लक्ष्य का पीछा किया। रयान रिकेल्टन के जल्दी आउट होने के बावजूद उन्होंने वियान मुल्डर और कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ मिलकर स्थिर और महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। जब बावुमा चोटिल हो गए और रिटायर्ड हर्ट होने के बारे में सोच रहे थे, तो ड्रेसिंग रूम में मार्करम के शब्दों ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनकी साझेदारी दक्षिण अफ्रीका के लक्ष्य की रीढ़ बन गई और उन्हें जीत के मुहाने तक पहुँचाया। मार्कराम की पारी अंततः शानदार 136 रनों पर समाप्त हुई जोकि एक ऐसी पारी रही जिसमें उनकी शान, लचीलापन और बेजोड़ शॉट चयन की झलक थी। एक मैच विजेता से कहीं बढ़कर मार्करम के प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज करा दिया और उन्हें एक लंबे समय से प्रतीक्षित आईसीसी खिताब अविस्मरणीय अंदाज में दिलाया।

भारत की मिश्रित टीम निशानेबाजी विश्व कप के पदक दौर में जगह बनाने से चूकी

लोनाटो। लक्ष्य श्योराण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) तीसरी सीरीज में परफेक्ट स्कोर बनाने के बावजूद ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक दौर में जगह बनाने से चूक गए जिसके साथ भारत का अभियान ISSF लोनाटो विश्व कप में समाप्त हो गया। लक्ष्य और नीरू ने क्वालीफाइंग दौर में संभावित 150 में से 140 अंक बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे। जोरावर सिंह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी 138 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। एक दिन पहले महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रही नीरू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 75 में से केवल एक ही निशाना चूका जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में लय में नहीं दिखे और छह निशाने चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी की पदक दौर में जगह बनाने की संभावनाओं को झटका लगा।

इंग्लैंड की धरती पर No.1 बल्लेबाज बने शुभमन गिल

द्रविड़-कोहली-गावस्कर सब पिछड़े

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के नए टेस्ट कप्तान और विराट कोहली के टेस्ट में संन्यास के बाद नंबर चार बल्लेबाज शुभमन गिल ने इंग्लैंड की धरती पर इतिहास रच दिया है। गिल ने एक साथ सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली के रिकॉर्ड्स तौड़ दिए। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में भले ही गिल ने 16 और 6 रन की पारियां खेली लेकिन इन 22 रन की बदौलत गिल ने इस सीरीज में 607 रन पूरे किए जिससे उन्होंने एक और ऐतिहासिक कारनामा अपने नाम किया। अब गिल 607 रन के साथ इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजो में नंबर एक बल्लेबाज बन गए है।

गौर है कि इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने अब तक तीन शतक लगाए है जिसमें एक डबल सेंचुरी भी शामिल है। एक टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने के रिकॉर्ड में दूसरे नंबर पर मौजूद राहुल द्रविड़ ने 2002 में तीन शतक, विराट कोहली ने 2018 में दो शतक, सुनील गावस्कर ने 1979 में एक डबल सेंचुरी और चार अर्धशतक लगाए है। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में गिल की इस उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण स्थान है।

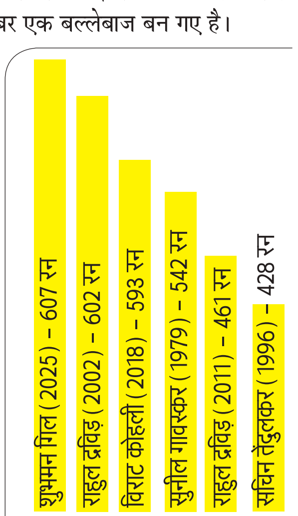

इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

अश्विन ने अंपायर को बताया भारत का 'दुश्मन'

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन लॉर्ड्स टेस्ट में अंपायरिंग कर रहे एक अंपायर को लेकर गुस्से में लाल हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में इस अंपायर ने कुछ ऐसे फैसले दिए जो अश्विन को रास नहीं आए। उनका कहना है कि ये अंपायर भारत के खिलाफ है और जब टीम इंडिया बल्लेबाजी करती है तो उनके लिए हर अपील आउट होती है और भारत जब बल्लेबाजी करता है तो वह आउट नहीं देते।

अश्विन ने ये बातें ऑस्ट्रेलियाई अंपायर पॉल राइफल के बारे में कही जो तीसरे टेस्ट मैच में अंपायरिंग कर रहे हैं। मैच के चौथे दिन राइफल ने कुछ ऐसे फैसले दिए जो भारत के खिलाफ गए। इसी कारण अश्विन उन पर भड़क गए और आईसीसी से उनके खिलाफ कदम उठाने की अपील तक कर डाली। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'एश की बात' पर राइफल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ₹पॉल राइफल के साथ मेरा अनुभव रहा है। मैं उनके पास बात करने गया। मैं ये नहीं कह रहा कि मुझे उनसे कहना चाहिए कि आप आउट दे दो। ऐसा नहीं है। जब भी भारत गेंदबाजी करता है उनको हमेशा की नॉट आउट है।

बेन डकेट को आउट कर उग्र हुए सिराज

ICC ने ठोका जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

लॉर्ड्स। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान बेन डकेट को आउट करने के बाद उग्र होने के लिए मैच फीस का 15% जुर्माना लगाया है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है। यह घटना मैच के चौथे दिन हुई थी जब उन्होंने दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज को आउट किया था। सिराज ने इंग्लिश बल्लेबाज को आउट करने के बाद आक्रामक अंदाज में विदाई दी जिसमें उनके चेहरे पर जोर से जश्न मनाना और आउट होने के बाद उनसे टकराना भी शामिल था।सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, हरकतें या हाव-भाव का इस्तेमाल करने या बल्लेबाज को भड़काने से संबंधित है। सिराज को जुर्माने के अलावा एक और डिमेरिट अंक भी दिया गया है। पिछले 24 महीनों में सिराज का यह दूसरा ऐसा अपराध था, जिसका मतलब है कि अब उनके रिकॉर्ड में 2 डिमेरिट अंक हैं। अगर 24 महीने की अवधि समाप्त होने से पहले उनके 4 डिमेरिट अंक हो जाते हैं तो उन पर स्वतः ही एक मैच का निलंबन लग जाएगा।

PSG को हराकर जीता फीफा क्लब वर्ल्ड कप

न्यूयॉर्क। इंग्लिश क्लब चेल्सी ने इतिहास रचते हुए पहली बार आयोजित नए फॉर्मेट के फीफा क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में फ्रांस के चैम्पियन क्लब PSG (पेरिस सेंट जर्मेन) को 3-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला MetLife Stadium (न्यू जर्सी, अमेरिका) में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप भी दर्शकों में मौजूद थे।

कोल पामर बने हीरो

चेल्सी के स्टार खिलाड़ी कोल पामर ने दो गोल दागे और एक गोल में असिस्ट भी किया।

पामर ने 22वें मिनट में पहला गोल किया और 30वें मिनट में दूसरा। 43वें मिनट में उन्होंने जोआओ पेड्रो को शानदार पास देकर तीसरा गोल कराने में मदद की। पामर पूरे टूर्नामेंट के दौरान चेल्सी का चेहरा बने रहे और अमेरिका में उनकी तस्वीरें होर्डिंग्स और बैनरों पर छाई रहीं।

चेल्सी को इस जीत से करीब 125 मिलियन डॉलर (1,000 करोड़ से ज्यादा) की इनामी राशि भी मिली। इतनी बड़ी सफलता के बाद भले ही उनकी ग्रीष्मकालीन छुट्टियां छोटी हो जाएं, लेकिन टीम को इसकी पूरी कीमत मिल गई।सेमीफाइनल में उन्होंने रियल मैड्रिड को 4-0 से हराया था, लेकिन फाइनल में शुरुआत से ही बैकफुट पर दिखे। फर्स्ट हाफ के अंत तक ही स्कोर 3-0 हो गया था, जिससे वापसी की कोई उम्मीद नहीं बची थी।

जोआओ नेवेस को रेड कार्ड

मैच के अंत में जोआओ नेवेस को VAR रिव्यू के बाद मार्क कुकुरेला के बाल खींचने के लिए सीधा रेड कार्ड दिखाया गया। इससे PSG की मुश्किलें और बढ़ गईं। न्यूयॉर्क के MetLife Stadium में मैच के दौरान 81,000 से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। पहली बार किसी FIFA टूर्नामेंट में हाफ टाइम शो हुआ, जिससे फाइनल का माहौल सुपर बाउल जैसा हो गया।

PSG को अब अगले महीने UEFA Super Cup में टोटनहम हॉटस्पर से भिड़ना है। चेल्सी के लिए यह सीजन नई शुरुआत और आत्मविश्वास के साथ अगली चुनौती की ओर इशारा करता है।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, 'जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं।' साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है। अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की।

सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

महिला शतरंज विश्व कप में दिव्या-हम्पी अंतिम-16 में

नई दिल्ली। भारत की जहां दो खिलाड़ियों ने अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी डी हरिका, वंतिका अग्रवाल और आर वैशाली भी अंतिम-16 में जगह बना सकती हैं, लेकिन यह सब टाईब्रेकर में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। महिला ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और ग्रैंडमास्टर बनने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी ने जॉर्जिया के बातुमी में जारी विपरीत अंदाज में फिडे महिला विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बनाई। दिव्या को अंतिम 16 में पहुंचने के लिए आधा अंक की जरूरत थी जो उन्होंने सर्बिया की टेओडोरा इंजाक के खिलाफ ड्रॉ खेल कर हासिल कर लिया लेकिन हम्पी को पोलैंड की कुलोन क्लॉडिया को हराने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। भारत की जहां दो खिलाड़ियों ने अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की कर ली है वहीं तीन अन्य भारतीय खिलाड़ी डी हरिका, वंतिका अग्रवाल और आर वैशाली भी अंतिम-16 में जगह बना सकती हैं, लेकिन यह सब टाईब्रेकर में उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। ग्रैंडमास्टर हरिका ने यूनान की त्सोलाकिडोउ स्टावरौला के साथ लगातार ड्रॉ खेलकर खुद को प्री-क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनाए रखा, जबकि वंतिका रूस की कैटरीना लागनो पर पहले दौर की जीत के बाद दूसरे दौर में हार गई जिससे स्कोर बराबर हो गया।

संसद से बॉलीवुड तक, रवि किशन नंबर वन!

जनता के दिल से लेकर संसद तक, और अब ग्लोबल मंचों तक ये हैं रवि किशन शुक्ला

उदय भगत

सिनेमा के परदे पर जब वे बोलते हैं, तालियाँ गूंजती हैं। संसद के भीतर जब वे सवाल करते हैं, तो सरकारें सजग हो जाती हैं। और जब वे जनता के बीच जाते हैं, तो लोग कहते हैं "ये हैं हमारे असली नायक!" हम बात कर रहे हैं बहुप्रतिभाशाली अभिनेता और गोरखपुर से लोकसभा सांसद रवि किशन शुक्ला की, जिनकी उपलब्धियों की फेहरिस्त आज इतनी लंबी हो चुकी है कि खुद देश-प्रदेश का मीडिया उन्हें "संसद से बॉलीवुड तक नंबर वन" का खिताब दे चुका है।

'सन ऑफ सरदार 2' में नया अवतार, 25 जुलाई को होगी रिलीज़

फिल्मों में अपने तीखे संवाद और मजबूत परफॉर्मेंस के लिए पहचाने जाने वाले रवि किशन अब 'सन ऑफ सरदार 2' में एक बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे। फिल्म 25 जुलाई 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें वे एक सरदार किरदार में नज़र आएंगे, जो दमदार, प्रभावशाली और एक्शन से भरपूर है। रवि किशन ने फिल्म के निर्देशक और को-स्टार अजय देवगन का विशेष रूप से आभार जताते हुए कहा, "बॉलीवुड ने मुझे फिर से अपनाया है, इसके लिए अजय देवगन का धन्यवाद। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, संघर्ष के बाद मिली स्वीकृति का प्रतीक है।"

'लापता लेडीज़' से ऑस्कर तक की यात्रा

रवि किशन की पिछली चर्चित फिल्म 'लापता लेडीज़', जिसमें वे केंद्रीय भूमिका में थे, भारत की ओर से ऑस्कर 2025 के लिए आधिकारिक नामांकन बन चुकी है। यह उनके अभिनय के प्रति इंडस्ट्री के सम्मान और दर्शकों के प्रेम का प्रतीक है। यह फिल्म सामाजिक विषयों को हास्य और संवेदनशीलता के साथ पेश करती है, जिसमें रवि किशन की भूमिका दर्शकों के दिल में घर कर जाती है।

रवि किशन: नाम नहीं, अब एक प्रेरणा हैं

रवि किशन शुक्ला की कहानी सिर्फ एक सफल अभिनेता की नहीं, बल्कि एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बनाने वाले संघर्षशील बेटे की है। "फिल्मों में जिन किरदारों को जिया, संसद में उन्हीं मुद्दों के लिए लड़ रहे हैं - यही है रवि किशन की असली पहचान।" वे साबित कर चुके हैं कि यदि आप अपने कर्म, जनता और संस्कृति के प्रति सच्चे हैं, तो हर मंच आपके लिए तालियाँ बजाता है।

राजनीति में भी सबसे आगे - सांसद रत्न सम्मान

सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि संसद में भी रवि किशन सबसे आगे हैं। 26 जुलाई 2025 को उन्हें 'सांसद रत्न' सम्मान से नवाज़ा जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार सत्र में सर्वाधिक सवाल पूछने वाले सांसदों में शुमार होने के लिए मिल रहा है। पिछले सत्रों में उन्होंने ड्रग्स, बेरोजगारी, फिल्म इंडस्ट्री में सुधार, गोरखपुर के विकास, MSME सेक्टर, रेलवे सुविधाएं, महिला सुरक्षा और डिजिटल ग्राम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर खुलकर प्रश्न किए और बहस में भाग लिया। उनकी ऊर्जा, स्पष्टता और 'डायलॉग डिलीवरी' आज संसद में भी उतनी ही चर्चित है, जितनी पहले फिल्मों में हुआ करती थी।

आईफा अवॉर्ड से भी हुए सम्मानित

हाल ही में रवि किशन को IIFA अवॉर्ड से भी नवाज़ा गया। यह पुरस्कार उनकी एक्टिंग जर्नी और कंटेंट ड्रिवन रोल्स के लिए दिया गया। OTT पर भी उनके प्रदर्शन ने लोगों को हैरान किया है। "रंगबाज़" में उनका राजनीतिक किरदार, "बिच्छू का खेल" में उनका ग्रे अंदाज़, "खाकीः द बिहार चैप्टर" में एक जमीनी सिस्टम की झलक, "द व्हाइट टाइगर" जैसे इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में भी उनका काम सराहा गया। उनका डायलॉग - "कहानी में ट्विस्ट है सरकार!" आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता है।

गोरखपुर के लिए समर्पित, जनता के लिए प्रतिबद्ध

रवि किशन का दावा सिर्फ बॉलीवुड पर नहीं, बल्कि पूर्वांचल की जनभावनाओं पर भी है। गोरखपुर से सांसद बनकर उन्होंने अपने क्षेत्र मेंः रेलवे सुविधाओं में सुधार, युवा रोजगार केंद्र की पैरवी, सड़क व जलनिकासी योजनाओं में गति, और फिल्म सिटी पूर्वांचल में लाने के प्रयास शुरू किए हैं। उनकी कोशिश है कि पूर्वांचल सिर्फ गौरव की भूमि ही नहीं, संभावनाओं का केंद्र भी बने।

दिव्यांका का घर

किसी होटल से कम नहीं है

विवेक और दिव्यांका का हाउस टूर फराह खान ने अपने यूट्यूब चैनल पर किया था। इन तस्वीरों में विवेक और दहिया को अपने घर को देखाते हुए देखा जा सकता है। ये दिव्यांका और विवेक के घर का स्टडी एरिया है। यहां एक नीले रंग का सोफा लगा है और और किताबों का अड्डा देखा जा सकता है। कभी टीवी की नंबर 1 हीरोइन रहीं दिव्यांका को उनके काम के लिए इतने सारे अवार्ड्स मिले हैं। इनमें से कुछ विवेक के भी हैं। ये दिव्यांका के घर का लिविंग एरिया है।

खास बात ये है कि घर का हिस्सा इतना बड़ा है कि डाइनिंग टेबल भी यही देखी जा सकती है। ये दिव्यांका की किचन का काउंटर है। साथ में कॉफी मशीन रखी हुई है। इस काउंटर पर ही अक्सर सुबह का ब्रेकफ़ास्ट होता है। ये दिव्यांका की छोटी लेकिन ओपन किचन है। यहां एक्ट्रेस के घर के दो हेल्पर कूकिंग में उनकी मदद करते हैं। दिव्यांका ने अपने दोनों हेल्पर को फराह से मिलवाया। ये डाइनिंग टेबल है। दिव्यांका के घर में कोई खास फैंसी आइटम नहीं है। उन्होंने साधारण चीजों से घर को सजाया हुआ है। इस डाइनिंग टेबल के ठीक पीछे उनका बड़ा सा टीवी है। ये डाइनिंग टेबल पर फराह स्पेशल मील एन्जॉय कर रही हैं। विवेक और दिव्यांका भी साथ नजर आ रहे हैं।

बेटे रुहान को गोद में नहीं उठा पा रही हैं दीपिका कक्कड़

एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ की हाल ही में 14 घंटे की सर्जरी हुई थी। वह स्टेज 2 लिवर ट्यूमर से जूझ रही हैं। उनके अंदर टेनिस बॉल के जितना ट्यूमर था, जिसे डॉक्टर ने निकाल दिया है लेकिन अब वह उसके साइड इफेक्ट्स का सामना कर रही हैं। दीपिक वैसे तो इससे रिकवर कर रही हैं लेकिन फैंस अभी भी परेशान हैं।

एक्ट्रेस अपनी हेल्थ से जुड़ी सभी अपडेट्स अपने डेली व्लॉग के जरिए देती हैं और इस बार भी उन्होंने अपने मुंह में हो रहे छाले के बारे में बताया है। दीपिक कक्कड़ की सर्जरी के बाद शोएब इब्राहिम ने बताया था कि एक्ट्रेस को दोबारा ट्यूमर हो सकता है लेकिन उसके लिए सभी प्रिकॉशन्स लेने होंगे। जैसा कि वह कर भी रहे हैं। वह अच्छा खा रही हैं। हल्का-फुल्का वर्काउट भी कर रही हैं। उन्होंने अपने खाने में ज्वार की रोटी, एक सब्जी, दाल, चावल और दही शामिल कर लिया है। और वह मिर्च और तेल से बना खाना भी अवॉइड कर रही हैं। दीपिका कक्कड़ ने 10 जुलाई को अपना टारगेट थेरेपी ट्रीटमेंट शुरू किया और बताया कि उससे उनके मुंह में छाले निकलने लगे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ठीक फील कर रही हूं लेकिन कुछ दिनों में इस बारे में पता चल जाएगा। डॉक्टर्स ने जो-जो प्रिकॉशन्स बताए हैं, सब फॉलो कर रही हूं। मुझे हाइड्रेट रहने और अच्छा खाने को कहा गया है। क्योंकि इस ट्रीटमेंट में मुंह, हथिलियों और पैरों में छाले हो सकते हैं और स्किन भी पपड़ीदार हो सकती है। साथ ही घूर में सीधे न जाने के लिए कहा गया है। ग्लव्स पहनने को कहा गया है और हर वक्त मोजे भी पहनने की सलाह मिली है।'

कैजुअल सेक्सिज्म पर कोंकणा सेन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा फिल्म इंडस्ट्री में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। अपने करियर में एक्ट्रेस ने कई शानदार फिल्में दी हैं। इन दिनों कोंकणा अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अनुराग बसु की इस फिल्म में कोंकणा ने अपनी एक्टिंग से एक बार फिर से दर्शकों का दिल जीता है। इसी बीच अब कोंकणा अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आई हैं। कोंकणा ने अपने इंटरव्यू में बॉलीवुड को लेकर खुलकर बात की है। साथ ही कैजुअल सेक्सिज्म पर कुछ ऐसा कहा जिसकी अब सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

कोंकणा सेन शर्मा ने हाल ही में Zoom को दिया है। इस इंटरव्यू के दौरान कोंकणा सेन शर्मा ने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। इस इंटरव्यू के दौरान कोंकणा ने कैजुअल सेक्सिज्म को लेकर खुलकर बात की। कोंकणा से जब कैजुअल सेक्सिज्म को लेकर सवाल किया गया तब एक्ट्रेस ने बेझिझक इस पर खुलकर जवाब दिया। कोंकणा ने कहा, 'हमें ये समझना होगा कि ये बहुत ही गलत और खराब है और ये चीजें बदलनी जरूरी है। मुझे लगता है कि इसे उजागर करना बहुत जरूरी है, खासतौर पर दोस्तों के बीच भी, क्योंकि बहुत सी चीजें हैं जिन्हें हम नॉर्मल मान लेते हैं, जैसे कि हम जिन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं या जिस तरह के लोगों के बारे में बात करते हैं।' कोंकणा ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि आपको हर बार खुलकर बोलना चाहिए, भले ही यह बोरिंग लगे या सिर्फ एक मजाक ही क्यों न हो।

दोबारा रिलीज हो रही है 'भाग मिल्खा भाग'

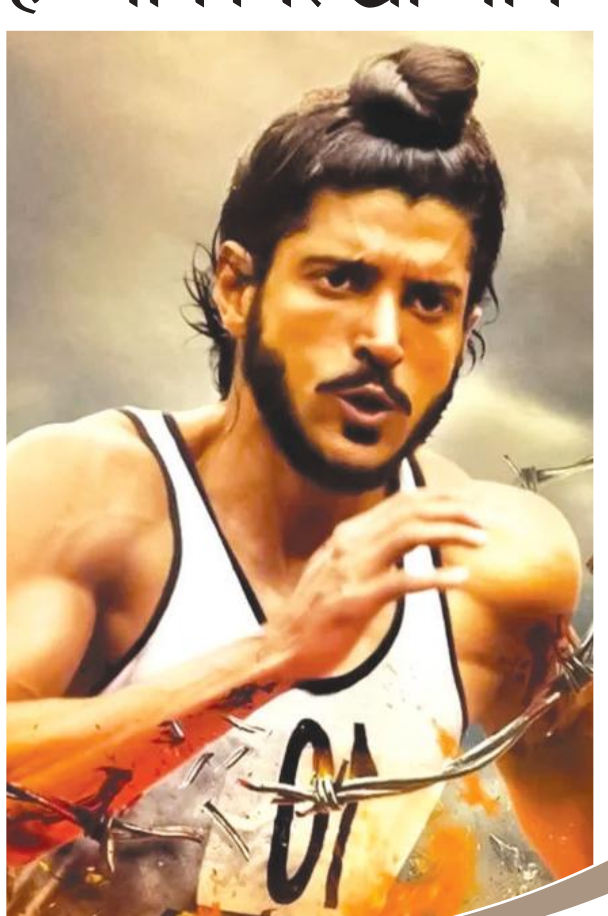

स्पोर्ट्स ड्रामा पसंद करने वालों के लिए अच्छी खबर आई है। फ्लाइंग सिख के नाम से मशहूर मिल्खा सिंह की जिंदगी पर बनी सुपरहिट फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है। पीवीआर-आईनॉक्स ने इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया है और बताया है कि ये फिल्म देशभर के चुनिंदा थिएटरों में ही दिखाई जाएगी। फरहान अख्तर, जिन्होंने मिल्खा सिंह का किरदार निभाने के लिए जबरदस्त मेहनत की था, उन्होंने हा, "मिल्खा सिंह जी का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात थी। जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी थी। मुझे खुशी है कि दर्शक फिर से इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देख पाएंगे।" वहीं सोनम कपूर इस फिल्म को अपने करियर की बेस्ट फिल्म बताया है। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि मिल्खा सिंह जी की विरासत को सलाम है।" राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फरहान अख्तर और सोनम कपूर के अलावा दिव्या दत्ता और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म में भारत-पाकिस्तान बंटवारे के दर्द से लेकर मिल्खा सिंह के 'फ्लाइंग सिख' बनने तक की कहानी दिखाई गई है। फिल्म के गाने और प्रसून जोशी की लिखी स्क्रिप्ट आज भी लोगों के दिलों में हैं। 'भाग मिल्खा भाग' को भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन बायोपिक में गिना जाता है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस से 108.80 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 168 करोड़ रुपये क ी

फिल्म एनिमल में काम नहीं करना चाहते थे एक्टर सौरभ सचदेवा

साल 2017 से हिंदी सिनेमा में एक्टिव एक्टर सौरभ सचदेवा ने मनमर्जियां, हड्डी, वध, लाल कप्तान और सेक्रेड गेम्स जैसी फिल्मों और वेब सीरीज़ से एक अलग पहचान बनाई है। लेकिन रणबीर कपूर और बॉबी देओल की फिल्म एनिमल में ज्यादा पसंद किया गया। इस फिल्म ने जैसे उन्हें नई पहचान दे दी हो। इस फिल्म में सौरभ ने आबिद उल हक का किरदार निभाया था जो गूंगे बॉबी देओल के किरदार अबरार का भाई और उनकी जुबान का काम करता है। दोनों के बॉन्ड को पसंद किया गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं सौरभ इस किरदार को निभाने के लिए तैयार नहीं थे। फिर एक सीन ने उनका मन बदल दिया।

डीएनए के साथ बातचीत में सौरभ ने फिल्म एनिमल में खुद के कास्ट किए जाने पर कहा कि बंबई मेरी जान की सक्सेस पार्टी में डायरेक्टर बिजॉय नाम्बियार ने मुझे बताया कि संदीप रेड्डी वांगा मुझसे मिलना चाहते हैं। बाद में टी-सीरीज से कॉल आया और मुझे स्क्रिप्ट सुनाई गई। लेकिन सुनने के बाद मैंने अपने मैनेजर को फोन किया और कहा 'मुझे ये फिल्म नहीं करनी, मैं किरदार और इसकी दुनिया को लेकर कंफ्यूज़ हूं। लेकिन मैनेजर के कहने पर उन्होंने कहानी को दोबारा सुनने के लिए खुद क ो तैयार किया। दूसरी बार डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें कहानी सुनाई। सौरभ ने कहा, "मैंने संदीप से पूछा, आप मुझे किस दुनिया में ले जा रहे हो? ये 'सेक्रेड गेम्स' की दुनिया है, या 'हड्डी', या फिर 'बंबई मेरी जान'? मैं उलझ गया था। तब संदीप मुझे एडिट रूम ले गए और फिल्म के कुछ हिस्से दिखाए। पहले उन्होंने वो इंटरवल वाला गन-फाइट वाला सीन दिखाया, जो काफी भारी और डरावना था। फिर उन्होंने रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी वाला वो इमोशनल सीन दिखाया जहां रणबीर उनको निहार रहे होते हैं और तृप्ति किताब से चेहरा छुपा लेती हैं। वो सीन इतना गहरा था कि मेरे अंदर कुछ जुड़ गया। मुझे उस कहानी से एक भावनात्मक कनेक्शन महसूस हुआ। उसी पल मैंने फिल्म करने का मन बना लिया।"

हुमैरा का आखिरी वॉइस नोट वायरल

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर की मिस्टीरियस मौत बीते काफी समय से सुर्खियों में है। वह अपने कराची अपार्टमेंट में मृत पाई गईं और पोस्टमॉर्टम से पता चला कि वह 9 महीने पहले ही मर चुकी थीं। अब उनका एक वॉइस नोट वायरल हो रहा है जिसमें हुमैरा अपने लिए दुआ मांगने की बात कह रही हैं। हुमैरा की मौत कैसे हुई, पुलिस छा नबीन कर रही है। उनकी हत्या के ऐंगल पर भी जांच की जा रही है।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर की मौत का रहस्य सुलझ नहीं पा रहा। इस बीच उनकी दोस्त दुरेशहवार ने एक मैसेज शेयर किया है जो हुमैरा ने उनके लिए भेजा था। वॉइस नोट में हुमैरा बोल रही हैं, 'मुझे माफ कर देना, मैं ट्रैवल कर रही थी, बिजी थी। मैं खुश हूं कि तुम मक्का में हो। मेरे लिए बहुत सारी प्लीज... अपनी क्यूटी सी दोस्त-बहन के लिए बहुत सारी दिल से दुआ करना। मेरे करियर के लिए दुआ में जरूर याद रखना। मेरे लिए बहुत सारी तुम्हें दुआ करनी है।' रिपोर्ट्स हैं कि हुमैरा ने सितंबर 2023 में ये वॉइस नोट भेजा है। हुमैरा असगर की बॉडी कराची में उनके अपार्टमेंट में काफी खराब कंडीशन में मिली थी। रिपोर्ट्स हैं कि उनकी मौत करीब 9 महीने पहले ही हो चुकी है। अरब न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हुमैरा की मौत अक्तूबर 2024 में हो गई थी। इतने दिनों तक पड़ी रहने की वजह से उनकी बॉडी डिकम्पोज हो गई। यह बात पोस्टमॉर्टम में भी कन्फर्म हुई है। हुमैरा की कॉल डिटेल में आखिरी फोन भी अक्तूबर 2024 का मिला। पुलिस ने उनके पर्सनल चैट को अनलॉक किया है। हत्या के ऐंगल से भी जांच की जा रही है।

अक्षय की फिल्म इस दिन OTT पर हो रही है प्रीमियर

हाउसफुल सबसे पसंद की जाने वाली फ्रंचाइजी में से एक है। पिछले कुछ सालों से अक्षय कुमार समेत एक्टर्स ने अपनी जबरदस्त एक्टिंग और फिल्म की मजेदार कहानी ने ऑडियंस को इम्प्रेस किया। अब हाल में इस फिल्म का पांचवां पार्ट भी रिलीज किया गया था। इंडियन सिनेमा में ये पहली बार हुआ जब किसी फिल्म के 2 क्लाइमेक्स अलग-अलग रिलीज किए गए। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर हफ्तों तक अपनी पकड़ बनाए रखी।

अब ये फिलन OTT प्लेटफार्म पर दस्तक देने जा रही है। Binged वेबसाइट के मुताबिक ये फिल्म 1 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी। हालांकि, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हाउसफुल 5 की बात करें तो इस बार मेकर्स एक मर्डर मिस्ट्री लेकर आए थे। एक क्रूज पर मर्डर हो जाता है और सभी को जॉली की तलाश होती है। फिल्म अक्षय, अभिषेक और रितेश के अलावा जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नर्गिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे एक्टर्स ने भी काम किया है। हाउसफुल 5 की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है और डायरेक्शन किया है तरुण मनसुखानी ने।